शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 07 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु. । वर्ष-6 । अंक-250

सिद्धरामैया ने येत्तिनाहोले परियोजना के पहले चरण का किया उद्घाटन @ नम्मा बेंगलूरु

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024

16 सूत्रों वाला भाजपा का संकल्प पत्र जारी, अमित शाह बोले

अनुच्छेद 370 हो चुका भूत, अब कभी नहीं लौटेगा

- जम्मू कश्मीर के लिए स्वर्णिम काल रहा 2014 से 2024
- स्वर्णिम काल कायम रखें लोग, प्रदेश का विकास जारी रखें

जम्मू, 06 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी का चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए खत्म करना भाजपा सरकार का ऐतिहासिक फैसला रहा। अब ये दोनों अतीत बन चुके हैं। उनकी अब कभी वापसी नहीं हो पाएगी। 2014 से 2024 तक जम्मू-कश्मीर के लिए स्वर्णिम काल रहा है। इसे प्रदेश के लोग कायम रखें। पहले यहां अलगाववादियों के सामने सरकारें नतमस्तक हुआ करती थीं। लेकिन बीते 10 साल में यहां शांति रही और विकास हुआ।

अमित शाह ने कहा कि आजादी के समय से ही हमारी पार्टी के लिए जम्मू-कश्मीर का ये भूभाग बहुत महत्वपूर्ण रहा है और आजादी के समय से ही हमने इस भूभाग को हमेशा भारत के साथ जोड़े रखने के लिए प्रयास किए। पंडित प्रेमनाथ डोगरा से लेकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की शहादत तक ये पूरा संघर्ष पहले भारतीय जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी ने आगे बढ़ाया। क्योंकि जम्मू-कश्मीर हमेशा से भारत का हिस्सा है और रहेगा। अमित शाह ने कहा, 2014 तक जम्मू-कश्मीर पर हमेशा आतंकवाद और अलगाववाद की परछाई रही। ये हमेशा जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करते रहे और सभी सरकारों ने एक प्रकार से तुष्टिकरण की पॉलिटिक्स से जम्मू-कश्मीर को डील किया।

▶10 पर

भाजपा के संकल्प पत्र में पूर्ण राज्य से लेकर कई वादे

जम्मू, 06 सितंबर (एजेंसियां)

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए जारी भाजपा के संकल्प पत्र में पूर्ण राज्य का दर्जा देने समेत कई महत्वपूर्ण वादे और घोषणाएं शामिल हैं।

1.टेररिस्ट हॉटस्पॉट से टूरिस्ट स्पॉट की ओर : श्रीनगर शहर की डल झील को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेंगे और जल क्रीड़ा को बढ़ावा देंगे। श्रीनगर के टैटू ग्राउंड में मनोरंजन पार्क बनाएंगे। डोडा, किश्तवाड़, रामबन, राजौरी, पुंछ, उधमपुर और कठुआ के ऊपरी क्षेत्रों में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा। कश्मीर घाटी में गुलमर्ग और पहलगाम को आधुनिक पर्यटन शहर के रूप में विकसित करेंगे और इसके लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाएंगे। तवी रिवर फ्रंट का विकास अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर करेंगे। रणजीत सागर बांध बसोहली (कठुआ) के लिए एक अलग झील विकास प्राधिकरण बनाकर पर्यटन को बढ़ावा देंगे।

2. मूलभूत सुविधाओं का विकास : सभी उपभोक्ताओं के बिजली और पानी के बकाया बिलों की समस्या के समाधान के लिए योजना बनाएंगे। जल जीवन मिशन हर घर नल से जल अभियान के तहत जम्मू-कश्मीर के सभी घरों में पेयजल उपलब्ध कराएंगे। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से परिवारों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराएंगे, जिसमें सौर उपकरण की स्थापना के लिए 10,000 रुपए की सब्सिडी भी दी जाएगी।

3. पुरानी सभ्यता की ओर लौटता जम्मू-कश्मीर : ऋषि कश्यप तीर्थ पुनरुद्धार अभियान के अंतर्गत हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। 100 खंडहर मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। ▶10 पर

गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं

'शुभ-लाभ' के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और हॉकरों को श्री गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। विघ्नहर्ता आपके जीवन के प्रत्येक विघ्न हरें।

अवकाश सूचना

भगवान गणेश जी की चतुर्थी के उपलक्ष्य में 'शुभ-लाभ' कार्यालय में शनिवार दि. 07 सितंबर, 2024 को अवकाश रहेगा। अत: 'शुभ-लाभ' का अगला अंक सोमवार 09 सितंबर, 2024 को प्रकाशित होगा।

\- प्रबंधक

जम्मू कश्मीर में जमीनी हकीकत के बजाय हवाबाजी ज्यादा

चुनावी सियासत पर छाया है अनुच्छेद 370 का भूत

कश्मीर में मुस्लिम वोट बैंक पर पार्टियों की नजर

जम्मू, 06 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव में जमीनी हकीकत के बजाय हवाबाजी ज्यादा हो रही है। सारे राजनीतिक दल हवाई सियासत के जरिए मुस्लिम वोट फंसाने में लगे पड़े हैं। चुनावी सियासत पर अनुच्छेद 370 का भूत छाया हुआ है। कोई उसे पूरा वापस लाने के फर्जी वादे कर रहा है तो कोई उसका एक हिस्सा लागू करने के सपने दिखा रहा है। अनुच्छेद 370 की बहाली का मुद्दा भाजपा बनाम विपक्ष का मुद्दा बन गया है।

खास बात यह है कि लगभग सभी विपक्षी पार्टियां कई मौकों पर ये दोहरा चुकी हैं कि अनुच्छेद 370 की बहाली संसद के हाथ में है बावजूद इसके वे 370 की बहाली का वादा कर इस मुद्दे को भुनाने में जुटी हैं। तमाम विपक्षी पार्टियां ऐसा मानने के बावजूद अपने घोषणापत्रों में इस वादे को सबसे ऊपर रख रही हैं।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने भी नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और अपनी पार्टी की तर्ज पर घोषणापत्र जारी किया है। अनुच्छेद 370 की बहाली के बहाने सबकी मुस्लिम वोट बैंक पर नजर गड़ी है। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा कि एक दिन आएगा जब हमारे पास अनुच्छेद 370 के बराबर संघीय समाधान होगा। वोट बैंक का मसला बन चुके इस मुद्दे के हल के वादे को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और अपनी पार्टी के बाद ▶10 पर

प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू की जल संचय जनभागीदारी पहल

जल संरक्षण मानवता के भविष्य का सवाल : मोदी

अहमदाबाद, 06 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री ने गुजरात में जल संचय, जनभागीदारी पहल की शुरुआत की। प्रधानमंत्री वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि यह बेहद अहम पहल है, जिसकी गुजरात की धरती से शुरुआत हो रही है। जल शक्ति मंत्रालय ने इस पहल की शुरुआत की है। हाल के दिनों में देश के हर कोने में भारी बारिश से तबाही जारी है। देश

जल संरक्षण सिर्फ नीति नहीं, जिम्मेदारी भी है

को कोई हिस्सा ही शायद होगा, जिसने इस प्राकृतिक आपदा की वजह से संकट न झेला हो। इस बार गुजरात को भी भारी संकट का सामना करना पड़ा। हमारी सारी व्यवस्थाओं में भी इतनी क्षमता नहीं है कि इस प्राकृतिक आपदा की घड़ी में हमारी मदद कर सकें, लेकिन गुजरात के लोगों और अन्य देशवासियों में ये आदत है कि संकट की घड़ी में सभी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण सिर्फ एक नीति नहीं है ▶10 पर

उत्तराखंड के ओल्ड लीपू पास से श्रद्धालु देख सकेंगे कैलाश

अब तिब्बत नहीं, भारत से ही होंगे कैलाशपति के दर्शन

देहरादून, 06 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने तिब्बत भारत सीमा से कैलाश दर्शन की अनुमति प्रदान कर दी है। आगामी 15 सितंबर से शिवभक्त भारतीय सीमा से ही अलौकिक कैलाशपति को देख सकेंगे। पिथौरागढ़ धारचूला होते हुए व्यास घाटी में ओल्ड लीपू पास मार्ग से डेढ़ किमी की कठिन चढ़ाई चढ़कर कैलाश दर्शन के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।नाभीढांग से ॐ पर्वत दर्शन के साथ ही कुछ ही किमी दूरी पर शिव भक्तों को कैलाश दर्शन हो जाएंगे। ये स्थान 18300 फुट की ऊंचाई पर है। जानकारी के मुताबिक, शिव भक्तों को रात्रि विश्राम नाभीढांग पर करना होगा और भोर सुबह कैलाश दर्शन के लिए जाना होगा, इसके पीछे कारण दर्शन स्थल पर चलती तेज हवा का होना बताया गया है। कैलाश मानसरोवर के दर्शन के लिए अभी तक श्रद्धालुओं को तिब्बत चीन क्षेत्र में जाना होता है, कोविड के बाद से चीन से भारतीय सीमा से कैलाश मानसरोवर यात्रा नहीं खोली है। ▶10 पर

सेना के कमांडरों के सम्मेलन में बोले रक्षा मंत्री

युद्ध के लिए तैयार रहे भारतीय सेना : राजनाथ

लखनऊ, 06 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना के मध्य कमान मुख्यालय लखनऊ में हुए सैन्य कमांडरों के सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए भारतीय सेना का आह्वान किया कि वह युद्ध के लिए तैयार रहे। राजनाथ ने कहा, भारत दुनिया का एकमात्र राष्ट्र है, जिसने वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है और शांति की वकालत की है। भारत सदा से शांति का पुजारी था, है और रहेगा। लेकिन आज जैसी वैश्विक परिस्थितियां हैं उसमें सेना को युद्ध के लिए तैयार रहना होगा। इसका उद्देश्य यह है कि किसी

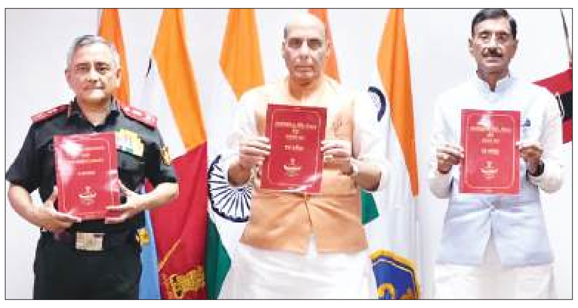

वैश्विक चुनौतियों के बीच शांति से आगे बढ़ रहा भारत

भी सूरत में हमारी शांति भंग न होने पाए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को लखनऊ में सेना के कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल हमास युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि सेना के अधिकारी इन घटनाओं का विश्लेषण करें और भविष्य में देश के सामने आने वाली समस्याओं का अनुमान लगाने वाली अप्रत्याशित घटनाओं से निपटने के लिए तैयार रहें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत के विकास का दावा किया। भारत अपेक्षाकृत वैश्विक अस्थिरता के माहौल में भी शांतिपूर्ण तरीके से विकास कर रहा है। बावजूद इसके चुनौतियों को देखते हुए हमें बहुत अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सबसे महत्वपूर्ण है कि अमृत काल के दौरान अपनी शांति को बरकरार रखने की आवश्यकता है। हालांकि, हमें अपने वर्तमान पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

▶10 पर

एग्जिट पोल को नियंत्रित करने की याचिका खारिज

अब चुनाव की गाथा बंद करें : चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 06 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एग्जिट पोल को नियंत्रित करने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे राजनीतिक हित याचिका करार देते हुए कहा कि देश में शासन चलने दें और चुनाव की गाथा बंद करें।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बीएल जैन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सरकार चुनी जा चुकी है। अब चुनाव के दौरान क्या होता है इसकी गाथा बंद करें और अब देश में शासन शुरू करें। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग इस मुद्दे को संभालने में सक्षम है और वह चुनाव आयोग को नहीं चला सकता।

बीएल जैन ने जनहित याचिका में कई चुनाव-सर्वेक्षण एजेंसियों और समाचार चैनलों को पक्षकार बनाया था। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मीडिया घरानों और उनकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ जांच की मांग की थी। याचिका में अधिवक्ता बीएल जैन ने कहा कि एग्जिट पोल प्रसारित किए जाने से निवेशकों को प्रभावित किया गया। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,380/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,028/- (प्रति किलोग्राम)

इस बार जम्मू कश्मीर के मतदाताओं का होगा लिटमस टेस्ट

उन्हें आतंकवादी, अलगाववादी और परिवारवादी पसंद हैं या विकास

जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जहां पारंपरिक राजनीतिक दलों के लिए कई चुनौतियां उभर कर सामने आ रही हैं। खासतौर पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) जैसी पार्टियों के लिए यह चुनाव उनके राजनीतिक भविष्य का लिटमस टेस्ट साबित हो सकता है। इन चुनावों में इस्लामी आतंकियों और बुरहान वानी जैसे आतंकवादियों को हीरो मानने वाले सरजन बरकती जैसों के प्रभाव का आकलन भी किया जाएगा, जो कि राज्य की जनता और राजनीतिक दलों दोनों के लिए एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

गांदरबल, जिसे अब्दुल्ला परिवार का पारंपरिक गढ़ माना जाता है, इस बार चुनावी संघर्ष का केंद्र बन गया है। इस क्षेत्र में उमर अब्दुल्ला को न केवल बाहरी दलों बल्कि स्थानीय नेताओं से भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक ओर यह क्षेत्र हमेशा से नेशनल कॉन्फ्रेंस का मजबूत किला रहा है, वहीं दूसरी ओर इस बार के चुनावी समीकरण पहले से काफी जटिल हो गए हैं।

शुभ-लाभ सरोकार

स्थानीय मुद्दों पर जनता की बढ़ती असंतुष्टि और नई राजनीतिक धारणाओं ने उमर अब्दुल्ला के लिए इस बार की लड़ाई को और कठिन बना दिया है।

इस्लामी आतंकियों और बुरहान वानी जैसे चरमपंथियों का प्रभाव भी इन चुनावों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। 2016 के बाद से, जब बुरहान वानी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया था, जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिला। वानी को हीरो के रूप में प्रस्तुत करने वालों और इस्लामी आतंकवाद को समर्थन देने वाले तत्वों का प्रभाव चुनावी राजनीति पर भी पड़ सकता है। इस परिस्थिति में, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवारों के लिए यह चुनौती और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि उन्हें न केवल अपने पारंपरिक वोट बैंक को बनाए रखना है, बल्कि इन नए उभरते तत्वों से भी मुकाबला करना है।

सरजन अहमद वागे, जिसे सरजन बरकती के नाम से जाना जाता है, का राजनीति में प्रवेश भी इस चुनाव को और रोचक बना रहा है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा तपस्यार्थियों का अभिनन्दन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुदेव श्री मलयप्रभ सागर जी ने पर्युषण महापर्व के सातवें दिन कहा यह आध्यात्मिक सप्ताह पूर्ण हुआ है और अब हमें संवत्सरी महापर्व मनाना है। हमें भाग्य से यह पर्व मनाने का अवसर प्राप्त हुआ। आध्यात्म साधना का चिराग लेकर जन-जन को पवित्र बनाने वाले पर्वाधिराज का शुभ दिवस संवत्सरी महापर्व हमारे समक्ष उपस्थित हो चुका है। जिस प्रकार किसी भी त्योहार या पर्व को मनाने के लिए कुछ दिन पूर्व ही तैयारी में जुटते हैं ठीक इसी प्रकार संवत्सरी पर्व मनाने सात दिन पूर्व से ही तैयारी में जुट जाते हैं। साधना के माध्यम से आत्मा का हमें कल्याण करना है। इन सात दिनों में अधिक से अधिक साधना आराधना के माध्यम से अपनी आत्मा की सफाई करते है फिर आठवें दिवस संवत्सरी पर्व के माध्यम से समकित का बीजारोपण किया जाता है। यह पर्व पवित्रता का पैगाम लेकर आता है, जिसमें तन, मन व समय सभी का सार्थक उपयोग करते हुए आत्मा को पवित्र बनाने का पुरुषार्थ किया जाता है। साधना के माध्यम से आत्मा का कल्याण करना है। जिस प्रकार नदी में गंगा नदी, पक्षियों में गरुढ़ पक्षी, पुष्पों में कमल व पर्वत में मेरु पर्वत श्रेष्ठ माने जाते हैं, ठीक उसी प्रकार पर्व में सर्वश्रेष्ठ पर्व महापर्व संवत्सरी को कहा जाता है, जिसे तीर्थंकर देव भी मनाते हैं। देवता गण भी नंदीश्वर द्वीप में जाकर इस आध्यात्मिक पर्व को मानते है, व धर्म की अनुमोदना करते है। हमें महान पुण्यवाणी से यह अमूल्य अवसर प्राप्त हुआ है, जिसमें बिना किसी खर्च के मालामाल होने का अवसर है। गुरुदेव ने आगे कहा कि यह आध्यात्मिक सप्ताह पूर्ण हुआ है। हमें बड़े ही भाग्य से यह पर्व मनाने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। दादाबाड़ी ट्रस्ट द्वारा आज अट्ठाई और अट्ठाई से ऊपर के तपस्यार्थियों का बहुमान किया गया। प्रवचन के पश्चात बारसा जी सूत्र चतुर्विध संघ के साथ लाभार्थी अजित कुमार, मांगीलाल साकरिया परिवार के निवास पर ले जाया गया और रात्रि में ज्ञान की और परमात्मा की भक्ति आयोजित की गई। संवत्सरी पर्व का प्रतिक्रमण शनिवार को महिलाओं और पुरुषों का अलग अलग शिफ्टों में आयोजित किया जाएगा। इसी के साथ क्षमापना यानि क्षमा देकर और क्षमा मांगकर इस महापर्व का समापन होगा।

जन्म जन्म के पापों का नाश करने वाला होता है जप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में पर्युषण पर्व का छठा दिन विजयनगर स्थित अर्हम भवन में जप दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं द्वारा मंगलाचरण के संगान के साथ हुआ। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने कहा जो जन्म जन्म के पापों का नाश करने वाला होता है वह है जप। कुछ व्यक्ति कार्य सिद्धि के लिए तो कुछ विघ्न निवारण के लिए तो कुछ ग्रह शांति के लिए जप का प्रयोग करते हैं। कुछ व्यक्ति आत्मा आराधना के लिए भी जप का प्रयोग करते हैं। साध्वी जी ने प्रतिक्रमण के दूसरे आवश्यक चउविस्टठव के विषय में बताते हुए कहा कि भगवान ने स्तुति के दो रूप बताए हैं, गुणानुवाद रूप और मंगलाचरण के रूप। स्तुति के महत्व को बताते हुए साध्वी ने कहा कि अगर तन्मयता के साथ लयबद्ध स्तुति की जाये तो हमारे भीतर अल्फा तरंगें पैदा होती है जो हमारे कण-कण में ऊर्जा का संचार कर हमारी आत्मा को शक्तिशाली महसूस करवाती है। तेरापंथ सभा विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर ने जप दिवस के उपलक्ष में पर्युषण काल में निरंतर चल रहे जप अनुष्ठान के लिए सभी को साधुवाद दिया। कार्यक्रम में युवा गौरव विमल कटारिया, तेयुप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत, सभा के मंत्री दिनेश हिंगड़, तेयुप अध्यक्ष कमलेश, मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया एवं सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

अट्ठाई तप के तपस्वियों का निकाला वरघोड़ा

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी के पावन प्रेरणा व सानिध्य में बड़ी संख्या में तप चल रहा है। अट्ठाई तप पच्चखान हेतु अनुमोदनार्थ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो महावीर कॉलोनी स्थित वासुपूज्य जैन मंदिर के दर्शन कर वाजते गाजते शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ मंदिर पहुच कर धर्म सभा में परिवर्तित हुआ। सभा भवन में बंधु त्रिपुटी महाराज द्वारा पच्चखान दिया गया। अट्ठाई तपस्वी दिलीप फौला मुथा, सयंम संकलेचा, दर्शन श्रीश्रीमाल, गणेश संकलेचा, भावेश बाफना, युतिक पारलेचा, कोमल लुंकड़, पुनम संकलेचा, चहक तातेड, महक बाफना, पिंकी बाफना का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मूर्तिपुजक संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, समिति सदस्य निर्मल पारेख, महेंद्र बंदा, हरीश शाह, सचिन जैन, विनोद फौलामुथा, धीरज बाफना, राजेंद्र संघवी, बाबूलाल खिवेंसरा समेत संघ के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गुरु पन्नालाल सूर्य के समान जिनशासन में चमके: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित डॉ वरुणमुनि ने पर्युषण महापर्व के 6वें दिन कहा कि भगवान महावीर ने श्रावक को श्रमणोपासक की उपमा दी है।

जो त्यागी संत श्रमणों की सेवा भक्ति आहार, वस्त्र, पात्र आदि विभिन्न प्रकल्पों में उन्हें सेवा पहुंचाते हुए आदर व विनयपूर्वक उनके संयम पालन में सहयोगी बनता है, वही सच्चा आदर्श श्रमणोपासक है। संत के संयमी जीवन के पालना के लिए श्रावक का जागरुक होना जरूरी है। श्रावकों के बिना श्रुतज्ञान का विस्तार नहीं हो सकता है। प्रवर्तक पन्नालाल महाराज का 137वां जन्मोत्सव धर्म आराधना एवं एकासन तप द्वारा मनाया गया। उन्होंने कहा गुरु पन्नालाल एक विद्धान, ज्ञानी, ध्यानी, त्यागी, तपस्वी संत थे। अपने जीवन काल में जैन संत, राजस्थान केसरी, स्वाध्याय शिरोमणि, प्रवर्तक पन्नालाल ने अंधविश्वास का प्रबल विरोध किया। गुरु पन्नालाल सूर्य के समान जिनशासन में चमके।

मात्र 11 वर्ष की उम्र में मोतीलाल महाराज के सानिध्य में दीक्षा लेकर अल्प समय में अनेक विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया। उनकी संयम साधना और तप उत्कृष्ट था। अनेक सिद्धियों को प्राप्त करने के बाद भी समभाव में रहे।

उन्होंने सदैव कहा जीवन में कभी अभिमान मत करना यह समय यह काल कब किस करवट बदलेगा पता नहीं चलेगा।

इसलिए सदैव समभाव में रहो। एकासन के लाभार्थी विनोदकुमार, अमितकुमार डांगी परिवार रहे। प्रभावना के लाभार्थी त्रिलोकचंद चौधरी, नमितकुमार कोठारी, विनोदकुमार डांगी एवं पंकजकुमार दुलीवाल परिवार रहे। संचालन संघ महामंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

हम पाप से घृणा करें, पापी से नही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में पर्युषण पर्व के छटे दिन अंतगड दशा सूत्र का वाचन एवं विवेचन करते हुए स्वाध्यायी अभय कुमार बांठिया ने कहा कि आगम का स्पष्ट संदेश है कि हम पाप से घृणा करें, पापी से नही। पापी में सुधरने की संभावना होती हैं और सही संगति मिलने पर उसका जीवन आदर्श जीवन भी बन सकता है। अंतगड सूत्र के अर्जुन माली के वर्णन में देख सकते हैं कि जब उसकी आस्था पर चोंट पहुंची तो वह पथ भ्रष्ट हो गया और हत्यारा बन गया। किंतु सुदर्शन श्रावक ने उसे संबल दिया। उसे सहारा दे कर भगवान महावीर से परिचय कराया। महापुरुषों के मात्र एक संपर्क में मानव हत्यारा अर्जुन माली मुनि बन गया और क्षमा का उदाहरण बन गया। अर्जुन मुनि ने शरीर को साधन बना कर श्रेष्ठ साधना की और सिद्ध बन गए। अभय कुमार ने कहा कि स्वच्छंदता स्वयं के प्रति अपराध है। मानव भव हमें शिखर चूमने के लिए मिला है और हम भौतिक सुखों में स्वच्छंद हो रहे हैं और मिला अवसर गंवा रहे हैं। पछताने के पहले सम्ह-लने में बुद्धिमानी है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री लक्ष्मी देवी पूजा सेवा समिति मुडलपाल्या द्वारा आयोजित लक्ष्मी देवी पूजा उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

निर्मल मन से करें धर्म की आराधना: राजेशमुनि जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित श्री लुणावत जैन स्थानक में पर्युषण पर्व के छठे दिन राजेश मुनि जी ने निर्मल मन से धर्म आराधना करने की प्रेरणा दी। मुनि ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें इन पावन दिनों को मनाने का सुनहरा अवसर, धर्म का सहारा और गुरु का सानिध्य प्राप्त हो रहा है।

भगवान महावीर ने पूरे विश्व को शांति का संदेश दिया। इसलिए पर्युषण पर्व सिर्फ जैनियों का नहीं, बल्कि पूरे विश्व का है। मुनि ने कहा कि जो व्यक्ति समय की कीमत पहचान लेता है सफलता उसके कदम चूमती है। हमें भूत भविष्य में नहीं बल्कि वर्तमान में जीना होगा और पुरुषार्थ कर जीवन को सफल बनाना होगा। हमें निर्मल मन से हर क्रिया को करना होगा तभी हमारा कल्याण निश्चित होगा। हमें अपने मन को निर्मल रखते हुए भगवान के समान बनना है। भगवान के भक्त बनकर उनकी भक्ति करनी चाहिए। बच्चों के मन की तरह हमारा मन सरल होना चाहिए। परिवार को खुशहाल रखने के लिए हमें कुव्यसनों से दूर रहना होगा। इस अवसर पर ऋषभ मुनि ने भी विचार व्यक्त किए। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने सभा का संचालन किया।

जप दिवस मनाया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा भवन में पर्युषण के छटवें दिन जप दिवस मनाया गया। उपासक छत्र सिंह मालू ने नमस्कार महामंत्र पर गीतिका से कार्यक्रम की शुरुआत की तथा सामुहिक अर्हम की ध्वनि का जाप कराया ।

हमारे जीवन में मंत्रों के प्रभाव को बताया। नमस्कार महामंत्र के पांचों पदों की संक्षिप्त रूप में जानकारी दी। उपासक भंवर लाल ने भगवान महावीर के पूर्व भवों का वर्णन किया। जप दिवस के अवसर पर हासन में अखंड जाप चला, जिसमें सभा, महिला मंडल, तेयुप, टीपीएफ, ज्ञानशाला, कन्या मंडल की सहभागिता रही। अणुव्रत दिवस के उपलक्ष में उपासक छत्र सिंह मालू ने गीतिका प्रस्तुत की और अणुव्रत के नियमों से अवगत कराते हुए उन नियमों को पालन करने की प्रेरणा दी। तत्पश्चात उपासक भंवरलाल मांडोत ने पार्श्वनाथ तीर्थंकर के जीवन पर 10 भवों के बारे में बताया।

|| श्री पार्श्वनाथाय नमः ||

क्षमा में चाहिए
भावों का कारवां...
मांफी में चाहिए
मधुरता का मिश्रण...
हृदय में चाहिए पश्चाताप
की अमल गंगा...
हम क्षमा मांगते हैं,
आप हमें करें क्षमा...

देशभर मे चातुर्मासार्थ विराजित साधु-साध्वीयों सभी श्री संघों एवं कर्नाटक के गदग में ऐतिहासिक चातुर्मासार्थ विराजित आगमरत्न सागरजी प्रशमरत्न सागरजी वज्ररत्न सागरजी बंधु त्रिपुटी मुनिराज की पावन निश्रा में चातुर्मास पर्युषण पर्व की आराधनाएं जिनवाणी तप व प्रतिक्रमण आदि धार्मिक अनुष्ठान हर्षोल्लास से गतिमान है। हम बंधु त्रिपुटी के चरणों में सवत्सरी महा पर्व पर नमन वंदन कर क्षमा याचना करते हैं।

॥ मिच्छामी दुक्कड़म् ॥

क्षमाप्रार्थी : श्री राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ गदग

सिद्धरामैया ने येत्तिनाहोले परियोजना के पहले चरण का किया उद्घाटन

हेब्बनहल्ली में बगिना भेंट की

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को हासन के सकलेशपुर तालुक के हेब्बनहल्ली में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और कई कैबिनेट मंत्रियों की मौजूदगी में येत्तिनाह-ोले एकीकृत पेयजल परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया। पश्चिम की ओर बहने वाली धाराओं पर बांध बनाकर एकत्र किए गए पानी को डोड्डानगरा गांव में स्थित डिलीवरी चैंबर (डीसी-3) में पंप किया जाता है।

वहां से पानी को फिर से हेब्बनहल्ली में डिलीवरी चैंबर (डीसी-4) में पंप किया जाता है। योजना के अनुसार डीसी-4 से पानी गुरुत्वाकर्षण द्वारा बहता है।

इस मौके पर गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा, उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल, सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना, पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली, लघु सिंचाई मंत्री बोसराजू, सकलेशपुर विधायक सीमेंट मंजू और अन्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों ने डोड्डानगरा में पंपिंग स्टेशन चालू किया और डीसी-3 से पंप किया गया पानी डीसी-4 तक पहुंचने के बाद उन्होंने हेब्बनहल्ली में बगीना चढ़ाया। इस परियोजना को हासन, चिक्कमगलूरु, तुमकुरु, चिकबल्लापुर, कोलार, बेंगलूरु ग्रामीण और रामनगरा के सात जिलों के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पानी पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है। अभी तक, काम का पहला चरण पूरा हो चुका है। हेब्बनहल्ली डिलीवरी चैंबर से छोड़ा गया पानी करीब 31 किलोमीटर तक बहता है और वहां एक एस्केप कैनाल पॉइंट के जरिए प्रवाह को वाणी विलास सागर घाटी की ओर मोड़ दिया जाता है।

शुक्रवार से अगले साठ दिनों तक यानी 6 नवंबर तक 1,500 क्यूसेक पानी पंप किया जाएगा। इससे वेदवती नदी पर बने वाणी विलास सागर बांध को 5 टीएमसी पानी मिलेगा।

चोरी के मामलों का पता लगाकर उसे करें नियंत्रित: बी दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि चोरी, घर में चोरी, वाहन चोरी सहित गंभीर चोरी के मामलों पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए और चोरी को नियंत्रित किया जाना चाहिए। शहर में सीएआर नॉर्थ परेड ग्राउंड द्वारा आयोजित मासिक अभ्यास में अभिनंदन प्राप्त करते हुए उन्होंने एसीपी स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्राधिकार के तहत अपराधों पर सावधानीपूर्वक विचार करें और जिम्मेदार कारकों के नियंत्रण और उपच-ारात्मक उपायों पर एक रिपोर्ट दें। डीसीपी के नेतृत्व में क्रियान्वयन के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं।

अपराध के मामलों में मुकदमा चलाने के साथ-साथ उन पर नियंत्रण के लिए भी कदम उठाने चाहिए। हमने जो काम किया है उसे जनता मान चुकी है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि वे आने वाले दिनों में भी अपनी ड्यूटी अच्छे से निभाएं। वहीं, सीएआर नॉर्थ परेड ग्राउंड में वर्षा जल संचयन के तहत गड्ढे खोदने का काम शुरू किया गया। खास बात यह है कि पुलिस जनता की सुरक्षा और शांति के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में भी इसकी सराहना की गयी है। शहर पुलिस आयुक्त कार्यालय को पहले ही शून्य अपशिष्ट कार्यालय घोषित किया जा चुका है। कूड़े की छंटाई और निस्तारण के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को डेढ़ महीने तक प्रशिक्षण दिया गया है। यह सराहनीय है कि एनजीओ और अन्य ट्रस्ट ने इसके लिए हाथ मिलाया है। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि उन्होंने इस बारे में जागरूकता दी और परियोजना को सफल बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अन्य पुलिस कार्यालयों को भी जीरो वेस्ट परिसर में तब्दील किया जायेगा। हाल के दिनों में बेंगलूरु सिटी पुलिस की जनता ने खूब तारीफ की है। हाल की जांच, परोपकारी कार्यों को सभी प्लेटफार्मों पर अच्छी तरह से प्राप्त किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। पहले, पुलिस स्टेशन केवल अमीरों और शक्तिशाली लोगों के लिए थे। लेकिन अब वे गरीबों और कमजोरों की सुरक्षा के लिए गढ़ों में तब्दील हो गए हैं। उन्होंने स्टाफ से कहा कि वे संयम से व्यवहार करें और थाने में शिकायत करने आने वाले लोगों की समस्या सुनें। शहर पुलिस आयुक्त ने मासिक परेड को उत्कृष्ट तरीके से आयोजित करने के लिए डीसीपी नागराज को बधाई दी।

19 सितंबर को कलबुर्गी में आयोजित होगी कैबिनेट बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की 19वीं कैबिनेट बैठक कलबुर्गी में होगी। कैबिनेट बैठक 19 सितंबर को शाम 4 बजे कलबुर्गी के मिनी विधान सौधा में क्षेत्रीय आयुक्त के कार्यालय के हॉल में होगी। इससे पहले, 2013 से 2018 के बीच मुख्यमंत्री रहे सिद्धरामैया ने ज्यादातर कैबिनेट बैठकें बेंगलूरु में की थीं।

अतीत में, देवराज अरसु सहित कई मुख्यमंत्रियों ने बेंगलूरु के बाहर कैबिनेट बैठकें की थीं और एक नई परंपरा की शुरुआत की थी। हाल ही में जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब कलबुर्गी में कैबिनेट की बैठक हुई थी, जिसमें क्षेत्रीय असमानता को खत्म करने के लिए बेंगलूरु से प्रशासनिक व्यवस्था को विकेंद्रीकृत करने पर काफी चर्चा हुई थी। इसके एक भाग के रूप में, बेलगावी में सुवर्णसौधा का निर्माण किया गया है और वर्ष में एक बार विधान मंडल सत्र आयोजित किया जाता है। कई वर्षों के बाद कलबुर्गी में कैबिनेट बैठक बुलाकर वहां की समस्याओं पर चर्चा करने और समाधान निकालने की मांग को स्वीकार कर लिया गया है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से चार लोगों की मौत, 3 घायल

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के मुद्देबिहाल तालुक के कुंतोजी गांव में गुरुवार रात तेज रफ्तार बाइक ने लोगों को टक्कर मार दी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पीड़ित शौच के बाद सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे ने तालुक अस्पताल में दम तोड़ दिया। तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उन्नत उपचार के लिए बागलकोट जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित गुरुवार रात को कुंतोजी मेले में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। रात करीब 11 बजे उन्होंने अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी की और शौच के लिए चले गए। लौटते समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान अनिल एम खैनूर (23), निंगाराजू चौडी (22) कुमार पयाती (18) और महंतप्पा बागेवाड़ी (24) के रूप में हुई है। मुद्देबिहाल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

कर्नाटक में हजार करोड़ के घोटाले का आरोप

तत्कालिन भाजपा सरकार निशाने पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में इन दिनों घोटालों का मुद्दा छाया हुआ है। मुडा और वाल्मीकि कॉरपोरेशन घोटाले को लेकर कर्नाटक की सिद्धरामैया सरकार विपक्ष के निशाने पर है। अब कर्नाटक में एक नए घोटाले के आरोप लग रहे हैं और इस बार निशाने पर पूर्ववर्ती भाजपा सरकार है। दरअसल कोरोना महामारी के दौरान फंड में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। इस कथित घोटाले में जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा ने सरकार को एक प्राथमिक रिपोर्ट सौंपी है। इस रिपोर्ट पर गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में चर्चा भी हुई। कोरोना के समय कर्नाटक में भाजपा की बीएस येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, ऐसे में कोरोना फंड में गड़बड़ी का आरोप पूर्व की भाजपा सरकार पर लग रहा है। आरोप है

कि करोड़ों रुपए के फंड की कथित हेराफेरी की गई। मीडिया रिपोर्टस में दावा किया जा रहा है कि जस्टिस कुन्हा की समिति को घोटाले से जुड़ी कई फाइलें गायब मिली हैं। राज्य में कोरोना के दौरान कुल 13 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए थे। हालांकि आधिकारिक तौर पर कोई आंकड़ा नहीं बताया गया है, लेकिन सूत्रों का दावा है कि कोरोना फंड में से करीब एक हजार करोड़ रुपए की हेराफेरी की गई। घोटाले की जांच रिपोर्ट को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी पेश किया जा सकता है। वहीं सरकार ने जस्टिस कुन्हा समिति का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया है ताकि अंतिम रिपोर्ट पेश की जा सके। एक हजार पन्ने की जस्टिस कुन्हा समिति की रिपोर्ट का अब सरकारी अधिकारियों द्वारा विश्लेषण किया जाएगा और एक महीने के भीतर सरकार को पेश किया जाएगा। कुन्हा रिपोर्ट को कांग्रेस और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के लिए एक वरदान के रूप में देखा जा रहा है, जिन्हें भाजपा मुडा घोटाले में घेरने की कोशिश कर रही है। सिद्धरामैया ने मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। वहीं कोविड फंड के कथित घोटाले को लेकर आरोप लग रहे हैं कि कांग्रेस सरकार ने बदले की भावना के तहत यह आरोप लगाए हैं। इस पर कर्नाटक सरकार के मंत्री ने कहा कि मुडा घोटाला दो महीने से भी कम पुराना है, जबकि कोरोना फंड में गड़बड़ी की जांच के लिए एक साल पहले कुन्हा समिति को नियुक्त किया गया था। कथित मुडा घोटाला मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण या मुडा द्वारा भूमि आवंटन में अनियमितताओं से जुड़ा हुआ है। आरोप लगाए गए हैं कि सिद्धरामैया की पत्नी बीएम पार्वती को मुआवजे के तौर पर आवंटित की गई भूमि, बदले में दी गई भूमि के मूल्य से कहीं ज्यादा है।

हाथियों के दूसरे जत्थे का वजन जांचा गया, सुग्रीव का वजन सबसे ज्यादा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु के धन्वंतरि रोड पर शुक्रवार सुबह 59 साल पुराने लॉरी वजन तौलने वाले पुल पर पांच दशहरा हाथियों के दूसरे जत्थे का वजन जांचा गया। वन अधिकारी डीसीएफ (वन्यजीव) आई बी प्रभु गौड़ा के अनुसार सुग्रीव का वजन सबसे ज्यादा 5,190 किलोग्राम था, महेंद्र का वजन 4,910 किलोग्राम, प्रशांत का 4,875 किलोग्राम और डोड्डाहरवे लक्ष्मी का 3,485 किलोग्राम था, जबकि हिरण्य का वजन 2,930 किलोग्राम था। पिछले साल अपने-अपने वन शिविरों के लिए रवाना होने से पहले सुग्रीव का वजन 5,310 किलोग्राम था और अब उसका वजन 120 किलोग्राम कम हो गया है, जबकि महेंद्र का वजन 4,835 किलोग्राम था और उसका वजन 75 किलोग्राम बढ़ गया है।

प्रशांत का वजन 5,215 किलोग्राम था और उसका वजन 340 किलोग्राम कम हो गया है। डोड्डाहारवे लक्ष्मी का वजन 3,365 किलोग्राम था और उसका वजन 120 किलोग्राम कम हो गया है। वहीं हिरण्या का वजन 3,025 किलोग्राम था और उसका वजन 95 किलोग्राम बढ़ गया है। वे सुबह करीब 7.30 बजे मैसूरु पैलेस के उत्तरी द्वार से तौल पुल की ओर मार्च करने लगे। वे के.आर. सर्किल, सयाजी राव रोड से गुजरे और धन्वंतरि रोड पर तौल पुल पर पहुँचे। हमेशा की तरह, उनके आगे चलने वाले एस्कॉर्ट वाहन से जुड़ा एक चुंबकीय मेटल डिटेक्टर/स्कैनर हाथियों के पैरों में कील या किसी भी धातु को चुभने से बचाने के लिए उन्हें परख रहा था।

पुलिस और यातायात पुलिस ने उनका अनुरक्षण किया और यातायात को सुचारू किया। ये पाँच हाथी गुरुवार शाम को मैसूरु पैलेस परिसर में पहुंचे और नौ अन्य - अभिमन्यु, धनंजय, गोपी, भीमा, रोहित, कंजन, एकलव्य, वरलक्ष्मी और लक्ष्मी के साथ शामिल हो गए, जो 21 अगस्त को पहले जत्थे के हिस्से के रूप में पहुँचे थे। पशु चिकित्सक मुजीब उर रहमान ने बताया कि इन पांच हाथियों को भी अन्य नौ हाथियों की तरह विशेष पौष्टिक भोजन दिया जाएगा, ताकि उन्हें दशहरा जंबो सवारी जुलूस के लिए तैयार किया जा सके। शुक्रवार की सुबह जंबो सवारी जुलूस मार्ग पर महलों के शहर के बीचों-बीच सभी 12 सौम्य दिग्गजों को चलते हुए देखना एक अद्भुत दृश्य था। लोग सड़कों के दोनों ओर हर दिन कतार में खड़े होकर वीडियो, फोटो और सेल्फी ले रहे थे। दे-वराज बाजार में कई फूल विक्रेता और यहां तक कि आम लोग भी उन्हें फूल भेंट कर रहे थे। कंजन और वरलक्ष्मी ने शुक्रवार की सुबह प्रशिक्षण में भाग नहीं लिया। वन अधिकारी डीसीएफ (वन्यजीव) आईबी प्रभु गौड़ा, आरएफओ संतोष हुगर, पशु चिकित्सक मुजीब उर रहमान और वन विभाग के अन्य कर्मचारी उनके साथ थे।

पुलिस ने प्रतिबंधित सीपीआई पार्टी के कथित सक्रिय सदस्य को पकड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी), बेंगलूरु सिटी पुलिस के आतंकवाद निरोधी प्रकोष्ठ (एटीसी) की एक टीम ने गुरुवार को शहर में एक 35 वर्षीय व्यक्ति को पकड़ा, जिसके बारे में उनका दावा है कि वह प्रतिबंधित माओवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) पार्टी का सक्रिय सदस्य है। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तमिलनाडु के चेन्नई के रहने वाले अनिरुद्ध राजन के रूप में की है। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें सूचना मिली थी कि चेन्नई का रहने वाला और सीप-ीआई (माओवादी) का सक्रिय सदस्य अनिरुद्ध राजन पिछले कुछ दिनों से बेंगलूरु में है और केम्पेगौड़ा बस स्टेशन से बस में सवार होकर किसी दूसरी जगह जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि जब उसे सीसीबी के पूछताछ केंद्र, मदिवाला ले जाया गया, तो उसने स्वीकार किया कि वह चेन्नई का रहने वाला अनिरुद्ध राजन है और पिछले पांच वर्षों से सीपीआई (माओवादी) का सदस्य है। उसने कथित तौर पर एक पेनड्राइव दी जिसमें सीपीआई (माओवादी) पार्टी के कुछ दस्तावेज और लेटरहेड थे। उन्होंने इंदिरानगर में उसके एक दोस्त के घर पर भी छापा मारा और दावा किया कि उन्हें और भी कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले हैं।

स्वास्थ्य बीमा पर 18 प्रतिशत जीएसटी पर पुनर्विचार करे केंद्र

कर्नाटक के मंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर स्वास्थ्य बीमा पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर पुनर्विचार करने की मांग की। उन्होंने आग्रह किया कि मैं आपको पत्र लिखकर 9 सितंबर को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में स्वास्थ्य बीमा पर 18 प्रतिशत कर पर पुनर्विचार करने के लिए कह रहा हूं। पत्र में कहा गया है कि यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि विडंबनापूर्ण भी है कि एक सरकार जो सार्वभौमिक बीमा के दृष्टिकोण का समर्थन करती है, वह भी इस पर इतनी अधिक दर से कर लगाती है कि यह स्वास्थ्य बीमा को पूरी तरह से हतोत्साहित करती है। उन्होंने कहा स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी 18 प्रतिशत के उच्चतम कराधान वर्गों में से एक है और 2017 से ऐसा ही है, जबकि सभी हितधारकों, जिसमें राजनेता और नीति निर्माता शामिल हैं, ने इसका कई बार विरोध किया है। राव ने कहा विशेष रूप से

महामारी के बाद की दुनिया में, एक आवश्यक सेवा/आवश्यकता पर इतना अधिक जीएसटी लगाना, कम से कम यह कहा जा सकता है कि यह कठोर है और एक कल्याणकारी राज्य को ऐसा नहीं करना चाहिए। जीएसटी की उच्च दर सीधे प्रीमियम की लागत को प्रभावित करती है, जिसका अर्थ है कि स्वास्थ्य बीमा अधिक महंगा हो जाएगा। राव ने जोर देकर कहा बढ़ती लागत, हालांकि उच्च आर्थिक वर्गों के लिए समझ में नहीं आती है, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है, जिनके लिए प्रीमियम में मामूली वृद्धि भी इसे खरीदना दुर्गम बना देती है। इसलिए, उस परिस्थिति में, वे प्रीमियम का खर्च उठाने के लिए या तो किसी अन्य आवश्यकता को छोड़ देते हैं या, अक्सर स्वास्थ्य बीमा लेने से बचते हैं, जिससे वे और उनका परिवार किसी चिकित्सा आपात स्थिति में फंस जाते हैं, जिससे उन्हें गंभीर वित्तीय संकट का सामना करना पड़ सकता है। राव ने कहा हालांकि इतने उच्च जीएसटी के औचित्य को कभी नहीं समझाया गया है, लेकिन चिकित्सा शिक्षा और बुनियादी ढांचे में अग्रणी राज्यों में से एक के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में, मैं हमारे कैशलेस राज्य स्वास्थ्य बीमा के सकारात्मक प्रभाव को देखता हूं जो बड़ी आपात स्थितियों के मामले में एक बफर के रूप में कार्य करता है। यह दो-चरणीय कवरेज प्रणाली हमारे नागरिकों की भलाई के लिए आवश्यक है। मंत्री राव ने कहा इस संदर्भ में, मैं आपको जीएसटी परिषद, जो 9 सितंबर को बैठक करने वाली है, को स्वास्थ्य बीमा पर मध्यम और निम्न आय वाले पॉलिसी धारकों के लिए 18 प्रतिशत कर पर पुनर्विचार करने की सिफारिश करने के लिए लिख रहा हूं, जो निश्चित रूप से वर्ष 2047 में सार्वभौमिक बीमा प्राप्त करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा।

भाजपा को प्रवीण, हर्ष मामलों में न्यायेतर हत्या की देनी चाहिए थी अनुमति : प्रताप सिम्हा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रताप सिम्हा ने यह दावा करके विवाद खड़ा कर दिया है कि राज्य की पूर्व भाजपा सरकार को दक्षिणपंथी कार्यकर्ता प्रवीण नेट्टारू और हर्ष जिंगाड़े की हत्या के मामले में न्यायेतर हत्या की अनुमति देनी चाहिए थी। दक्षिण कन्नड़ जिले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रताप ने कहा, पुलिस के पास आरोपियों का एनकाउंटर करने का अवसर था। उन्हें उनका स्थान पता था, उनके पास एक बंदूक और एक कारतूस था, लेकिन भाजपा सरकार ने ट्रिगर खींचने की कोई अनुमति नहीं दी। मैसूरु से पूर्व सांसद (एमपी) प्रताप

सिम्हा को 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने पार्टी का टिकट नहीं दिया। इसके बजाय मैसूरु राजघराने के यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार को टिकट दिया गया, जिन्होंने सीट जीत ली। वीएचपी के कार्यक्रम में प्रताप ने राज्य में भाजपा के नेतृत्व की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि इसमें साहस और हिंदुत्व विचारधारा के प्रति निष्ठा की कमी है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे नेता की जरूरत है, न कि जातिवादी राजनेताओं की। इस तरह का नेतृत्व हिंदू संगठनों द्वारा बनाया जाना चाहिए। भाजपा को विचारधारा और धर्म के प्रति साहस और निष्ठा वाले नेतृत्व की जरूरत है।

साथ ही, हमें खुद की जांच करनी चाहिए कि क्या धर्म के प्रति प्रेम और श्रद्धा है। प्रताप ने कर्नाटक में राजनीतिक वंशवाद पर भी कटाक्ष किया और पार्टी लाइन से परे वरिष्ठ नेताओं पर जनता की जरूरतों से ज्यादा अपने बच्चों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएस येदियुरप्पा, मल्लिकार्जुन खड़गे, एचडी कुमारस्वामी और देवेगौड़ा जैसे नेताओं ने व्यापक शासन की तुलना में अपने परिवार की राजनीतिक सफलता पर ज्यादा ध्यान दिया। प्रवीण नेट्टारू और हर्ष जिंगाड़े की हत्याओं ने 2022 में कर्नाटक में बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक तनाव पैदा कर दिया था।

प्रवीण, जो कर्नाटक भाजपा युवा मोर्चा के सदस्य थे, की दक्षिण कन्नड़ के सुल्लिया तालुक में बाइक सवार हमलावरों ने हत्या कर दी थी। 23 वर्षीय बजरंग दल के सदस्य हर्ष की भी कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध विरोध के चरम के दौरान शिवमोग्गा में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। हर्ष का आपराधिक रिकॉर्ड था और वह पहले भी मुस्लिम पुरुषों पर हमला करने और दंगा करने की घटनाओं में पुलिस के रडार पर था।

आरोप पत्र में रेणुकास्वामी और पवित्रा गौड़ा के बीच व्हाट्सऐप संदेशों के विवरण का उल्लेख

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने आरोप पत्र में चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी और पवित्रा गौड़ा के बीच व्हाट्सऐप संदेशों के विवरण का उल्लेख किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। दोनों के बीच करीब 65 वॉट्सऐप मैसेज भेजे गए। इनमें अश्लील मैसेज भी शामिल हैं। ये सभी संदेश रेणुकास्वामी और पवित्र गौड़ा और अन्य आरोपियों के मोबाइल फोन से भी प्राप्त किए गए थे और जानकारी एफएसएल से प्राप्त की गई और आरोप पत्र में शामिल की गई थी। इससे पहले पवित्रा गौड़ा और रेणुकास्वामी व्हाट्सऐप पर चैट करते थे। बाद में पवित्र गौड़ा ने ये बात दर्शन के दोस्त पवन को बताई। पवन ने उसे पवित्र गौड़ा के नाम से व्हाट्सऐप किया और उसके शहर और आवासीय पते का पता लगाया। बाद में उन्होंने ये बात दर्शन को बताई। दर्शन ने उसके अपहरण की साजिश रची थी। तदनुसार, रेणुकास्वामी का चित्रदुर्ग से अपहरण कर लिया गया और शहर के पट्टागेरे शेड में लाया गया। इससे पहले रेणुकास्वामी हत्याकांड में कन्नड़ अभिनेता दर्शन और अन्य आरोपियों के खिलाफ पुलिस द्वारा आरोपपत्र दाखिल किए जाने के एक दिन बाद, गुरुवार को सोशल मीडिया पर पीड़ित के जीवन की गुहार लगाते हुए एक तस्वीर सामने आई थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा शर्टलेस रेणुकास्वामी के चेहरे पर डर साफ झलक रहा था, वह कैमरे की तरफ देख रहा था, यह तस्वीर बताती है कि उसे कितनी यातनापूर्ण मौत दी गई, जिससे वह कितना दुखी हुआ। उन्होंने कहा कि उसके शरीर पर कई चोटों के निशान भी देखे जा सकते हैं। एक अन्य तस्वीर में पीड़ित एक खड़े ट्रक के पास जमीन पर लेटा हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसे डंडों से पीटा गया, उसके गुप्तांगों में बिजली का झटका दिया गया और दीवार पर फेंक दिया गया, जिससे उसके कई अंग टूट गए। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को दाखिल आरोपपत्र में फोरेंसिक रिपोर्ट है, जिससे पुष्टि होती है कि दर्शन के कपड़ों पर रेणुकास्वामी के खून के धब्बे पाए गए थे। दर्शन के साथ उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और मामले में आरोपी 15 अन्य लोग फिलहाल राज्य की अलग-अलग जेलों में न्यायिक हिरासत में हैं।

कैबिनेट बैठक में केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा हो: कुमारस्वामी

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
कोविड घोटाले की जांच की रिपोर्ट आने के बाद केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने राज्य सरकार से कैबिनेट में केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा करने का आग्रह किया है। यहां मचेनाहल्ली में मीडिया से बात करते हुए कुमारस्वामी ने सवाल उठाया कि भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाली केम्पन्ना रिपोर्ट अभी तक कैबिनेट के सामने क्यों नहीं पेश की गई। मैंने मीडिया के माध्यम से सुना है कि राज्य सरकार ने कोविड घोटाले पर एक रिपोर्ट तैयार की है, लेकिन मुझे इसकी सामग्री के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस पर कैबिनेट में चर्चा हुई और इसी तरह केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट भी चर्चा के लिए कैबिनेट के सामने लाई जानी चाहिए। कुमारस्वामी ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के आयुक्त दिनेश कुमार के निलंबन पर टिप्पणी करते हुए कहा मीडिया को इस मुद्दे के बारे में सब कुछ

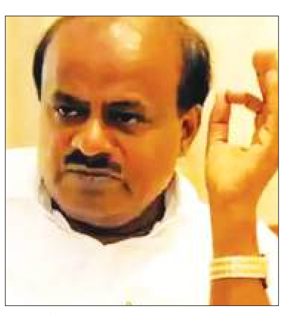

पता है। इस मामले पर पहले ही हाईकोर्ट में बहस हो चुकी है और सिद्धरामैया के वकील बहस के लिए और समय मांग रहे हैं। कुमारस्वामी ने भद्रावती में विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट (वीआईएसएल) और विजाग में स्टील प्लांट को फिर से शुरू करने के लिए चल रहे प्रयासों पर बात की। उन्होंने बताया वीआईएसएल और विजाग दोनों के लिए हमारी प्रतिबद्धता है। अधिकारियों के साथ चर्चा चल रही है, लेकिन इसमें समय लगेगा क्योंकि कारखानों को फिर से शुरू करने के लिए 10-15,000 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। भाजपा सरकार के दौरान कथित कोविड घोटाले की जांच आयोग ने रिपोर्ट 31 अगस्त को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सौंप दी थी। जांच सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी. कुन्हा के नेतृत्व वाले पैनल द्वारा की गई थी। कर्नाटक के सीएम कार्यालय ने सोशल मीडिया के माध्यम से रिपोर्ट प्रस्तुत करने की पुष्टि करते हुए कहा कि जांच सरकारी एजेंसी द्वारा की गई थी। आयोग की रिपोर्ट ने महत्वपूर्ण राजनीतिक चर्चा को जन्म दिया है, जिसमें पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वर्तमान भाजपा सांसद डॉ. के. सुधाकर शामिल हैं, जो महामारी के दौरान पद पर थे, ने आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा मैंने कोविड अवधि के दौरान ईमानदारी से काम किया और कुछ भी अवैध नहीं किया। सुधाकर ने कहा मैं राजनीतिक और कानूनी दोनों तरह के किसी भी आरोप का सामना करूंगा। सभी निर्णय पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली टास्क फोर्स के माध्यम से लिए गए थे।

कोलार और चिक्कबल्लापुर के लोगों को येत्तिनाहोल परियोजना से पानी देना करेंगे सुनिश्चित: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक सरकार पश्चिमी घाट में कुछ और धाराओं का दोहन करके कोलार और चिक्कबल्लापुर के लोगों को येत्तिनाहोल एकीकृत पेयजल आपूर्ति परियोजना से पानी मिलेगा यह सुनिश्चित करेगी। सकलेशपुर तालुक के हेब्बानहल्ली में परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि चिक्कबल्लापुर और कोलार के लोगों को संदेह है कि येत्तिनाहोल में धाराओं से उठाया गया पानी उनके क्षेत्र तक पहुंचेगा या नहीं। येत्तिनाहोल परियोजना से नवंबर 2026 तक कर्नाटक के कोलार और चिकबल्लापुर जिलों तक पानी पहुंचेगा। मैंने विश्वेसराय जल निगम लिमिटेड (वीजेएनएल) के इंजीनियरों से बात की है

और मुझे पता चला है कि पिछले 10 वर्षों में नदियों में औसतन 19 टीएमसीएफटी पानी उपलब्ध है। अपेक्षित कुल 24.01 टीएमसीएफटी पानी में से 14.056 टीएमसीएफटी पीने के लिए है। पीने के पानी की कोई कमी नहीं है। हम कोलार और चिक्कबल्लापुरा के लोगों की जरूरतों को पूरा करेंगे। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि वह खुश हैं क्योंकि उन्होंने 2014 में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी और अब उन्हें इस परियोजना का उद्घाटन करने का अवसर भी मिला है।

तुंगभद्रा बांध के शिखर द्वार के ढहने की जांच के लिए विशेषज्ञों का पैनल

विजयनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।
तुंगभद्रा जलाशय के 19वें शिखर द्वार के ढहने के कारणों का पता लगाने के लिए तुंगभद्रा बोर्ड ने विशेषज्ञों की एक समिति गठित की है। 10 अगस्त की रात को बांध में जमा पानी में इसकी कड़ी टूटने और बह जाने के बाद यह द्वार ढह गया। विशेषज्ञों के पैनल की अध्यक्षता केंद्रीय जल आयोग

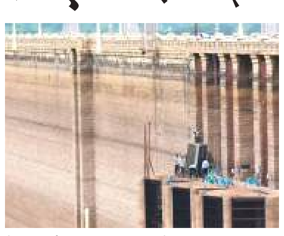

के पूर्व अध्यक्ष ए के बजाज कर रहे हैं। तुंगभद्रा बोर्ड के सचिव ओ आर के रेड्डी के अनुसार, इस पैनल में बांध विशेषज्ञ हरकेश कुमार, तारापुरम सुधाकर और कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना की तकनीकी परामर्शदात्री समितियों के प्रतिनिधि शामिल हैं। समिति यह जांच करेगी कि क्या समय-समय पर द्वार और श्रृंखलाओं का निरीक्षण किया गया था और बांध के अन्य शिखर द्वारों की सुरक्षा का भी आकलन करेगी।

सीएम पद के दावेदारों की सूची बढ़ रही, शिवकुमार सबसे आगे: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों की सूची बढ़ती जा रही है। कर्नाटक भाजपा प्रमुख बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों की सूची बढ़ती जा रही है और डी.के. शिवकुमार इस दौड़ में सबसे आगे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे का समय आ गया है। मुख्यमंत्री द्वारा महत्वाकांक्षी एत्तिनाहोल परियोजना का उद्घाटन करने से एक दिन पहले शिवकुमार ने पूजा-अर्चना की थी। इससे संकेत मिलता है कि सिद्धरामैया की स्थिति मजबूत नहीं है। उन्होंने

कहा कि भाजपा मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों की नाजुक स्थिति को समझती है और उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया के लिए समय आ गया है। विजयेंद्र ने कहा कांग्रेस को बदलाव स्वीकार करने में मुश्किल हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की धमकियों, धमकाने की रणनीति और षड्यंत्रों से नहीं डरती। हमारी पार्टी सभी झूठे आरोपों का जवाब देने के लिए तैयार है। पिछले कुछ दिनों से भाजपा राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है और कल्याण विकास निगम मामले और मुडा मामले जैसे कथित मामलों को उजागर कर रही है। एत्तिनाहोल परियोजना पर विजयेंद्र ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य कई दशकों तक चिक्कबल्लापुर, कोलार और तुमकुरु जैसे क्षेत्रों को पानी की आपूर्ति करना है। 'शुरुआती अनुमानित परियोजना लागत लगभग 8,500 करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर 20,000-22,500 करोड़ रुपए हो गई है। हालांकि यह खुशी की बात है कि परियोजना शुरू हो गई है, लेकिन लोगों के बीच यह सवाल बना हुआ है कि क्या इसका मूल उद्देश्य पूरा हो पाएगा।

सुप्रीम कोर्ट से तमिलनाडु के मंत्री रामचंद्रन और थेनारासु को राहत

मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई

चेन्नई **(एजेंसियां)।**
सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के दो मंत्रियों को राहत देते हुए उनके खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दोनों मंत्रियों को आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोप मुक्त करने के निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया गया था।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु के राजस्व मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन और वित्त मंत्री थंगम थेनारासु को आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोप मुक्त करने के निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया गया था। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा की पीठ ने मंत्रियों की तरफ से दायर अपील पर तमिलनाडु

सरकार को नोटिस जारी किया। फिलहाल मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की गई है।

मामले में पक्षकारों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि स्वप्रेरणा से आपराधिक पुनरीक्षण में आरोप मुक्त करने के लिए उच्च न्यायालय की तरफ से अपनाई गई प्रक्रिया सही नहीं थी, जिसके बाद शीर्ष न्यायालय ने यह आदेश पारित किया। वकीलों ने कहा कि आपराधिक पुनरीक्षण करते समय उच्च न्यायालय यह नहीं मान सकता था कि सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) की तरफ से दायर क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार्य नहीं थी।

वहीं तमिलनाडु के महाधिवक्ता पट्टाभि सुंदर रमन ने कहा कि तमिलनाडु सरकार आदेश के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका दायर करने की योजना बना रही है, क्योंकि यह डीवीएसी के निष्कर्षों में हस्तक्षेप करता है। मद्रास उच्च न्यायालय ने 7 अगस्त को निचली अदालत को निर्देश दिया था कि वह रामचंद्रन और थेनारासु को आय से अधिक संपत्ति के मामले से मुक्त करने के निचली अदालत के आदेश को दरकिनार करते हुए उनके खिलाफ आरोप तय करें।

न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर आदेश पारित करते हुए विरुधनगर के सांसदों और विधायकों के मामलों के लिए विशेष अदालत के 20 जुलाई, 2023 और 12 दिसंबर, 2022 के आदेशों को दरकिनार कर दिया, जिसमें रामचंद्रन और थेनारासु को आय से अधिक संपत्ति के मामले से मुक्त किया गया था। दोनों वरिष्ठ डीएमके नेताओं को डीवीएसी की तरफ से उनके खिलाफ दर्ज मामलों में मुकदमे का सामना करना होगा। वहीं अभियोजन पक्ष के अनुसार, रामचंद्रन ने अपने, अपनी पत्नी और मित्र के एस पी षणमुगामूर्ति के नाम पर, पिछली डीएमके सरकार के दौरान 2006 से 2011 के बीच स्वास्थ्य और पिछड़ा वर्ग मंत्री रहते हुए, अपने ज्ञात आय स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की थी।

पूरे जिले में इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा परमिट वापस नहीं लिया जाएगा: डीसी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) मुल्लई मुहिलान ने स्पष्ट किया कि 26 जुलाई को पारित आदेश, जिसमें पूरे जिले में बिना किसी क्षेत्रीय प्रतिबंध के इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा (ई-ऑटो) के संचालन की अनुमति दी गई थी, को रद्द नहीं किया जा सकता।

गुरुवार शाम को डीसी कार्यालय में ऑटो-रिक्शा मालिकों और ड्राइवरों के साथ आयोजित एक बैठक में बोलते हुए, मुहिलान ने कहा यह आदेश केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों और उच्च न्यायालय के निर्देश का पालन करते हुए कानूनी ढांचे के भीतर जारी किया गया था। संबंधित लोग उच्च न्यायालय में अपील के माध्यम से आगे स्पष्टीकरण मांग सकते हैं। उन्होंने

कहा केंद्र सरकार ने ई-ऑटो को बिना किसी शहर (जोन-1) या ग्रामीण (जोन-2) प्रतिबंध के संचालन के लिए मुफ्त परमिट दिया है। बेंगलूरु में भी इसी तरह के प्रावधानों के साथ इसे मेंगलूरु सहित पूरे कर्नाटक में लागू किया जा रहा है। हालांकि तमिलनाडु में प्रतिबंध लगाए गए हैं। यदि इस तरह के प्रतिबंध यहां लागू किए जाने हैं, तो उन्हें राज्य सरकार के स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। चिकमंगलूरु में ऑटो-रिक्शा चालकों ने पहले ही राज्य सरकार से तमिलनाडु की तरह प्रतिबंध लगाने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट ने आर जी कर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल की याचिका की खारिज

नई दिल्ली, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने कोलकता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की जनहित याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि संभावित आरोपी जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के निपटान में भ्रष्टाचार की जांच के लिए जनहित याचिका के जरिए अधिकार का दावा नहीं कर सकता। पीठ ने कहा कि दुष्कर्म-हत्या और भ्रष्टाचार दोनों मामलों की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई) कर रही है। पीठ ने जांच की स्थिति से अवगत कराने का निर्देश देते हुए कहा, सीबीआई हमें स्थिति विवरण दे।

याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अगस्त में एक पीजी डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या के बाद विवाद का केंद्र बने मेडिकल कालेज में कथित वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई से जांच का आदेश देने से पहले उनकी बात नहीं सुनी। पीठ के समक्ष आरोपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि दोनों मामलों की अलग-अलग जांच होनी चाहिए।याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उच्च न्यायालय ने अस्पताल में दुष्कर्म की घटना को भ्रष्टाचार से जोड़ते हुए अनावश्यक रूप से और बिना किसी आधार और तथ्य के टिप्पणी की। इस पर सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने दलील दी कि एक आरोपी जांच की दिशा तय नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने उनकी दलीलों से सहमति जताई और कहा कि वह (अदालत भी) जांच की दिशा तय नहीं कर सकती। मेडिकल कॉलेज के विवादित पूर्व प्रिंसिपल पर वित्तीय और प्रशासनिक कदाचार तथा नौ अगस्त को मेडिकल छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले में गलत तरीके से पेश आने के गंभीर आरोप हैं।

उच्च न्यायालय ने 23 अगस्त को अपने एक आदेश में प्रो.घोष के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच का निर्देश दिया था। अदालत ने सीबीआई जांच का निर्देश देते हुए कहा था कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि घोष द्वारा गंभीर उल्लंघन और अनियमितताएं की गई हैं। शीर्ष अदालत ने इससे पहले 31 वर्षीय प्रशिक्षु पीजी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की क्रूर और भयावह घटना का स्वत: संज्ञान लिया था। अदालत ने राज्य सरकार द्वारा आर जी कर कॉलेज एवं अस्पताल से प्रो. घोष को हटाकर दूसरे कॉलेज में नियुक्त करने पर भी सवाल उठाया था, जबकि इस (कथित दुष्कर्म और हत्या) घटना के बाद देशभर में भारी आक्रोश फैल गया था। शीर्ष अदालत ने इस मामले में मुकदमा दर्ज करने में देरी और पीड़िता की अप्राकृतिक मौत के लिए प्रविष्टियों के समय में विसंगतियों की भी आलोचना की थी। सीबीआई ने इस अदालत में दाखिल अपनी स्थिति विवरण में कहा कि आर जी कर मेडिकल एवं कॉलेज अस्पताल में अपराध स्थल को बदल दिया गया था। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि राज्य पुलिस ने मृतका के माता-पिता से कहा था कि यह आत्महत्या है, लेकिन बाद में कहा कि यह हत्या है। शीर्ष अदालत की इस पीठ ने तब यह भी सवाल उठाया था कि 14 अगस्त को अस्पताल परिसर पर हमला करने वाली करीब सात हजार लोगों की भीड़ के बारे में पुलिस को कैसे पता नहीं था।

अवैध निर्माण हुआ है तो मस्जिद को गिरा देना चाहिए: गोयल

नई दिल्ली, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

यूनाइटेड हिन्दू फ्रंट ने हिमाचल प्रदेश में शिमला के उपनगर संजौली में स्थित मस्जिद को पूरी तरह वक्फ बोर्ड द्वारा अपने नियंत्रण में लेकर मस्जिद में तैनात इमाम के मुद्दे पर कहा है कि उसका इससे कुछ लेना-देना नहीं है, लेकिन वह इस बात की मांग करता है कि अगर मस्जिद में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण हुआ है, तो मस्जिद को गिरा देना चाहिए।

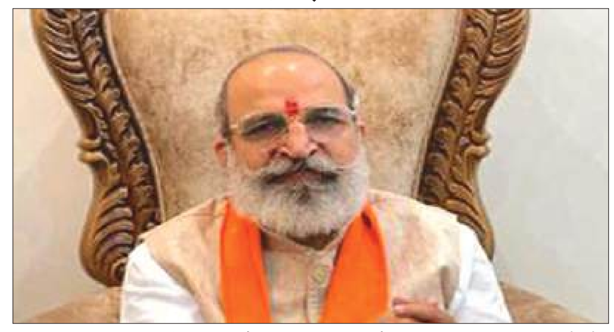

फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता जय भगवान गोयल ने शुक्रवार को कहा कि शिमला वक्फ बोर्ड के अधिकारी कुतुबुद्दीन मानते हैं कि मस्जिद में व्यापक अवैध निर्माण हुआ है, तो स्थानीय नागरिकों की मांग का समर्थन करते हुए मस्जिद को गिरा देने की मांग का समर्थन क्यों नहीं करते। इमाम को हटाने या नहीं हटाने से हिंदुओं का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक ज्वलंत प्रश्न है कि शिमला में मुस्लिम आबादी ना के बराबर है बावजूद इसके चार-पांच मंजिल की मस्जिद का अवैध निर्माण किसके लिए किया जा रहा था।

उन्होंने कहा कि कुतुबुद्दीन का यह कहना कि राज्य के बाहर से किसी व्यक्ति को यहां नहीं रहने दिया जाएगा, सुलगते मामले को शांत करने और लोगों को गुमराह करने के सिवाय और कुछ नहीं है। राज्य की कांग्रेस सरकार के मंत्री ने भी माना है कि यहां बंगलादेशी और रोहिंग्या मुसलमान को पनाह देने की तैयारी चल रही है। हिमाचल (जिसे देवभूमि माना जाता है,) की शांति भंग करने के लिए संप्रदाय विशेष की दृष्टि पड़ी हुई है।

उन्होंने कहा कि देशभर में अवैध मस्जिदों एवं मजारों का निर्माण करने के लिए कुख्यात इस संप्रदाय के कुटिल इरादे हिमाचल की सहनशील हिंदू जनता कभी सफल नहीं होने देगी। कल नगर निगम अदालत में सुनवाई करेगी, जिस पर सब की नजर रहेगी। स्थानीय लोगों द्वारा अवैध मस्जिद को तोड़ने का दो दिन की मोहलत दी है। मांगे ना माने जाने पर राज्य भर के हिंदू प्रदेश की शांति कायम रखने के लिए व्यापक आंदोलन कर सकते हैं।

जम्मू कश्मीर में आयुष्मान नहीं रहा आयुष्मान भारत

इंश्योरेंस एजेंसी ने हाथ पीछे खींच लिए

जम्मू, 06 सितंबर।

जम्मू कश्मीर में आयुष्मान भारत आयुष्मान नहीं रहा है क्योंकि इंश्योरेंस एजेंसी ने हाथ पीछे खींच लिए हैं। यही कारण है कि आयुष्मान भारत का कार्ड लेकर मरीज दर ब दर भटकने को मजबूर हो रहे हैं। हालांकि इंश्योरेंस एजेंसी द्वारा इस मामले में घाटा होने का आरोप लगा कर अपना हाथ पीछे खींच लिए हैं तो जम्मू कश्मीर में सैकड़ों मरीजों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है, क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश में निजी अस्पतालों ने 1 सितंबर से आयुष्मान भारत योजना के तहत सेवाएं बंद कर दी हैं।

इस फैसले ने उन मरीजों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है, जो आवश्यक चिकित्सा उपचार के लिए इन सेवाओं पर निर्भर हैं, हालांकि सरकार का दावा है कि किसी भी मरीज को परेशानी न हो, इसके लिए कदम उठाए गए हैं। कई मरीजों से इस संवाददाता ने बात की और सरकार से इन महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। याद रहे जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों ने इस साल मार्च से लगभग 200 करोड़ रुपए की धनराशि न मिलने के कारण आयुष्मान भारत योजना के तहत काम करना बंद कर दिया है। पिछले साल नवंबर में, जम्मू कश्मीर में आयुष्मान भारत के लिए बीमाकर्ता इफको-टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने राज्य स्वास्थ्य एजेंसी को सूचित किया कि वे 14 मार्च 2025 को अनुबंध समाप्त होने के बाद उसका नवीनीकरण नहीं करेंगे। शुरुआत में, इस योजना का प्रबंधन बजाज आलियांज जीआईसी द्वारा किया जाता था, जिसका अनुबंध 2022 में समाप्त हो गया। इफको-टोकियो को इसके प्रतिस्थापन के रूप में लाया गया था, लेकिन तब से वित्तीय घाटे का हवाला देते हुए इस योजना से हटने की मांग की है। रोगी देखभाल के हित में कंपनी को संचालन जारी रखने के लिए एसएचए के अनुरोधों के बावजूद, इफको-टोकियो ने इनकार कर दिया।

एसएचए ने कंपनी को योजना से बाहर निकलने से रोकने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, लेकिन 2 फरवरी को याचिका खारिज कर दी गई, जिससे स्थिति और जटिल हो गई। बाद में सरकार ने एकल पीठ के आदेश पर रोक लगाने के लिए खंडपीठ से अपील की, जिससे मामला विचाराधीन हो गया। हाल ही में, उच्च न्यायालय ने इफको-टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को आर्बिट्रेटर द्वारा यूटी सरकार के साथ विवाद के समाधान तक आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना-सेहत (एबी-पीएमजेएवाई-सेहत) के लिए अनुबंध समझौते की शर्तों के अनुसार मौजूदा व्यवस्था जारी रखने का निर्देश दिया। हालांकि, कंपनी ने अभी तक इस योजना को लागू करना शुरू नहीं किया है, जिससे अधिकारियों को इसके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

राज्य स्वास्थ्य एजेंसी, जम्मू और कश्मीर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजीव एम गडकर ने बताया कि उन्होंने कंपनी के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि हमने सार्वजनिक अस्पतालों को रात की शिफ्ट शुरू करने सहित 24 घंटे संचालित करने के लिए कहा है और डायलिसिस के मरीजों को इलाज के लिए वहां भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मरीज अपनी जानकारी देने के लिए टोल-फ्री नंबर 104 पर कॉल कर सकते हैं और एजेंसी उनके इलाज की मुफ्त व्यवस्था करेगी। गडकर ने कहा कि निजी अस्पतालों का बकाया वर्तमान में लगभग 165 करोड़ रुपए है।

अपराजिता विधेयक राज्य की विफलता पर पर्दा डालने का प्रयास: मेघवाल

नई दिल्ली, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार द्वारा पारित कराये गये अपराजिता विधेयक को राज्य सरकार की कमियों और कमजोरियों पर पर्दा डालने की कार्रवाई करार दिया है।

श्री मेघवाल ने शुक्रवार को यहां महिला पत्रकारों के एक फोरम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। उन्होंने श्रोताओं के सवालों का जवाब देते हुये पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा पारित कराये गये संशोधन विधेयक के औचित्य और उसके संवैधानिक अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाये। उन्होंने इस विषेयक पर केंद्र सरकार के कानूनी रुख के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह विधेयक राज्यपाल के माध्य से केंद्र सरकार के पास जब आयेगा तब उसे देखा जायेगा। उन्होंने कहा, महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था : तीन नये आपराधिक कानूनों से महिलाओं की सुरक्षा कैसे होगी? विषय पर इस कार्यक्रम का आयोजन वीमेन जर्नलिस्ट्स वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा किया गया था। कानून मंत्री ने कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया और नये कानूनों को प्रगतिशील बताया।

पश्चिम बंगाल के अपराजिता विधेयक पर श्रोताओं के सवालों का जवाब देते हुये उन्होंने कहा, संविधान में केंद्र और राज्य सकारों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विषयों का बंटवारा है। कुछ विषय समवर्ती सूची के होते हैं, जिनके बारे में भी व्यवस्था है। साथ ही उन्होंने इस विधेयक की तुलना केरल सरकार द्वारा विदेश सचिव नियुक्त किये जाने से की।

श्री मेघवाल ने कहा कि अपराधों से निपटने के लिये तीनों नयी संहितायें, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से निपटने की ठोस कार्रवाई और कड़ी सजा के प्रावधान हैं। गौतलब है कि कोलकाता में एक सरकारी अस्पताल की इंटर्न महिला डाक्टर के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना के बाद देश भर में उपजे आक्रोश के बाद राज्य सरकार ने विधान सभा का एक विशेष सत्र बुला कर अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानूनों में संशोधन) विधेयक 2024 रखा जिसे सदन ने सर्वसम्मति से मंगलवार को परित कर दिया। इस विधेयक में नयी लागू भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के कुछ प्रवधानों में संशोधन कर पांच तरह के अपराधों बलात्कार, पुलिस या सरकारी कर्मचारियों द्वारा किए गये बलात्कार, ऐसे बलात्कार जिससे पीड़ित की मृत्यु हो जाये या उसकी मानसिक स्थिति स्थायी तौर पर खराब हो जाये, सामूहिक बलात्कार करने वाले और बार-बार इस तरह का अपराध करने पर मृत्यु दंड का प्रावधान है।

केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल का यह विधयेक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से पर्दा डालने की कार्रवाई है। वह महिला सुरक्षा के मामले में अपनी सरकार की नाकामियों पर पर्दा डालना चाहती हैं। श्री मेघवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री को पिछले दिनों जो पत्र लिख उनकी कोई जरूरत नहीं थी। इनमें उन्होंने कानून कड़े करने और फास्ट ट्रैक सुनवायी तथा फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों की व्यवस्था किये जाने की मांगे की है, जबकि नये कानूनों में बलात्कार जैसी वारदत के मामले में पहले ही कड़े प्रावधान किये जा चुके हैं। केंद्रीय विधि मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल महिला और बाल अपराध के खिलाफ हर जिले में फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन करने में विफल रही है। केंद्रीय महिला और बाल कल्यण मंत्रायल ने इस बारे में राज्य सरकार को पहले ही इंगित कर चुका है।

श्री मेघवाल ने कहा कि नये कानूनों के बारे में न्यायिक और पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के लिये बहुत सी कार्यशालायें और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन तीनों कानूनों को बनाने से पहले इसके प्रस्तावित प्रावधानों पर उच्चतम न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, सांसदों, विधायकों और सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों के साथ व्यापक विचार-विमर्श कर के इनको पारित और लागू कराया गया है। उन्होंने कहा, अंग्रेजों के समय के आपराधिक कानून भारत की जनता को दंड से नियंत्रित करने के उद्येश्य से बनाये गये थे। मोदी सरकार लोगों को न्याय दिलाना चाहती है। ये कानून दंड से न्याय की दिशा में प्रगतिशील कदम हैं। उन्होंने कहा कि नयी संहिताओं में 'जीरो एफआईआर'की सुविधा को कानूनी दर्जा दिया गया है, लोगों को घर से बयान दर्ज कराने की सुविधा है तथा एफआईआर से लेकर जांच पूरी कर आरोप पत्र दाखिल करने और सुनवायी सभी प्रक्रियाओं को समयबद्ध किया गया है ताकि लोगों को न्याय मिले और न्याय जल्दी मिले। कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस की विशेष आयुक्त (प्रशिक्षण) छाया शर्मा और अल्फा लीगल फर्म के पार्टनर वरुन चुघ तथा विधि विशेषज्ञ सुश्री शगुन चुघ ने भारतीय न्याय संहिता में महिलाओं के खिलाफ अपराध में न्यायिक व्यवस्था पर प्रकाश डाला।

जम्मू कश्मीर में नशीली दवाओं का संकट चरम पर

पर राजनीतिक दलों के लिए यह मुद्दा नहीं

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 06 सितंबर।

जम्मू कश्मीर में नशीली दवाओं का संकट खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, पिछले चार वर्षों में 6,564 मामले दर्ज किए गए हैं और नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के सिलसिले में 9,400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राजनीतिक दल ऐसी स्थिति के लिए एक कहावत की तरह शुतुरमुर्ग की भूमिका निभाते दिख रहे हैं। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल ने मौजूदा विधानसभा चुनावों के दौरान नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने को अपना मुख्य एजेंडा नहीं बनाया है। इसके बजाय, राजनीतिक बयानबाजी जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष दर्जे और राज्य का दर्जा बहाल करने के इर्द-गिर्द घूमती रहती है।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों के आंकड़ों से पता चलता है कि नशीली दवाओं से संबंधित मामलों में भारी वृद्धि हुई है। 2021 में 1,681 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 2,500 गिरफ्तारियां हुईं, जबकि 2022 में 1,693 मामले दर्ज किए गए और 2,400 गिरफ्तारियां हुईं। 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 3,190 मामले और 4,500 गिरफ्तारियां हो गई। आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में हेरोइन की बरामदगी भी बढ़ी है। 2020 में 128 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई, उसके बाद 2021 में 198 किलोग्राम, 2022 में 212 किलोग्राम और 2023 में 200 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। पिछले चार वर्षों में बरामद की गई कुल हेरोइन की कीमत लगभग 30,000 करोड़ रुपए है।

हालांकि, इस बढ़ते संकट के बावजूद, चुनावों के दौरान राजनीतिक चर्चा ने इस मुद्दे को काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया है। विशेष दर्जे और राज्य के दर्जे जैसे संवैधानिक मामलों पर ध्यान केंद्रित रहता है, जिससे कई लोग सवाल करते हैं कि बढ़ती नशीली दवाओं की समस्या राजनीतिक दलों की प्राथमिकता क्यों नहीं है। पीडीपी के पूर्व विधायक खुर्शीद आलम कहते हैं, ड्रग का खतरा और उसका उन्मूलन हमारी प्राथमिकताओं में है। कृपया यह न सोचें कि हमने इसे नजरअंदाज कर दिया है। हालांकि, ये चुनाव एक दशक से भी ज्यादा समय के बाद हुए हैं, वो भी तब जब जम्मू कश्मीर से उसकी पहचान और दर्जा छीन लिया गया था। हमें लोगों को इसके बारे में बताना होगा, लेकिन साथ ही, हमारे युवा हमारा भविष्य हैं और नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कांग्रेस के एक नेता ने भी इसी तरह की चिंताओं को दोहराया, उन्होंने कहा कि महामारी का रूप ले चुके नशीली दवाओं की लत के मूल कारणों से निपटने के लिए तत्काल उपाय किए जाएंगे। इस मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस और अन्य दलों के नेता टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे।

बांग्लादेशी मुस्लिमों की मियां उपजाति के बारे में बोले सीएम सरमा

असम को मियां मुस्लिमों की जमीन नहीं बनने दूंगा

मछली पालन में करते हैं यूरिया का इस्तेमाल, बढ़ रही बीमारियां

गुवाहाटी, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने प्रदेश में मत्स्य व्यवसाय करने वाले मियां मुस्लिमों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दो टूक कहा है कि राज्य को मियां मुसलमानों की जमीन नहीं बनने दूंगा। पिछले चार सालों में नगांव और मोरीगांव में मछली पालन करने वाले लोगों की वजह से प्रदेश के लोगों में किडनी की बीमारियां बढ़ी हैं। मियां मुसलमान मछली पालन के लिए यूरिया का इस्तेमाल कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सरमा ने इन मियां मुस्लिमों से लोगों को मछली नहीं खरीदने की सलाह दी है। दरअसल, कई वर्षों से मोरीगांव और नगांव शहरों में मियां मुस्लिमों ने मत्स्य पालन में अपना दबदबा बना रखा है। सरमा कहते हैं कि मछली पालने के लिए कई तरह के जैविक तरीके है, लेकिन फिर भी ये लोग मछली उत्पादन के लिए इस तरह के शॉर्टकट अपनाएंगे तो यह काम नहीं चलने वाला। असम के लोगों का बहुत ही महत्वपूर्ण आहार मछली है। मछली प्रदेश के लोगों की संस्कृति में शामिल है। प्रदेश में प्रति माह 40000 मीट्रिक टन मछली की मांग है। नगांव, मोरीगांव और कछार राज्य के शीर्ष मछली उत्पादक हैं। चार जिलों में कई संगठनों के लोग इन अप्रवासियों को यह इलाका छोड़ने के लिए कहा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने नगांव और मोरीगांव मछली नहीं भेजने के लिए ऊपरी लोगों से कहा है। अगर वे लोग ऐसा करते हैं तो ये अच्छा है। गौरतलब है कि मियां मुस्लिम असम में रहते हैं। ये यहां के अप्रवासी मुसलमान हैं। ये लोग दरअसल, बांग्लादेश के रहने वाले हैं, जो कि वैध या अवैध तरीके से असम आकर बस गए थे।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गोरखपुर में बनेगा फॉरेस्ट्री कॉलेज : योगी

दुनिया के पहले राजगिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का उद्घाटन

गोरखपुर, 06 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन विभाग को गोरखपुर में फॉरेस्ट्री कॉलेज की स्थापना करने का प्रस्ताव दिया है। कॉलेज में वन से संबंधित पढ़ाई के लिए डिग्री और डिप्लोमा के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इससे वन विभाग की आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न पदों पर युवाओं को नौकरी भी मिल सकेगी। साथ ही यह फॉरेस्ट्री को विकसित करने और वन संरक्षण का बड़ा माध्यम भी बनेगा।

सीएम योगी शुक्रवार को गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज रेंज के भारीवैसी में स्थापित दुनिया के पहले जटायु राजगिद्ध (रेड हेडेड वल्चर) संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस केंद्र के निर्माण में योगदान देने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जब विकास प्रकृति और पर्यावरण को बचाकर किया जाएगा, तभी वह सतत विकास होगा। लंबे समय तक उसका लाभ मिलेगा। प्रकृति और पर्यावरण की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और खतरनाक होता है। इसके दूरगामी परिणाम होते हैं।

गिद्धराज जटायु के रामायणकालीन आख्यान का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पेस्टीसाइड के दुष्प्रभाव से पर्यावरण के संरक्षक गिद्धों की संख्या तेजी से घटी है। उनके संरक्षण के लिए यूपी और भारत ही नहीं बल्कि दुनिया का पहला संरक्षण केंद्र कैम्पियरगंज में खोला गया है। खुशी की बात यह भी है कि इस केंद्र में वनटांगिया समुदाय के लोग भी केयरटेकर के रूप में नौकरी से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति और इसके जीवों को बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी लोगों को हरतालिका तीज के पावन पर्व की बधाई देते हुए कहा कि आज हम जटायु संरक्षण केंद्र के माध्यम से अपनी वैदिक और पौराणिक परंपरा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रहे हैं। गिद्धराज जटायू धर्म और नई गरिमा की रक्षा के लिए रामायण काल के पहले बलिदानी थे। उन्होंने सीताजी के दुखभरे वचन को सुनकर ही जान लिया था कि यह आवाज रघुकुल तिलक श्रीराम की अर्धांगिनी का है। गिद्धराज जटायु राजा दशरथ के मित्र थे। मित्रता निभाने और नारी गरिमा की रक्षा के लिए वे निहत्थे ही रावण से भिड़ गए और खुद को बलिदान कर दिया। रामायण से हमें मित्रता, नारी गरिमा, मर्यादा, अनुशासन और वचन रक्षा की प्रेरणा मिलती है। आज के कालखंड में भी पर्यावरण की शुद्धि के लिए जो कार्य जटायु के वंशजों द्वारा किया जाता है, वह अविस्मरणीय है। जटायु के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए, रामायणकालीन उनकी स्मृतियों को बनाए रखने के लिए अयोध्या में राम मंदिर के सामने गिद्धराज जटायु की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है और अब यह जटायु संरक्षण केंद्र भी उसी की कड़ी है।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए संकल्पित भाव से कम कर रही है। हमारे इन्हीं कार्यों की देन है कि आज उत्तर प्रदेश देश ही नहीं बल्कि दुनिया का ऐसा पहला राज्य है जिसने 7 वर्षों में 200 करोड़ के पौधारोपण के लक्ष्य को हासिल किया है। 2017 के पहले हमें जहां जंगलों की कटान देखने को मिलती थी वहीं अब बड़े पैमाने पर पौधे लगाए और बचाए जा रहे हैं। प्रकृति, पर्यावरण और वर्तमान पीढ़ी को बचाने के लिए आवश्यक भी है क्योंकि यदि प्रकृति सुरक्षित नहीं रहेगी तो मानवता पर भी संकट आएगा। उन्होंने कहा कि आज हम सभी क्लाइमेट चेंज के कारण और असमय बारिश, अतिवृष्टि तो कभी सुख जैसी स्थितियों को देख रहे हैं। दूसरी तरफ प्लास्टिक कचरे के कारण गोवंश और खेती को बड़े पैमाने पर नुकसान हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए एक तरफ हम अधिक अधिक पौधरोपण पर जोर दे रहे हैं तो दूसरी तरफ देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 करोड़ महिलाओं को मुफ्त में रसोई गैस का कनेक्शन दिया गया। उत्तर प्रदेश में 1 करोड़ 86 लाख महिलाओं को इससे धुएं से मुक्ति मिली है तो साथ ही पर्यावरण की भी रक्षा हो रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार इन कनेक्शन धारकों को होली और दिवाली में मुफ्त रसोई गैस भी दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जंगल ऑक्सीजन के केंद्र हैं। इनके माध्यम से क्लाइमेट चेंज की चुनौतियां से भी बचा जा सकता है। सरकार पर्यावरण संरक्षण के क्रम में जहां 100 वर्ष पुराने वृक्षों को हेरिटेज वृक्ष घोषित कर एक विस्तृत श्रृंखला खड़ी कर रही है तो वहीं वेटलैंड, पक्षी विहार, टाइगर रिजर्व भी बना रही है। मैंने कहा कि प्रदेश में जंगलों के बढ़ने के साथ ही हरियाली का दायरा भी बड़ा है इससे जंगली जीवों को बचाने में भी कामयाबी मिली है। इसी के साथ नदियों का संरक्षण भी कर रही है। इन प्रयासों के चलते नदियों में अब जल की शुद्धता की प्रतीक डॉल्फिन भी दिखाई देने लगी है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश और गोरखपुर के विकास की भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा आज कि यूपी तेजी से आगे बढ़ रहा है। यूपी ने हरेक क्षेत्र में प्रगति की है। यहां हाइवे बन रहे हैं, रेलवे का विस्तार हो रहा है, मेट्रो ट्रेन पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए बेहतरीन माध्यम बन रही है, एयर कनेटिविटी भी मजबूत हो रही है। साथ ही नौकरी और रोजगार के नए द्वार भी खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए भारत में नए यूपी का निर्माण हो रहा है तो इसमें गोरखपुर भी कहां बिछड़ने वाला है। गोरखपुर में खाद कारखाना, एम्स खुल चुका है तो बीआरडी मेडिकल कॉलेज की सेवाएं और सुविधाएं बेहतरीन हुई हैं। गोरखपुर में फोर और सिक्स लेन सड़कों का संजाल बिक रहा है। यहां चिड़ियाघर और रामगढ़ताल को देखने दूर से सैलानी आ रहे हैं। यहां के सड़कों की लाइटिंग सबको अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

इस अवसर पर वन, पर्यावरण एवं जंतु उद्यान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों जटायु संरक्षण केंद्र की सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि जटायु की महिमा और महत्व का वर्णन रामायण में मिलता है। रामायण काल में माता सीता की रक्षा करने में बलिदान हुए जिस जटायु का अंतिम संस्कार प्रभु श्रीराम ने किया था आज उनकी वर्तमान और भावी पीढ़ी के संरक्षण का बीड़ा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उठाया है। डॉ. सक्सेना ने मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा किए गए रिकॉर्ड पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए गए कार्यों पर भी प्रकाश डाला। कहा कि सीएम के नेतृत्व में यूपी साल दर साल पौधरोपण में विश्व कीर्तिमान रच रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व में अभी सिर्फ पांच नाइट सफारी हैं, छठवीं नाइट सफारी मुख्यमंत्री के विजन से लखनऊ में बनने जा रही है।

भाजपा का सदस्यता अभियान राष्ट्रवादी मिशन है : सीएम योगी

गोरखपुर, 06 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 एक राष्ट्रवादी मिशन है और राष्ट्र के प्रतिप्रेम करने वाले, राष्ट्रीय मूल्यों और सिद्धांतों के साथ चलने वाले हर व्यक्ति को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र के अपने गृह बूथ (संख्या) 223 (पुराना गोरखपुर वार्ड) के लिए भाजपा के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का शुभारंभ कर रहे थे।

सीएम योगी इस बूथ समिति के कार्यकर्ता भी हैं। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित सदस्यता शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को टोल फ्री नंबर 8800002024 की जानकारी देने के साथ अपने सामने उन्हें पार्टी की डिजिटली साधारण सदस्यता दिलाई। सीएम ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर इस सदस्यता अभियान का शुभारंभ पहली सितंबर को हुआ है। पूरे देश के अंदर छह वर्ष पर भाजपा का सदस्यता अभियान चलता है। भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ ही पार्टी के राष्ट्रवादी मिशन से जुड़ने के इच्छुक लोग भी इसका हिस्सा बनते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। यह देश के अंदर राष्ट्रवादी मूल्यों और सिद्धांतों पर चलने वाली एकमात्र दल है।

इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि जिस बूथ संख्या 223 के वह कार्यकर्ता हैं और जहां मतदान करने का उन्हें अवसर मिलता है, वहां राष्ट्रवादी विचारों के लोगों के सहयोग से भाजपा हमेशा विजयी होकर जाती है। सभी बूथ कार्यकर्ताओं का प्रयास होना चाहिए कि बूथ पर अधिक से अधिक लोग भाजपा के सदस्य बनें। इसी लक्ष्य को लेकर वह लोगों के बीच स्वयं संवाद करने आए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि कोई भी व्यक्ति अपने स्मार्ट फोन से टोल फ्री नंबर 8800002024 डायल करेगा तो मिस्ड कॉल होते ही वह भाजपा का डिजिटली साधारण सदस्य बन जाएगा। सदस्यता का प्रमाण पत्र मोबाइल पर आ जाएगा। उन्होंने बताया कि 100 साधारण सदस्य बनाने वाला पार्टी का सक्रिय सदस्य बनेगा और सक्रिय सदस्य ही पार्टी का पदाधिकारी बनने के लिए अर्ह होगा। साधारण सदस्यता अभियान के सत्यापन के बाद 1 अक्टूबर से सक्रिय सदस्यता का अभियान शुरू होगा।

इस अवसर पर जिन भी लोगों ने बूथ संख्या 223 पर सदस्यता ली, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके साथ खुद सेल्फी लेकर उनका उत्साह बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को हरतालिका तीज की बधाई भी दी। सदस्यता अभियान के इस कार्यक्रम में भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, पार्षद पवन त्रिपाठी और बूथ संख्या 223 के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, वीर सिंह सोनकर, दिवाकर श्रीवास्तव आदि भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

शनिवार को उपराष्ट्रपति करेंगे पूर्वी यूपी के पहले सैनिक स्कूल का लोकार्पण

गोरखपुर, 06 सितंबर (एजेंसियां)। अपने संसदीय कार्यकाल से देशप्रेम, राष्ट्रीय गौरव के जिस स्वप्न को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संजो रखा था, अब वह सैनिक स्कूल के रूप में पूरी तरह साकार हो गया है। गोरखपुर के खाद कारखाना परिसर में 176 करोड़ रुपए की लागत से 49 एकड़ क्षेत्रफल में पसरा यह हकीकत गोरखपुर की उपलब्धियों में स्वर्णिम अध्याय बनकर जुड़ चुका है। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से बना सैनिक स्कूल पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला और उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल सोसाइटी की तरफ से संचालित दूसरा सैनिक स्कूल है। शनिवार पूर्वाह्न साढ़े दस बजे इसका औपचारिक लोकार्पण सीएम योगी की मेजबानी में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति के स्वागत के लिए मुख्यमंत्री की देखरेख में जबरदस्त तैयारियां की गई हैं।

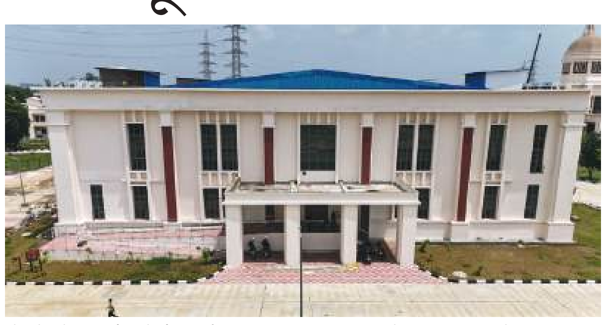

गोरखपुर में सैनिक स्कूल की स्थापना सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इसका शिलान्यास उन्होंने 23 जुलाई 2021 को किया था। युवाओं को शिक्षा, देश की रक्षा के ध्येय से इस शैक्षिक प्रकल्प में कक्षा 6 से 12 तक बालक-बालिकाओं को आवासीय व्यवस्था के तहत शिक्षा प्रदान की जाने की व्यवस्था है। प्रवेश परीक्षा के जरिये कक्षा 6 और 9 में दाखिला लेने के बाद इस सैनिक स्कूल में पहली जुलाई से पढ़ाई शुरू हो चुकी है। प्रथम चरण में इस स्कूल में कक्षा 6 और 9 में 84-84 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है। इनमें कुल मिलाकर 40 छात्राएं और 128 छात्र हैं।

यहां छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग कैंपस हैं। स्कूल का प्रशासनिक भवन प्राचीन भारतीय संस्कृति व परंपरा का दर्शन कराते है। सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों के खेलकूद की गतिविधियों के लिए खेलों के कई कोर्ट व मैदान भी विकसित किए गए हैं।

गोरखपुर का सैनिक स्कूल सीएम योगी के दिल के बहुत करीब है। इसके शिलान्यास के बाद भी वह कई बार इसके निर्माण कार्यों का भौतिक निरीक्षण करने आते रहे हैं। उन्होंने सैनिक स्कूल का उपहार देकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के मेधावियों को सैन्य सेवाओं में जाने के लिए एक सशक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराया है। पूर्वी उत्तर के इस सैनिक स्कूल से सैन्य सेवाओं में अवसर के लिए क्षेत्रीय संतुलन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सैनिक स्कूल का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें भारतीय सशस्त्र सेनाओं के अधिकारी वर्ग में चयन के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के लिए तैयार करना होता है। सामान्य विद्यालयों से अलग संकल्पना वाले इस स्कूल में प्रवेश हेतु चयन प्रक्रिया में बच्चों की बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और चिकित्सकीय क्षमता का भी विशिष्ट रूप से आकलन किया जाता है। इसका पूरा पैटर्न सैन्योन्मुखी शिक्षा पर आधारित है। सैनिक स्कूल की समय सारिणी सेना में होने वाले प्रशिक्षण के अनुरूप होती है।

गोरखपुर का सैनिक स्कूल यूपी सैनिक स्कूल सोसाइटी के अंतर्गत स्थापित होने वाला दूसरा विद्यालय है। यहां 20 क्लासरूम, 4 लैब्स, छात्रावास, डायनिंग हॉल, मल्टीपर्पज हाल, कांफ्रेंस हाल, 1014 सीटेड ऑडिटोरियम, योग सेंटर, इंडोर शूटिंग रेंज, इंडोर स्विमिंग पूल और सीएसडी कैंटीन की सुविधा है। इस सैनिक स्कूल में कुल प्रवेशित विद्यार्थियों को चार सदनों (हॉस्टल) में रखा गया है। इन सदनों का नामकरण शहीद भगत सिंह, शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, शहीद बंधु सिंह और रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर किया गया है। विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यवस्था अन्नपूर्णा भवन में की गई है। परिसर में क्रीड़ा गतिविधियों के लिए बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन कोर्ट बनाए गए हैं।

अस्सी और नब्बे के दशक में गोरखपुर की पहचान अपराध की नर्सरी के रूप में रही है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों से बदनाम पहचान बदल गई है। अब गोरखपुर की पहचान विकास के मॉडल रूप में होती है।

इस मॉडल में सैनिक स्कूल भी एक नगीने के रूप में है। वास्तव में किसी भी क्षेत्र में सैनिक स्कूल का होना बड़ी उपलब्धि होती है। मुख्यमंत्री का मानना है कि सैनिक स्कूल राष्ट्र रक्षा की नर्सरी बनेगा। इसके जरिए छात्र फौज में अफसर बनेंगे। देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे।

सैनिक स्कूल की सौगात सिर्फ युवा छात्रों के लिए ही नहीं, गोरखपुर की अपनी निजी पहचान और शान के लिहाज से भी बेहद खास है। सीएम योगी की मंशा है कि सैनिक स्कूल गोरखपुर किशोरों और युवाओं में राष्ट्रप्रेम, समर्पण, नेतृत्व कौशल जगाने का उत्कृष्ट मंच बने। बच्चों का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास करते हुए समेत समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए गौरव स्तम्भ के रूप में दिखे।

विकास और सुरक्षा के मॉडल में ही यूपी का उज्ज्वल भविष्य

गोरखपुर में 635 करोड़ की पांच विकास परियोजनाएं शुरू

गोरखपुर, 06 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विकास और सुरक्षा का मॉडल ही वर्तमान और भावी पीढ़ी को उज्जवल भविष्य के मार्ग पर आगे बढ़ाएगा और इसका लाभ अनंत काल तक प्राप्त होगा। सरकार के विकास प्रस्तावों में विध्न डालने की वजह विकास का सहभागी बनना चाहिए क्योंकि इसी में पीढ़ियों का भविष्य जुड़ा है इसलिए विकास का सिलसिला निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। सीएम योगी पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के सोनबरसा में 635 करोड़ रुपए की लागत वाली पांच विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इन विकास परियोजनाओं में प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा को स्मार्ट स्कूल बनाने, इसी ग्राम पंचायत में स्मार्ट पंचायत भवन और बालापार-टिकरिया मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण व बालापार-टिकरिया-गांगी बाजार मार्ग के फोरलेन में उच्चीकरण तथा नवीन थाना सोनबरसा के प्रशासनिक-आवासीय भवनों के निर्माण कार्य के शिलान्यास शामिल हैं।

समारोह में उपस्थित जनसमूह से मुख्यमंत्री ने प्रदेश और गोरखपुर के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि जब विकास होगा तभी उद्यमिता बढ़ेगी। स्थानीय युवा उद्यमी बन पाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए दो चरणों में ब्याजमुक्त लोन देने की व्यवस्था कर दी है। पहले चरण में 5 लाख और दूसरे चरण में 10 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत लोन लेने वाले युवाओ को बैंकों को सिर्फ मूल पूंजी वापस करनी होगी, ब्याज का पैसा सरकार चुकता करेगी।

सीएम योगी ने कहा कि आज बालापार, टिकरिया और आसपास क्षेत्र के लोगों के लिए रेल ओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया है। इसके साथ ही बालापार, टिकरिया से लेकर गांगी तक फोरलेन सड़क का शिलान्यास किया गया है। इससे इस क्षेत्र के लोगों का जीवन बहुत आसान हो जाएगा। आधे घंटे की दूरी अब पांच मिनट में पूरी हो जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि फोरलेन निर्माण के लिए उन्होंने निर्देश दे रखा है कि फोरलेन बनने के दौरान मकान नहीं टूटने चाहिए, भले ही फोरलेन का नक्शा बदलने पड़े। इसके साथ ही सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा देने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सोनबरसा में नया थाना बन जाने से लोगों की सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों का आह्वान किया कि वे जमीन के मुआवजे के पैसे से दूरदराज के क्षेत्र में खेत खरीदें और कुछ नया काम भी शुरू करें। इससे आने वाली पीढ़ी खुशहाल बनेगी। सीएम योगी ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की तूती बोलती है। भारत की पहचान पूरी दुनिया में विकास के एक मॉडल के रूप में बनी है। देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आने वाले तीन वर्षों में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। इसमें उत्तर प्रदेश की भी बड़ी भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी तब उत्तर देश में सातवें नंबर की अर्थव्यवस्था था। सात सालों में यूपी दूसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था है और आने वाले चार सालों में यह देश की नम्बर एक अर्थव्यवस्था होगा। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। गोरखपुर का विकास इसका प्रमाण है। आज गोरखपुर में बंद पड़ा खाद कारखाना फिर से चल रहा है। एम्स बन गया है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज बेहतरीन सुविधाओं का केंद्र बन गया है। गोरखपुर का रामगढ़ताल पर्यटन और रोजगार का नया केंद्र बन गया है।

गोरखपुर में चारों तरफ सड़कों का संजाल बिछ चुका है। मेडिकल, फार्मेसी, नर्सिंग की पढ़ाई के लिए अब कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है। आयुष विश्वविद्यालय भी बनकर लगभग तैयार है। पिपराइच में चीनी मिल चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामगढ़ताल की ही तर्ज पर चिल-ुआताल का भी पर्यटन विकास कराया जा रहा है। यह पर्यटन का नया केंद्र बना है और इससे रोजगार की संभावनाएं भी आगे बढ़ेंगी।

सीएम योगी ने कहा कि एक समय यहां लोकार्पण और शिलान्यास के समारोह की बात भी नहीं सोची जा सकती थी। इंसेफेलाइटिस के चलते बच्चे दम तोड़ते थे। कोहराम मचा रहता था। आज सरकार ने अपराध और अपराधी के साथ इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी को भी दूर भगा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक दौर वह भी था जब कोई बाहरी व्यक्ति गोरखपुर आना नहीं चाहता था।

आज राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक गोरखपुर आते हैं। उन्होंने बताया कि कल उपराष्ट्रपति सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने गोरखपुर आएंगे।

सीएम ने कहा कि सोनबरसा में खाद कारखाना के सीआरएस फंड से बने स्कूल को आसपास के लोगों को भी देखना चाहिए कि हमारे विद्यालय कैसे होने चाहिए। स्मार्ट पंचायत भवन भी बना है। जैसे प्रदेश का सचिवालय होता है, वैसे ही ग्राम पंचायत का भी ग्राम सचिवालय होता है। सरकार 57 हजार ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय बना रही है। इनके जरिए अब ग्रामीणों को जरूरी प्रमाण पत्रों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, सभी जरूरी प्रमाण पत्र ऑनलाइन ग्राम सचिवालय से ही मिल जाएंगे। इस अवसर पर सांसद रविकिशन ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरे देश में नम्बर एक सीएम हैं। उनकी डिमांड पूरी दुनिया मे है। उन्होंने गोरखपुर को उम्मीदों का शहर बना दिया है। लोकार्पण समारोह को विधायक महेंद्रपाल सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, श्रीराम चौहान, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, प्रमुख सचिव अजय चौहान, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, आनंद शाही, गजेंद्र सिंह, जनार्दन जायसवाल, रणविजय सिंह मुन्ना, राघवेंद्र प्रताप सिंह, संजय मद्देशिया आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोनबरसा गांव में आयोजित समारोह में 88 करोड़ 46 लाख 98 हजार रुपए की दो विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 546 करोड़ 19 लाख 11 हजार रुपए की तीन विकास परियोजन-ाओं का शिलान्यास किया। लोकार्पण की प्रमुख परियोजना बालापार-टिकरिया मार्ग स्थित रेल समपार संख्या-6 के स्पेशल टू लेन रेल ओवरब्रिज शामिल है। इसके निर्माण पर 84 करोड़ 87 लाख 58 हजार रुपए की लागत आई है।

मुख्यमंत्री सोनबरसा गांव में हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के सीएसआर फंड से जीडीए द्वारा बनवाए गए स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट पंचायत भवन का भी लोकार्पण किया। इस पर 3 करोड़ 59 लाख 40 हजार रुपए की लागत आई है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के हाथों बालापार-टिकरिया-गांगी बाजार मार्ग के फोरलेन में चौड़ीकरण (लागत 519.62 करोड़), रिपोर्टिंग पुलिस चौकी सिकटौर को उच्चीकृत कर थाना सिकटौर सोनबरसा हेतु प्रशासनिक व आवासीय भवनों (लागत 26.56 करोड़) के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी हुआ

संपादकीय

कर्नाटक में अनोखा राजनीतिक संकट

यहां तक कि यह कहने के जोखिम पर भी कि यह व्यक्तिपरक बकवास या लंबे समय से चली आ रही चूक हो सकती है, कोई यह तर्क देने के लिए बाध्य महसूस करता है कि हाल के महीनों में कर्नाटक में एक खास तरह की निराशा, एक खास तरह का अंधेरा छाया हुआ है। इसका सूरज की चमक कम होने से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि शब्दों के भयानक पतन से है जिसे हम देख रहे हैं। आम नागरिक को हाल के दिनों में एक खास तरह की हिंसक भाषा का सामना करना पड़ा है। इसने मूड को खराब कर दिया है। अगर यह राजनीतिक रूप से गलत वाक्यांश नहीं है, तो कोई यह कह सकता है कि राजनेताओं के बीच अचानक से शुरू हुए कई 'गैंग वॉर' उस चतुराईपूर्ण संयम को बिगाड़ने की धमकी देते हैं जिसे राजनीति ने अब तक बनाया था। हर कोई दूसरे को खत्म करने की होड़ में है। राजनेता आमतौर पर यह सुनिश्चित करने के लिए सामान्यता की भावना पैदा करते हैं कि उनके लेन-देन निर्बाध रूप से चलते रहें। एक नियम है जिसके आगे वे एक-दूसरे को परेशान नहीं करते। लेकिन जब वह नियम टूट जाता है, जब वे खुद उस सावधानी से संतुलित सामान्यता को बिगाड़ते हैं, तो हम जानते हैं कि कुछ गंभीर चल रहा है। अगर कोई शेक्सपियर को इस स्थिति में बुलाए तो वह कहेगा, ₹डेनमार्क राज्य में कुछ गड़बड़ है।₹यहाँ जो तर्क दिया जा रहा है उसे समझने के लिए, हमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के बीच नियमित अंतराल पर होने वाली बहस को सुनना होगा। हर दूसरे दिन, वे एक-दूसरे पर मुकदमा चलाने और दूसरे को जेल भेजने की धमकी देते हैं। वे एक-दूसरे के दावों को खारिज करने के लिए अपनी पिछली बेवफाई का हवाला देते हैं। वे दोनों स्थानीय टेलीविजन चैनलों के जाल में फंस जाते हैं, जो माइक्रोफोनों का एक खेडा है, जिसकी समाचार निर्माण की मुख्य तकनीक गाली-गलौज प्रसारित करना और कच्ची प्रतिक्रिया का पीछा करना है। इसी तरह, जब उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और कुमारस्वामी के बीच युद्ध छिड़ जाता है, तो शब्द निर्देशित मिसाइलों की तरह व्यवहार करते हैं, और ऐसा अक्सर होता है। आखिरकार, उनके पास अतिव्यापी राजनीतिक और जातिगत क्षेत्र हैं जिनकी रक्षा करनी है।

आम नागरिक को हाल के दिनों में एक खास तरह की हिंसक भाषा का सामना करना पड़ा है। इसने मूड को खराब कर दिया है। अगर यह राजनीतिक रूप से गलत वाक्यांश नहीं है, तो कोई यह कह सकता है कि राजनेताओं के बीच अचानक से शुरू हुए कई 'गैंग वॉर' उस चतुराईपूर्ण संयम को बिगाड़ने की धमकी देते हैं जिसे राजनीति ने अब तक बनाया था। हर कोई दूसरे को खत्म करने की होड़ में है। राजनेता आमतौर पर यह सुनिश्चित करने के लिए सामान्यता की भावना पैदा करते हैं कि उनके लेन-देन निर्बाध रूप से चलते रहें। एक नियम है जिसके आगे वे एक-दूसरे को परेशान नहीं करते। लेकिन जब वह नियम टूट जाता है, जब वे खुद उस सावधानी से संतुलित सामान्यता को बिगाड़ते हैं, तो हम जानते हैं कि कुछ गंभीर चल रहा है। अगर कोई शेक्सपियर को इस स्थिति में बुलाए तो वह कहेगा, ₹डेनमार्क राज्य में कुछ गड़बड़ है।₹यहाँ जो तर्क दिया जा रहा है उसे समझने के लिए, हमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के बीच नियमित अंतराल पर होने वाली बहस को सुनना होगा।

माताएँ, पिता और परिवार उनके झगड़े में फंस जाते हैं। फिर, कुमारस्वामी के कुछ बिछड़े हुए मित्र और सहयोगी हैं, जो अब कांग्रेस में सिद्धारमैया गुट बनाते हैं, जिनका एकमात्र काम उन्हें भड़काना है। उनके बीच होने वाली बातचीत में कई तरह के इशारों की बौछार होती है। इसमें पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा भी पीछे नहीं हैं। उनके खिलाफ पिछले और मौजूदा आरोपों, जिसमें POCSO मामला भी शामिल है, को अक्सर उनकी जुबान बंद करने के लिए उछाला जाता है। लेकिन उनके पास उन सभी आरोपों का सामना करने का एक तरीका है, जो उनके सामने आते हैं। या यह बेशर्मी है? क्या यह प्रतिद्वंद्वी प्रशासन और राजनेताओं के साथ उनके कथित मधुर सौदों के आत्मविश्वास से उपजा है? यह आरोप अब उनके बेटे, कर्नाटक में भाजपा के मौजूदा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के करियर को खतरे में डाल रहा है। पिता और पुत्र पर लगातार 'समायोजन' का आरोप लगाने वाले लोग प्रेस मीट में अपनी ही पार्टी के लोग हैं। भगवा पार्टी के एक और पूर्व सीएम ने उनके खिलाफ खबरों को रोकने के लिए निषेधाज्ञा ले ली है। उनका डर क्या हो सकता है, इसकी कल्पना करना मुश्किल नहीं है। कर्नाटक कांग्रेस के अंदर सत्ता की खींचतान, जिसमें नेतृत्व परिवर्तन की गंध आ रही है, हवा के झोंकों को और तेज कर रही है। सिद्धारमैया की जगह लेने के लिए शिवकुमार अंधेरे में इंतजार कर रहे हैं। लेकिन चूंकि उनकी कमजोरियां बहुत ज्यादा हैं, इसलिए दूसरे लोग चुपके से कुर्सी पर कब्जा करना चाहते हैं। सिंहासन के इस खेल पर मीडिया की अटकलें कई मौसमों से चल रही हैं।

चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नए दौर का आगाज है

जम्मू-कश्मीर चुनाव से नए दौर की उम्मीद

ललित गर्ग

जम्मू एवं कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव कराने की चुनाव आयोग की घोषणा निश्चित ही लोकतंत्र की जड़ों को मजबूती देने के साथ क्षेत्र के लिए विकास के नए दौर के द्वार खोलने का माध्यम बनेगी। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें 43 जम्मू और 47 कश्मीर की सीटें हैं, इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर ऐसी सरकार बनाये जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे। आज सबकी आंखें एवं कान चुनावी सरगर्मियों एवं भविष्य के गर्भ में ईवीएम से निकलने वाले जनादेश पर लगी हैं। ये चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। इस बार के चुनाव अब तक हुए चुनावों से अलग है और खास है।

जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें 43 जम्मू और 47 कश्मीर की सीटें हैं, इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर ऐसी सरकार बनाये जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन भरने की आज आखिरी तारीख है, लेकिन तमाम बड़ी पार्टियों के बीच असमंजस और अनिश्चितता जैसे खत्म होने का नाम नहीं ले रही। हालांकि कुछ हद तक इस तरह की अनिश्चितता हर चुनाव में होती है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के मामले में हालात सामान्य से ज्यादा जटिल हैं और इस असमंजस के पीछे उसकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। विपक्षी खेमे में माने जाने वाले राज्य के तीनों प्रमुख दलों में सहयोग और संघर्ष दोनों का दिलचस्प घालमेल दिख रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच सभी 90 सीटों पर गठबंधन की घोषणा कर दी गई है, लेकिन आलम यह है कि पहले चरण की 24 सीटों का भी बंटवारा मुश्किल साबित हो रहा। पीडीपी इस गठबंधन से बाहर है। फिर भी मुद्दों की एकरूपता के चलते न सिर्फ उमर अब्दुल्ला उससे अपनी पार्टी के खिलाफ प्रत्याशी न खड़ा करने को कह रहे हैं बल्कि खुद महबूबा भी कह चुकी हैं कि अगर उनके अजेंडे को स्वीकार किया गया तो गठबंधन का समर्थन करेंगी। भाजपा किसी बड़े दल के साथ गठबंधन में नहीं

है, इसलिए वहां इस तरह की गफलत नहीं है, लेकिन निर्णय लेना और उसे लागू करना वहां भी जटिल बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर में दस वर्ष बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा को अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर उसे जिस तरह वापस लेना पड़ा, उससे उसकी छिछालेदार तो हुई ही है, अनुशासित दल की उसकी छवि को धक्का भी लगा। स्थिति यह है कि पार्टी ने सोमवार को 44 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने के थोड़ी ही देर बाद व्यापक विरोध के कारण उसे वापस ले लिया। इसके बाद जो सूची जारी की गई, उसमें 15 ही प्रत्याशियों के नाम थे। यह आलम तब है, जब पहली सूची भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंजूर की गई थी।

यदि भाजपा औरों से अलग तथा अनुशासित दल की अपनी छवि के प्रति सचेत है तो उसे प्रत्याशी चयन की अपनी प्रक्रिया को लोकतांत्रिक आकार देना ही होगा। पहले जारी सूची का विरोध जिन कारणों से हुआ, उनमें एक तो दूसरे दलों से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाना रहा और दूसरे दोनों पूर्व उप मुख्यमंत्रियों का नाम न होना। लगता है भाजपा को अभी भी लोकसभा चुनावों में हुई गलतियों का आभास नहीं है। लोकसभा चुनाव में उसे दूसरे दलों के नेताओं को चुनाव मैदान में उतारने का किस तरह नुकसान उठाना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए जारी प्रत्याशियों की सूची का विरोध यह भी बताता है कि भाजपा प्रत्याशी चयन की कोई नीर-क्षीर, पारदर्शी और ऐसी प्रक्रिया का निर्माण नहीं कर सकी है, जिससे असंतोष, विरोध और भितरघात का सामना न करना पड़े। वैसे यह समस्या केवल भाजपा की ही नहीं, सभी दलों की है। कम से कम यह तो होना ही चाहिए कि राजनीतिक दल प्रत्याशियों के चयन में अपने जमीनी कार्यकर्ताओं की राय को महत्व दें। यह कठिन कार्य नहीं, लेकिन हमारे राजनीतिक दल आंतरिक लोकतंत्र विकसित करने से बच रहे हैं।

चुनाव अभियान प्रारम्भ हो रहा है। प्रत्याशियों के नामांकन हो रहे हैं। सब राजनैतिक दल अपने-अपने 'घोषणा-पत्र' को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बताकर सब समस्याएं मिटा देने तथा सब रोगों की दवा बन जाने की नैतिकता की बातें करते हुए व्यवहार में अनैतिकता को छिपायेंगे। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर एक होंगे। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षण व आवश्यकता बतायेंगे। इस बार दलों में जितना अन्दर-बाहर होता हुआ दिख रहा है, उससे स्पष्ट है कि चुनाव परिणामों के बाद भी एक बड़ा दौर असमंजस का चलेगा। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि "अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।" इसलिये प्रांत के लोगों को मतदान करते हुए विवेक का परिचय देना होगा।

इन चुनावों की जटिलता का अंदाजा इस बात से भी लगता है कि एक दशक पहले यानी 2014 में हुए विधानसभा चुनाव के समय अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जे से लैस जम्मू-कश्मीर अब विशेष राज्य के दर्जे से भी वंचित है। उस चुनाव में दो सबसे बड़ी और मिलकर सरकार बनाने वाली पार्टियां पीडीपी और भाजपा एक-दूसरे की धुर विरोधी हो चुकी हैं। राज्य में अब भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हिन्दू बहुल सीटों और कश्मीरी पंडितों के वोट बैंक को अपने खाते में डालने के इरादे से मैदान में उतर रही है और ऐसे में कांग्रेस की हालत खराब होना तय माना जा रहा है।

दृष्टि कोण

आत्मा के उन्नयन एवं उत्कर्ष का महापर्व–पर्युषण

जैनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पर्व है पर्युषण पर्व। यह पर्व ग्रंथियों को खोलने की सीख देता है। इस आध्यात्मिक पर्व के दौरान कोशिश यह की जाती है कि जैन कहलाने वाला हर व्यक्ति अपने जीवन को इतना मांज ले कि वर्ष भर की जो भी ज्ञात-अज्ञात त्रुटियां हुई हैं, आत्मा पर किसी तरह का मैल चढ़ा है वह सब धुल जाए। संस्कारों को सुदृढ़ बनाने और अपसंस्कारों को तिलांजलि देने का यह अपूर्व अवसर है। इस पर्व में श्वेताम्बर परम्परा में आठ दिन एवं दिगम्बर परम्परा में दस दिन इतने महत्वपूर्ण हैं कि इनमें व्यक्ति स्वयं के द्वारा स्वयं को देखने का प्रयत्न करता है। ये दिन नैतिकता और चरित्र की चौकसी का काम करते हैं और व्यक्ति को प्रेरित करते हैं वे भौतिक और सांसारिक जीवन जीते हुए भी आध्यात्मिकता को जीवन का हिस्सा बनाएं।

आत्मोत्थान तथा आत्मा को उत्कर्ष की ओर ले जाने वाले इस महापर्व की आयोजना प्रतिवर्ष चातुर्मास के दौरान भाद्रव मास के शुक्ल पक्ष में की जाती है। इस महापर्व में निरंतर धर्माराधना करने का प्रावधान है। इन दिनों जैन श्वेतांबर मतावलंबी पर्युषण पर्व के रूप में आठ दिनों तक ध्यान, स्वाध्याय, जप, तप, सामायिक, उपवास, क्षमा आदि विविध प्रयोगों द्वारा आत्म-मंथन करते हैं। दिगंबर मतावलंबी दशलक्षण पर्व के रूप में दस दिनों तक इस उत्सव की आराधना करते हैं। क्षमा, मुक्ति, आर्जव, मार्दव, लाघव, सत्य, संयम, तप, त्याग तथा ब्रह्मचर्य इन दस धर्मों के द्वारा अंतर्मुखी बनने का प्रयास करते हैं। जो आदमी के जीवन की सारी गंदगी को अपनी क्षमा आदि दस धर्मरूपी तरंगों के द्वारा बाहर करता है और जीवन को शीतल एवं साफ-सुथरा बनाता है। जब दो वस्तुएं आपस में टकराती हैं, तब प्रायः आग पैदा होती है। ऐसा ही आदमी के जीवन में भी घटित होता है। जब व्यक्तियों में आपस में किन्हीं कारणों से टकराहट पैदा होती है, तो प्रायः क्रोधरूपी अग्नि भभक उठती है और यह अग्नि न जाने कितने व्यक्तियों एवं वस्तुओं को अपनी चपेट में लेकर जला, झुलसा देती है। इस क्रोध पर विजय प्राप्त करने का श्रेष्ठतम उपाय क्षमा-धारण करना ही है। पर्युषण पर्व का प्रथम 'उत्तम क्षमा' नामक दिन, इसी कला को समझने, सीखने एवं जीवन में उतारने का दिन होता है। इसी तरह अहंकार आदमी के अंतःकरण में उठते हैं। इसी अहंकार के कारण आदमी पद और प्रतिष्ठा की अंधी दौड़ में शामिल हो जाता है, जो उसे अत्यंत गहरे गर्त में धकेलती है। पर्युषण पर्व का द्वितीय 'उत्तम मार्दव' नामक दिवस, इसी अहंकार पर विजय प्राप्त करने की कला को समझने एवं सीखने का होता है। जैन मनीषियों ने कहा है कि सुख और शांति कहीं बाहर नहीं, अपने अंदर ही हैं और अपने घर में प्रवेश पाने के लिए वक्रता या टेड़ेपन को छोड़ना परम अनिवार्य है, जैसे सर्प बाहर तो टेड़ा-मेड़ा चलता है, पर बिल में प्रवेश करते समय सीधा-सरल हो जाता है, वैसे ही हमें भी अपने घर में आने के लिए सरल होना पड़ेगा। सरल बनने की ही कला सिखाता है 'उत्तम आर्जव धर्म।' हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील और परिग्रह रूपी पांचों पापों के वशीभूत होकर प्राणी दिन-रात न्याय और अन्याय को भूलकर धन आदि के संग्रह में सत्य को धारण करने वाला हमेशा अपराजित, सम्माननीय एवं श्रद्धेय होता है। दुनिया का सारा वैभव उसके चरण चूमता है। यह सब 'उत्तम सत्य धर्म' की ही महिमा है। जैसे किसी भी वाहन को मंजिल तक सही-सलामत पहुंचाने के लिए नियंत्रण की आवश्यकता होती है, वैसे ही कल्याण के पथ पर चलने वाले प्रत्येक पथिक के लिए संयम की परम आवश्यकता होती है। इंद्रिय एवं मन को जो सुख-इष्ट होता है, वह वैषयिक सुख कहलाता है। जो मीठे जहर की तरह सेवन करते समय तो अच्छा लगता है, पर उसका परिणाम दुःख के रूप में ही होता है। ऐसे दुःखदायक वैषयिक सुख से 'उत्तम संयम धर्म' ही बचाता है। अज्ञानता एवं लोभ-लिप्सा के कारण जीव, धन, संपत्ति आदि को ग्रहण करता है। ये ही पदार्थ दुःख, अशांति को बढ़ाने का कारण बनते हैं। ऐसे पर पदार्थों को छोड़ना ही 'उत्तम त्याग धर्म' कहलाता है। जब कोई साधक क्रोध, मान, माया, लोभ एवं पर पदार्थों का त्याग आदि करते हैं और इनसे जब उनका किंचित भी संबंध नहीं रहता तो उनकी यह अवस्था स्वाभाविक अवस्था कहलाती है। इसे ही 'उत्तम आकिंचन्य धर्म' कहा गया है। पर-पदार्थों से संबंध टूट जाने से जीव का अपनी आत्मा जिसे ब्रह्म कहा जाता है में ही रमण होने लगता है। इसे ही 'उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म' कहा जाता है। ये ही धर्म के दस लक्षण हैं, जो पर्युषण पर्व के रूप में आकर न केवल जैनों को, अपितु समूचे प्राणी-जगत को सुख-शांति का संदेश देते हैं। पर्युषण की आराधना के इन दिनों में व्यक्ति अपने आपको शोधन एवं आत्मचिंतन के द्वारा वर्षभर के क्रिया-कलापों का प्रतिक्रमण प्रतिलेखन करता है। विगत वर्ष में हुई भूलों को भूलकर चित्तशुद्धि का उपाय करता है। सभी व्यक्ति एक दूसरे से क्षमा का आदान-प्रदान करते हैं, जिससे मनोमालिन्य दूर होता है और सहजता, सरलता, कोमलता, सहिष्णुता के भाव विकसित होते हैं। पर्युषण पर्व एवं दसलक्षण पर्व के आयोजनों के साथ मुख्य रूप से तप और मंत्र साधना को जोड़ा गया है। संयम, सादगी, सहिष्णुता, अहिंसा, हृदय की पवित्रता से हर व्यक्ति अपने को जुड़ा हुआ पाता है और यही वे दिन हैं जब व्यक्ति घर और मंदिर दोनों में एक सा हो जाता है।

कुछ अलग

मुफ्त की राजनीति का हश्र

धीरे-धीरे पंजाब व हिमाचल सरकारों के मुखियाओं को अहसास होने लगा है कि वित्तीय संकट दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। लगातार बढ़ते राजस्व घाटे व बड़ी होती देनदारियों से सत्ता में बैठे राजनेताओं को बखूबी पता चल रहा है कि सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये मुफ्त का जो चंदन घिसा जा रहा था, वह राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। यहां तक कि कर्मचारियों को वेतन व रिटायर कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किल आ रही है। गाल बजाकर बड़ी-बड़ी घोषणाएं करने वाले राजनेता तनख्वाह व पेंशन की तारीख आगे बढ़ाकर दावा कर रहे हैं कि इससे राज्य को आर्थिक बचत होने वाली है। संवेदनहीन राजनेताओं को इस बात का अहसास नहीं है कि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई समय पर चुकानी होती है। जिसको लेकर बैंक कोई रहम नहीं दिखाते हैं। राजनेताओं के आय के तमाम वैध-अवैध स्रोत होते हैं, कर्मचारी तो इकलौती तनख्वाह के भरोसे जीवन-यापन करता है। बहरहाल, चुनाव से पूर्व मुफ्त प्रलोभनों की तमाम घोषणाएं करने वाले राजनेताओं को अहसास हो चला है कि राज्य के खजाने में उनकी राजनीतिक विलासिता का बोझ ढोने का दमखम नहीं बचा है। विभिन्न दलों की शाहखर्ची ने राज्यों की आर्थिकी की हालत पहले ही पस्त कर रखी है। राजनेताओं ने कभी वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं किया। दिल्ली से लेकर पंजाब तक आप सरकारों ने तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांटी हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसकी आर्थिकी कभी नहीं संभल पाती। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। जाहिरा बात है कि मुफ्त में कुछ नहीं मिलता। मुफ्त की राजनीति के चलते इन महकमों के विस्तार व विकास पर ब्रेक लग जाता है। बहरहाल, पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर की ओर इशारा करती है। बीते वित्तीय वर्ष की आर्थिक बदहाली को दर्शाती कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे राज्य सरकार की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज चुकाने में चला जा रहा है। यह भी चिंताजनक है कि राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं मिल पा रहा है। इसके बावजूद यदि राजनेता शाहखर्ची से बाज नहीं आते और मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखते हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ेगी बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली की तस्वीर ही उकेरता है। अभी भी वक्त है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें।

देश दुनिया से

अंतरिक्ष मलबे का उचित प्रबंधन आज की आवश्यकता !

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने इस पर अपनी गहन चिंता व्यक्त की है, जैसा कि अंतरिक्ष में घूम रहा यह मलबा न केवल उपग्रहों की कक्षा में बल्कि हमारे वातावरण के लिये भी बहुत खतरनाक हो सकते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा पूरी तरह से नष्ट हुए बिना हमारे वायुमंडल में प्रवेश कर जाए तो यह पृथ्वी को(यहां पर उपस्थित जीवों, प्राणियों, वनस्पतियों तक को) भारी क्षति पहुँचा सकता है। एक जानकारी के अनुसार अंतरिक्ष मलबा 17,500 मील प्रति घंटे की गति से यात्रा करता है और 1 सेमी से बड़े मलबे की वस्तुओं की आबादी लगभग 1 मिलियन है। हालांकि, यह भी एक तथ्य है कि पृथ्वी के घने वायुमंडल से पुन: प्रवेश के दौरान होने वाली भीषण गर्मी के कारण मलबे की एक बड़ी मात्रा जल जाती है, लेकिन जो अवशेष बच जाते हैं, वे महासागरों और दुनिया के अन्य कम आबादी वाले क्षेत्रों में गिर जाते हैं, लेकिन अंतरिक्ष मलबे का खतरा तब भी कहीं न कहीं बरबकार रहता है।

बढ़ती प्रौद्योगिकी, उन्नत संचार व्यवस्था, विज्ञान और विकास के इस युग में अंतरिक्ष में उपग्रहों के लगातार स्थापित होने से अंतरिक्ष में मलबे में लगातार वृद्धि हो रही है। हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने इस पर अपनी गहन चिंता व्यक्त की है, जैसा कि अंतरिक्ष में घूम रहा यह मलबा न केवल उपग्रहों की कक्षा में बल्कि हमारे वातावरण के लिये भी बहुत खतरनाक हो सकते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा पूरी तरह से नष्ट हुए बिना हमारे वायुमंडल में प्रवेश कर जाए तो यह पृथ्वी को(यहां पर उपस्थित जीवों, प्राणियों, वनस्पतियों तक को) भारी क्षति पहुँचा सकता है। एक जानकारी के अनुसार अंतरिक्ष मलबा 17,500 मील प्रति घंटे की गति से यात्रा करता है और 1 सेमी से बड़े मलबे की वस्तुओं की आबादी लगभग 1 मिलियन है। हालांकि, यह भी एक तथ्य है कि पृथ्वी के घने वायुमंडल से पुनः प्रवेश के दौरान होने वाली भीषण गर्मी के कारण मलबे की एक बड़ी मात्रा जल जाती है, लेकिन जो अवशेष बच जाते हैं, वे महासागरों और दुनिया के अन्य कम आबादी वाले क्षेत्रों में गिर जाते हैं, लेकिन अंतरिक्ष मलबे का खतरा तब भी कहीं न कहीं बरबकार रहता है। दरअसल, हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू भारत के चंद्रयान-3 के चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में उतरने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह को संबोधित करते हुए अंतरिक्ष मलबे पर चिंता जताई है। दरअसल, आज विभिन्न देशों द्वारा अनेकानेक अंतरिक्ष अभियान लांच किए जा रहे हैं, जैसा कि विकसित और विकासशील देशों में अंतरिक्ष के रहस्यों को जानने समझने की एक बड़ी होड़ लगी है। आज अंतरिक्ष में मलबे के अनेक टुकड़े घूम रहे हैं और कहना ग़लत नहीं होगा कि अंतरिक्ष में अत्यधिक तीव्र गति से घूमने वाले ये टुकड़े अन्य अंतरिक्ष संपत्तियों और कार्यात्मक उपग्रहों के लिये खतरा माने जाते हैं। ऐसा अनुमान है कि पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित पिंड 17,500 से 18,000 मील प्रति घंटे (7 से 8 किमी/सेकेंड) की गति से यात्रा करते हैं।लगभग 10 सेमी या उससे अधिक व्यास वाली वस्तुओं से होने वाला प्रभाव टीएनटी के विस्फोट के बराबर हो सकता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष मलबे के 100 ट्रिलियन से ज़्यादा टुकड़े हैं, जिनका पता नहीं लगाया जा सका है।साइंस जर्नल में प्रकाशित ' पृथ्वी की कक्षा की रक्षा करें: उच्च समुद्र की गलतियों से बचें' शीर्षक वाले अध्ययन से यह चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। हालांकि, वर्ष 2030 तक भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों को मलबा मुक्त बनाने का लक्ष्य तय करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सराहना भी की है, लेकिन अंतरिक्ष में बढ़ रहा मलबा कहीं न कहीं धरती के सभी जीवों, मनुष्यों के लिए एक खतरा बनकर उभर रहा है। आज अमेरिका, चीन, रूस और भारत समेत अनेक देशों का अंतरिक्ष मलबा अंतरिक्ष में तैर रहा है। यदि हम यहां केवल भारत की ही बात करें तो एक आंकड़े के अनुसार भारत के पास 103 सक्रिय या निष्क्रिय अंतरिक्ष यान एवं 114 अंतरिक्ष मलबे की वस्तुएं हैं। इस प्रकार, भारत के कुल 217 अंतरिक्ष पिंड पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। अब यहां प्रश्न यह है कि आखिर अंतरिक्ष मलबा है क्या ? तो इस संबंध में बताना चाहूंगा कि अंतरिक्ष मलबा, पृथ्वी की परिक्रमा करने वाली उन कृत्रिम सामग्रियों को कहते है, जो वर्तमान में कार्यात्मक स्थिति(फंक्शनल स्टेटस) में नहीं हैं। इसे अंतरिक्ष कबाड़ या कक्षीय मलबा या स्पेस जंक भी कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि अधिकांश अंतरिक्ष मलबें निम्न पृथ्वी कक्षा में पाए जाते हैं। मानव द्वारा पृथ्वी की कक्षा में भेजे गए उपग्रह निष्क्रिय स्थिति में छोटे-छोटे टुकड़ों में परिवर्तित होकर पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाते रहते हैं। नासा के अनुसार, निम्न पृथ्वी कक्षा में 15,700 मील प्रति घंटे की गति से 27,000 से अधिक मलबे के टुकड़े चक्कर लगा रहे हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मुक्त अवस्था में अंतरिक्ष मलबा परिचालन एवं संचार उपग्रहों के लिये खतरा उत्पन्न कर सकता है। यहां तक कि इसके टकराने से उपग्रह निष्क्रिय हो सकते हैं। पाठकों को यह जानकारी हासिल करके आश्चर्य होगा कि छोटे से छोटे मलबे के टुकड़े (मिलीमीटर आकार के मलबे) से होने वाली टक्कर भी उपग्रहों को नष्ट कर सकती है। इसे 'केसलर सिंड्रोम' के रूप में जाना जाता है। अच्छी बात यह है कि अंतरिक्ष पर्यावरणीय खतरों से भारतीय अंतरिक्ष संपत्तियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये 'इसरो सिस्टम फॉर सेफ एंड सस्टेनेबल स्पेस ऑपरेशंस मैनेजमेंट' को लॉन्च किया गया है। इसरो द्वारा इस संबंध में अनेक अनुसंधान गतिविधियां शुरू की गई हैं, जो हमारे लिए एक सुखद संकेत है। हमारे यहां बेंगलुरु में एक समर्पित अंतरिक्ष स्थिति जागरूकता नियंत्रण केंद्र भी स्थापित किया गया है।

आप का नजरिया

बाढ़ की मार

राज्य में बारिश ने भाजपा विधायकों, खासकर वडोदरा में, के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। शहर बाढ़ से तबाह हो गया है। लोगों से मिलने गए भाजपा विधायकों को कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा, क्योंकि लोगों ने उन पर चिल्लाना शुरू कर दिया और उन्हें वापस जाने पर मजबूर होना पड़ा। संस्कार नगरी में बाढ़ मानव निर्मित है और विश्वामित्री के विकास के वादों के बावजूद सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। यहां तक कि ऋषिकेश पटेल, जगदीश विश्वकर्मा और हर्ष संघवी जैसे वरिष्ठ मंत्रियों का भी स्वागत 'वापस जाओ' के नारों से किया गया। सोशल मीडिया पर भाजपा को गालियां देने की बाढ़ आ गई। एक वरिष्ठ पूर्व विधायक ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा, 'ऐसा तो होना ही था। ये विधायक केवल चुनाव के समय ही लोगों के पास जाते हैं। लोगों का नाराज होना लाजिमी है।' जाहिर है गुजरात में भाजपा का बहुप्रचारित 'सदस्यता अभियान' भी

बाढ़ में लगभग 'बह' गया है। पार्टी नेता बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अभियान को बाद में चलाने के पक्ष में हैं। भाजपा सदस्यों को डर है कि अन्य स्थानों पर भी उन्हें लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ सकता है। अपर्णा, प्रियंका पर कृपा बरसी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कृपा बरसी और महिला आयोग में अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव को उपाध्यक्ष पद मिला। प्रतीक यादव मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी साधना यादव के बेटे हैं। करहल सीट पर होने वाले उपचुनाव को देखते हुए अपर्णा यादव की नियुक्ति अखिलेश और समाजवादी पार्टी की परेशानी बढ़ा सकती है। करहल सीट से अखिलेश यादव २०२२ में विधायक चुने गए थे। कन्नौज से २०२४ के लोकसभा चुनाव में सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने यह सीट खाली कर दी है। योगी ने महिला आयोग में प्रियंका गांधी की करीबी रहीं प्रियंका मौर्या को भी जगह दी है। विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के वैंâपेन 'लड़की हूं मैं, लड़ सकती हूं' में प्रियंका मौर्या पोस्टर गर्ल थीं। बाद में उन्होंने कांग्रेस से किनारा कर भाजपा का झंडा-डंडा थाम लिया था। उप्र महिला आयोग में कुल २४ सदस्य हैं। अपर्णा २०२० में भाजपा में शामिल हुई थीं। अपर्णा की गौशाला का योगी कई बार दौरा कर चुके हैं। महिला अधिकारों और अन्य मुद्दों पर अपर्णा यादव पूरी मुखरता से बोलती हैं। उपचुनावों से पहले अपर्णा यादव को जिम्मेदारी देने का साफ अर्थ है कि भाजपा उन्हें समाजवादी पार्टी के खिलाफ सियासी जंग में अग्रिम पंक्ति में रखने वाली है।

बांग्लादेश में ईश निंदा के आरोप में हिंदू युवक को भीड़ ने अधमरा किया

ढाका, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद हिन्दू समुदाय पर जुल्म-ओ-सितम का एक और दिल दहला देने वाला वाकया सामने आया है।

देश के खुलना में पगलाई भीड़ ने ईश निंदा के आरोप में एक हिन्दू युवक को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में मुल्क की अंतरिम सरकार अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में विफल है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, गुस्साई भीड़ का शिकार बना 18 वर्षीय उत्शोब मंडल मेडिकल छात्र है। कथित तौर पर उसने फेसबुक पर पैगंबर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की। यह घटना बुधवार रात करीब 11:45 बजे की है। इसके बाद मस्जिद के लाउडस्पीकर से उसकी मौत की घोषणा की गई। पुलिस ने अगली सुबह कहा कि उत्शोब जीवित है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने सुरक्षा कारणों से उस स्थान का खुलासा करने से इनकार कर दिया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, उत्शोब मंडल ने सोशल मीडिया पर पैगंबर के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की थी। यह पता चलने पर रात लगभग आठ बजे कुछ छात्र उसे पकड़ कर सोनाडांगा में पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) मोहम्मद तजुल इस्लाम के कार्यालय ले गए। इसके बाद पुलिस उपायुक्त कार्यालय के बाहर भीड़ जमा हो गई। भीड़ मांग करने लगी कि मंडल को उनके हवाले किया जाए। कुछ देर बाद भीड़ कार्यालय में घुस गई और उत्शोब को दबोच कर पीट-पीटकर अधमरा कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

कनाडाः अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार के लिए चुनौतियों भरा होगा संसद सत्र, नये सहयोगी की तलाश या इस्तीफा देकर नये चुनाव का ऐलान कर सकते हैं ट्रूडो

ओटावा। कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार अल्पमत में आ गई है। खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के सरकार से समर्थन वापस लेने की वजह से ट्रूडो राजनीतिक बंवडर में फंस गए हैं। उन्हें सरकार बचाए रखने के लिए अब दूसरे सहयोगियों की जरूरत है। विपक्षी दलों ने समय से पहले चुनाव कराने की मांग की है। कनाडा में अगले साल अक्टूबर में चुनाव होने हैं। कनाडा की संसद में ट्रूडो की पार्टी के पास 130 सीटें हैं। बहुमत के लिए उन्हें नौ और सीटों की जरूरत है। विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी के पास 119 सीटें हैं। इसके अलावा एनडीपी के पास 24 और क्यूबेक पार्टी के पास 32 सीटें हैं। एनडीपी ने ट्रूडो सरकार से समर्थन वापस ले लिया है तो उन्हें अब क्यूबेक पार्टी से समर्थन की दरकार होगी। कनाडा में इस महीने के आखिर में संसद का सत्र शुरू होना है। जस्टिन ट्रूडो सरकार को बजट पास कराने के लिए हाउस ऑफ कॉमंस में अन्य दलों का समर्थन हासिल करना होगा। अगर अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार के खिलाफ कंजरवेटिव पार्टी अविश्वास प्रस्ताव लाती है तो बहुमत साबित करने के लिए किसी और दल से समर्थन की जरूरत होगी। इसलिए ट्रूडो की कोशिश होगी कि वह सत्र शुरू होने से पहले क्यूबेक पार्टी का समर्थन हासिल करें। राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि क्यूबिक पार्टी से समर्थन न मिलने पर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इस्तीफा देकर समय से पहले चुनाव कराने की घोषणा कर सकते हैं। कनाडा के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम से न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) प्रमुख जगमीत सिंह सुर्खियों में आ गए हैं। पंजाब के बरनाला जिले के ठीकरिवाल गांव में जन्मे जगमीत सिंह का परिवार 1993 से कनाडा में रह रहा है। जगमीत सिंह की पार्टी एनडीपी 2021 से जस्टिन ट्रूडो की सरकार की सहयोगी रही है। इसके लिए ट्रूडो और जगमीत के बीच हुए समझौते को सप्लाई एंड कॉन्फिडेंस के नाम से जाना जाता है। यह समझौता संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की सूरत में सरकार को बचाने के लिए किया गया था। तब यह तय किया गया था कि इसके बदले में लिबरल पार्टी संसद में एनडीपी की प्रमुख प्राथमिकताओं का समर्थन करेगी। इन प्राथमिकताओं में कम आय वाले परिवारों के लिए लाभ, नेशनल फार्माकेयर प्रोग्राम और हड़ताल के दौरान दूसरे वर्कर्स के इस्तेमाल को रोकने वाले कानून की बात थी। पिछले महीने कनाडा में दो सबसे बड़े रेलवे ने अपना काम बंद कर दिया। इसके बाद ट्रूडो की कैबिनेट ने इंडस्ट्रियल बोल्ट को बाध्यकारी मध्यस्थता लागू करने का निर्देश दिया। इस वजह से ही एनडीपी ने अपनी प्राथमिकताओं पर नए सिरे से विचार करना शुरू कर दिया। सवाल यह है कि आखिर ट्रूडो के पास क्या विकल्प बचे हैं। इस पर कनाडा की राजनीति पर नजर रखने वाले प्रेक्षक कहते हैं कि अब ट्रूडो के पास यह ही विकल्प बचा है कि वह अपने पद से इस्तीफा दें और देश में जल्दी चुनाव कराएं।

बांग्लादेश के पूर्व जहाजरानी मंत्री शाहजहां खान गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी और उनकी पार्टी अवामी लीग के प्रमुख नेता शाहजहां खान को राजधानी के एक इलाके से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। प्रोथोम अलो के अनुसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के संयुक्त आयुक्त (उत्तर) रबीउल हुसैन ने शाहजहां खान की गिरफ्तारी की पुष्टि की। हुसैन ने कहा कि उन्हें गुरुवार रात राजधानी के धनमंडी इलाके से गिरफ्तार किया गया। मदारीपुर-2 निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक ने जहाजरानी मंत्री के रूप में भी काम किया। वह बांग्लादेश वर्कर्स फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। वह 1986 में मदारीपुर-2 निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में सांसद चुने गए। वह 1991, 1996, 2001, 2008, 2014, 2018 और 2024 में अवामी लीग के टिकट पर चुनाव जीते।

नेपाल एयरपोर्ट पर तीन मुख्य कारणों से दुर्घटनाग्रस्त हुआ था सौर्य एयरलाइंस का विमान

काठमांडू, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर 24 जुलाई को सौर्य एयरलाइंस के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच रिपोर्ट का खुलासा हुआ है। जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। रिपोर्ट में दुर्घटना के पीछे तीन संभावित कारण बताए गए हैं। इनमें कार्गो में बैगेज के लोड का बैलेंस उड़ान नियमों के मुताबिक न होने, विमान की टेक ऑफ गति का संतुलन नहीं होने और टेक ऑफ के दौरान नियमों की अनदेखी किये जाने को दुर्घटना का कारण बताया गया है।

काठमांडू से पोखरा के लिए उड़ान भरने के कुछ सेकेंड के बाद ही सौर्य एयरलाइंस का विमान 24 जुलाई को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के नियमित सी चेक के लिए पोखरा जा रहे विमान में सवार एक पायलट के अलावा एयरलाइंस कंपनी के 18 कर्मचारियो की मौत हो गई थी। सरकार ने इस दुर्घटना की जांच के लिए नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के पूर्व महानिदेशक रतीश चंद्र लाल के संयोजकत्व में एक समिति गठित की थी।

जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सरकार को सौंपी

इस समिति ने सरकार को सौंपी प्रारंभिक रिपोर्ट में इस दुर्घटना के पीछे तीन संभावित कारण बताए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पहला कारण जहाज के लोड पर ध्यान ना देना है। लाल ने बताया कि जांच में पाया गया है कि जहाज में बैठे यात्री और उसके कार्गो में रहे बैगेज के लोड का बैलेंस उड़ान नियमों के मुताबिक नहीं था।

जांच रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया है कि नागरिक उड्डयन प्राधिकरण और विमान उड़ाने वाली एयरलाइंस कंपनियों को इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि विमान की उड़ान से पहले विमान के लोड की अनिवार्य चेकिंग हो।

दुर्घटना के दूसरे संभावित कारण में जहाज के लोड के मुताबिक विमान की टेक ऑफ गति का संतुलन नहीं होना बताया गया है। लाल ने बताया कि दुर्घटना के दिन सौर्य एयरलाइंस के लोड के अनुसार जहाज की गति को मेंटेन न किया जाना दुर्घटना का कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि जहाज के लोड के मुताबिक रनवे पर उसकी स्पीड बैलेंस नहीं दिखी। लोड बैलेंस नहीं होने के कारण पार्किंग से एप्रॉन होते हुए टैक्सी वे और रन वे तक पहुंचने की गति सीमा ठीक नहीं होने की बात कही गई है। इस दुर्घटना के तीसरे कारण में उड़ान के सभी नियमों का पालन न करने और टेक ऑफ के दौरान नियमों की अनदेखी बताई गई है। विमान के लोड के मुताबिक ही विमान की गति को सीमित रखना चाहिए था लेकिन दुर्घटनाग्रस्त विमान की टेक ऑफ स्पीड और उसके मुताबिक रोटेटिंग एंगल नहीं मिलने को भी दुर्घटना का एक कारण बताया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि फ्लाइट रिकार्डिंग डेटा के मुताबिक सौर्य एयरलाइंस का दुर्घटनाग्रस्त विमान टेक ऑफ के पहले 5 सेकेंड में 50 फीट की ऊंचाई पर था तो 10 सेकेंड में 100 फीट की ऊंचाई पर पहुंच गया था। काठमांडू एयरपोर्ट पर लगे सीसीटीवी और विमान के ब्लैक बॉक्स के डेटा के मुताबिक सिर्फ 29 सेकेंड में ही विमान डिस बेलेंस होकर नीचे गिर गया। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सिर्फ 21 सेकेंड में ही पायलट ने फ्लाइट को रोटेट किया था और 29वें सेकेंड में फ्लाइट क्रैश हो गया था।

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल : मणिपुरी फिल्म की बूंग ने रचा इतिहास

टोरंटो, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

टोरंटो के 49वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में तीन भारतीय फिल्मों का प्रीमियर हुआ। 10 दिवसीय फिल्म महोत्सव में 270 से अधिक फिल्में और डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की जा रही हैं। इनमें फ्रांसिस फोर्ड कोपोला की मेगालोपोलिस, डेविड ग्रीन की बेन स्टिलर-स्टारर नटक्रैकर्स, एल्टन जॉन की नेवर टू लेट और पामेला एंडरसन-स्टारर द लास्ट शोगर्ल शामिल हैं।

10 दिवसीय फिल्म महोत्सव में 270 से अधिक फिल्में और डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की जाएंगी

लक्ष्मीप्रिया देवी की पहली मणिपुरी फिल्म बूंग, महोत्सव के इस संस्करण में प्रीमियर होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई। यह फिल्म एक युवा लड़के बूंग की कहानी है, जो अपने लापता पिता की तलाश में सभी मुश्किलों को पार करता है। पिता जो जीवन के लिए बेहतर संभावनाओं के चलते बाहर गया था लेकिन बाद में उसने अपनी पत्नी और बेटे के साथ बातचीत करना बंद कर दिया था।

कहानी का अधिकांश हिस्सा बर्मी सीमा पर मोरेह शहर के इर्द-गिर्द शूट हुआ है। एक नए निर्देशक के रूप में, लक्ष्मीप्रिया ने उत्तर-पूर्व में बाहरी लोगों के बारे में तनाव को उजागर करने के लिए कुछ किस्सों को कुशलता से बुना है। टोरंटो के 49वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गुरुवार को पायल कपाड़िया की ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट का भी प्रीमियर हुआ। इसकी कहानी के केंद्र में सपनों के शहर मुंबई में दो नर्सें हैं। कानी कुसरुति और अनु (दिव्य प्रभा) न केवल अस्पताल में सहकर्मी हैं, बल्कि रूममेट भी हैं। एक अपने पति के साथ विदेश चली गई और दूसरी दूसरे धर्म के लड़के के साथ रिलेशनशिप में है। उनके जीवन के भावनात्मक उतार-चढ़ाव इस फिल्म की कहानी को रेखांकित करते हैं। भीड़भाड़ वाले रेलवे प्लेटफार्मों, ट्रेनों और बाजारों के साथ, कपाड़िया की फिल्म शहरी डेवलपर्स की हृदयहीनता को भी उजागर करती है क्योंकि दो नर्सों के एक लैब अस्टिटेंट सहयोगी को उसके घर से बेदखल कर दिया जाता है। वो तीनों अच्छे दोस्त बन जाते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का पुत्र हंटर टैक्स केस में दोषी करार

लॉस एंजिल्स।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के पुत्र हंटर बाइडेन ने टैक्स संबंधी नौ आरोपों को यहां अदालत के सामने गुरुवार को स्वीकार कर लिया। 54 वर्षीय हंटर ने बचाव पक्ष की मेज पर बैठे हुए धीमी और भरभराई हुई आवाज में नौ अलग-अलग आरोपों को कुबूल किया। न्यायाधीश मार्क सी. स्कार्सी ने प्रत्येक आरोप की स्वीकारोक्ति पर नौ बार दोषी शब्द दुहराया। हंटर की सजा पर दिसंबर के मध्य में सुनवाई होगी। तक वह बॉन्ड पर मुक्त रहेंगे।

हंटर को जून में डेलावेयर में आग्नेयास्त्र आवेदन पर झूठ बोलने का दोषी ठहराए जाने के बाद अब उन्हें 25 साल की संभावित सजा के अलावा अधिकतम 17 साल तक की जेल की सजा या 1.3 मिलियन डॉलर तक का जुर्माना का सामना करना पड़ सकता है। हंटर के खिलाफ पांच साल चली जटिल जांच में कहा गया था कि उन्होंने आकर्षक विदेशी परामर्श अनुबंधों में अपने उपनाम का लाभ उठाकर और करों का भुगतान नहीं किया।

हंटर बाइडेन ने कहा है, मेरे सामने केवल एक ही रास्ता बचा था। मैं अपने परिवार को और अधिक पीड़ा, निजता के हनन और अनावश्यक शर्मिंदगी का सामना नहीं करने दूं। इतने वर्षों में मैंने उन्हें बहुत दर्द दिया है। इसलिए मैंने अपना दोष स्वीकार करने का निर्णय लिया।

अमेरिका में जॉर्जिया के अपालाची हाई स्कूल में खूनखराबा करने वाले किशोर का पिता गिरफ्तार

अटलांटा, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में जॉर्जिया के अपालाची हाई स्कूल में बुधवार को खूनखराबा करने वाले 14 वर्षीय आरोपित छात्र के पिता को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित छात्र की गोलीबारी में चार लोगों की मौत से पूरा देश हिल गया है। इस गोलीबारी में नौ लोग घायल हो गए।

रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्जिया ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (जीबीआई) के निदेशक क्रिस होसी ने गुरुवार रात संवाददाता सम्मेलन में आरोपित छात्र के पिता कॉलिन ग्रे को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। होसी ने कहा कि ग्रे पर आरोप सीधे तौर पर उनके बेटे के कार्यों और उसे हथियार रखने की अनुमति देने से जुड़े हैं। 54 वर्षीय कॉलिन ग्रे पर गैर इरादतन हत्या के चार मामलों और बच्चों के प्रति क्रूरता के आठ मामलों का भी आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि कॉलिन ग्रे पर सबसे गंभीर आरोप जानबूझकर अपने बेटे को हथियार रखने की अनुमति देने का है।

पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के पक्ष में सुनाया फैसला, भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों में बदलाव बहाल

इस्लामाबाद, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने आमराय से आज राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो के भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों में बदलाव को बहाल कर दिया। शीर्ष अदालत का यह फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार के पक्ष में आया है। इन कानूनों में बदलाव से प्रधानमंत्री और उनके बड़े भाई नवाज शरीफ सहित कई बड़े नेताओं को फायदा हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ ने संघीय सरकार और अन्य पक्षों की अंतर-अदालती अपीलों पर सुनवाई के बाद छह जून को फैसला सुरक्षित रख लिया था। प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने आज उस फैसले को सुनाया। मुल्क की सबसे बड़ी अदालत के फैसले से साफ है कि उसने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो के कानूनों में संशोधन को निरस्त करने वाले 15 सितंबर, 2023 के अपने फैसले को पलटते हुए संघीय सरकार एवं अन्य प्रभावित पक्षों की दायर अंतर-अदालती अपीलों को स्वीकार कर लिया। शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने मई 2023 में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो के कानूनों में संशोधन किया था। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने इस कानून की आलोचना की थी क्योंकि इसके कारण आसिफ अली जरदारी, शहबाज शरीफ और उनके भाई नवाज शरीफ जैसे नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले वापस ले लिए गए थे। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने इन संशोधनों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने पिछले साल सितंबर में इन बदलावों को रद्द कर दिया था। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से इस फैसले पर दोबारा पुनर्विचार का आग्रह किया था। तब दोबारा सुनवाई हुई और शीर्ष अदालत ने छह जून को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उसने अपील के पक्ष में आज आमराय से फैसला सुनाया और उन संशोधनों को बहाल कर दिया जिन्हें पहले असंवैधानिक घोषित किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीश संसद के द्वारपाल नहीं हो सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जब भी संभव हो, उच्चतम न्यायालय को संसद के बनाए गए कानून को बरकरार रखने का प्रयास करना चाहिए। सुनवाई के दौरान इमरान खान रावलपिंडी की अदियाला जेल से वीडियो लिंक के जरिए अदालत के समक्ष पेश हुए।

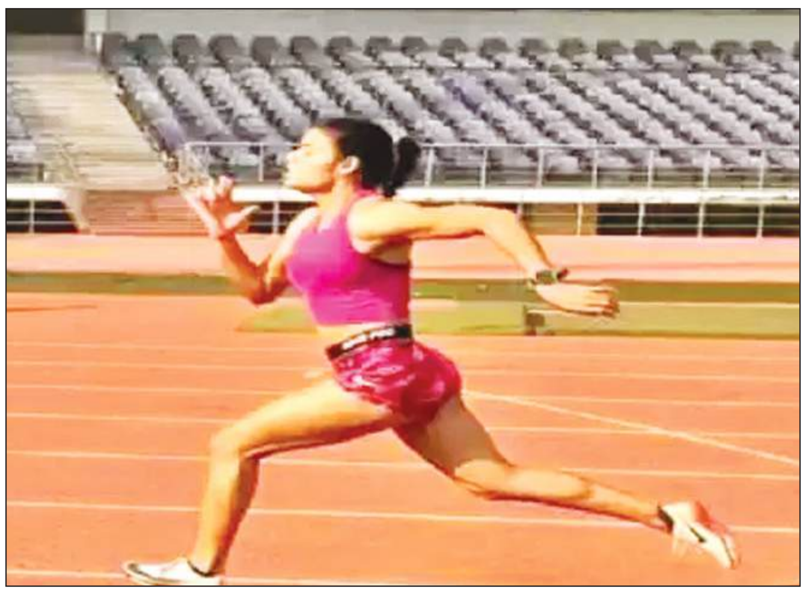

पेरिस पैरालंपिक : सिमरन 100 मीटर फाइनल में अंतिम स्थान पर रहीं, पावरलिफ्टर अशोक ने भी किया निराश

पेरिस, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय पैरा एथलीट सिमरन शर्मा और अशोक पोडियम पर अपनी जगह पक्की करने में विफल रहे और पेरिस पैरालिंपिक में उनका अभियान निराशाजनक तरीके से समाप्त हुआ।

सिमरन ने बिना किसी परेशानी के महिलाओं की 100 मीटर टी12 स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश किया। लेकिन वह 12.31 सेकंड के समय के साथ चार फाइनलिस्टों में से अंतिम स्थान पर रहीं।

क्यूबा की ओमारा डूरंड एलियास, जो विश्व रिकॉर्ड धारक हैं, ने 11.81 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। यूक्रेन की ओक्साना बोटुर्चुक 12.17 सेकंड के समय के साथ एलियास से पीछे रहीं। जर्मनी की कैटरीन म्यूलर-रोटगार्ड ने 12.26 सेकंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता।

इस बीच, पावरलिफ्टर अशोक, जो पुरुषों के 65 किग्रा फाइनल में भी पदक के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, ने अपना अभियान छठे स्थान पर समाप्त किया। उन्होंने अपने पहले प्रयास में 196 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाकर प्रतियोगिता की शुरुआत की। उन्होंने अपनी गति को बनाए रखते हुए 199 किग्रा वजन उठाया और पदक की उम्मीद जगाई।

लेकिन तीसरे प्रयास में, उन्होंने तीसरे और अंतिम राउंड में 206 किग्रा उठाने की कोशिश की, लेकिन यह उनके लिए बहुत ज़्यादा साबित हुआ और उन्होंने एक अमान्य प्रयास दर्ज किया। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास दूसरे राउंड में 199 किग्रा रहा।

चीन के यी जू ने 215 किग्रा का सफल भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता। ग्रेट ब्रिटेन के मार्क स्वान ने 213 किग्रा का सफल भार उठाकर रजत पदक जीता। एलेगिरा के होसीन बेटिर ने 209 किग्रा भार उठाकर कांस्य पदक जीता।

सिमरन और अशोक की कमी से पहले, भारत ने मिश्रित टीम रिकर्व ओपन में स्लोवेनिया के ज़ीवा लावरिंक और देजान फ़ैबिक के खिलाफ़ कांस्य पदक के मुक़ाबले में पैरा-तीरंदाज़ी जोड़ी हरविंदर सिंह और पूजा के हारने के बाद एक और पदक की उम्मीद खो दी। पैरालिंपिक में भारत के रिकॉर्ड-तोड़ पदक तालिका में एक और पदक जोड़ने में दोनों की असमर्थता के बावजूद, यह भारतीय पैरा-तीरंदाजों का एक ऐतिहासिक प्रदर्शन था। पैरालिंपिक के इतिहास में यह पहली बार था कि भारतीय पैरा तीरंदाजी टीम ने इस मार्की इवेंट में दो पदक एक स्वर्ण और एक कांस्य जीते। हरविंदर ने पैरालिंपिक में पैरा तीरंदाजी में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। एकतरफा फाइनल में, हरविंदर ने बुधवार को पोलैंड के लुकास सिसजेक को सीधे सेटों में 6-0 से हराया।

न्यूज़ ब्रीफ

पाक यूट्यूबर बोला, बाबर को आईपीएल में कोई 130 रुपए में भी नहीं खरीदेगा

लाहौर । बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद से ही पाकिस्तान के क्रिकेटर आलोचनाओं का शिकार हुए हैं। टीम का लोगों ने सोशल मीडिया पर भी मजाक उड़ाया है। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के दौरान पाक के नंबर एक बल्लेबाज बाबर आजम का प्रदर्शन भी खराब रहा जबकि आजम को टीम की बल्लेबाजी का मुख्य आधार माना जाता है। इसके बाद से ही आजम को भी सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। एक पाक यूट्यूबर ने आजम की आलोचना करते हुए कहा, आईपीएल में तो कोई उन्हें 130 रुपये में भी नहीं खरीदेगा। साथ ही कहा कि भारतीय बोर्ड ने आईपीएल में पाक खिलाड़ियों के भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है पर अगर ऐसा नहीं होते तो भी पाक खिलाड़ियों को कोई नहीं खरीदता। बाबर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में 100 रन भी नहीं बना पाये। वहीं पाक टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा, मैं पूरी तरह से हार की जिम्मेदारी लेता हूं और देश से माफी मांगता हूं। मसूद ने हार की जिम्मेदारी स्वीकार की, जबकि टीम की हार ने पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। वहीं पाक बोर्ड पीसीबी ने कहा है कि टीम में कई बदलाव किये जाएंगे।

यूएस ओपन 2024: आर्यना सबालेंका लगातार दूसरी बार फाइनल में

न्यूयॉर्क। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने गुरुवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिकी खिलाड़ी एम्मा नवारो को 6-3, 7-6(2) से हराकर लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल की उपविजेता सबालेंका ने 13वीं वरीयता प्राप्त नवारो को मात देने के लिए अपनी बेहतरीन शक्ति का इस्तेमाल किया, 34 से ज़्यादा विनर्स भेजे, और मैच पॉइंट पर संतोषजनक ओवरहेड स्मैश के साथ इसे समाप्त किया। नवारो ने चौथे राउंड में गत विजेता कोको गॉफ को हराया था, लेकिन प्रमुख अनुभवी सबालेंका के सामने हार गईं। सबालेंका ने जीत के बाद प्रशंसकों को चिढ़ाते हुए कहा, अब आप मेरे लिए जयकार कर रहे हैं – वाह – यह थोड़ा देर हो चुकी है। भले ही आप लोग नवारो का समर्थन कर रहे थे, लेकिन मेरे रोंगटे खड़े हो गए। वह बहुत अच्छी खिलाड़ी हैं, वास्तव में कड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं। सबालेंका चैंपियनशिप मैच में अमेरिका की जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी।

नेशंस लीग: रोनाल्डो के 900वें गोल से पुर्तगाल ने क्रोएशिया को 2-1 से हराया

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 900वें गोल की मदद से पुर्तगाल ने गुरुवार को नेशंस लीग के अपने पहले मैच में क्रोएशिया पर 2-1 से जीत हासिल की। डिओगो डालोट ने सातवें मिनट में बेहतरीन गोल कर पुर्तगाल को बढ़त दिला दी। इसके बाद पुर्तगाल के पांच यूरो 2024 खेलों में गोल करने में विफल रहे रोनाल्डो ने नूनो मेंडेस के एक बेहतरीन क्रॉस पर गोल करके 34वें मिनट में बढ़त को दोगुना कर दिया। यह उनके करियार का 900वां गोल था। क्रोएशिया को ब्रेक से चार मिनट पहले गिफ्ट के रूप में एक गोल मिला, जब डालोट ने सोसा के स्लाइडिंग प्रयास को अपने ही नेट में डिफ्लेक्ट कर दिया, लेकिन स्कोर रहित दूसरे हाफ ने पुर्तगाल को अपने अभियान की विजयी शुरुआत दी। गुरुवार को लीग ए ग्रुप 1 के दूसरे गेम में पोलैंड ने स्कॉटलैंड को 3-2 से हराया। रविवार को पुर्तगाली टीम स्कॉटलैंड की मेज़बानी करेगी, जबकि क्रोएशिया का सामना पोलैंड से होगा।

पैरालंपिक 2024 में मप्र के कपिल परमार ने कांस्य पदक जीतकर रचा इतिहास

भोपाल, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

फ्रांस के पेरिस शहर में 28 अगस्त से 8 सितम्बर तक आयोजित पैरालम्पिक-2024 में गुरुवार को मध्यप्रदेश राज्य जूडो अकादमी के बोर्डिंग स्कीम खिलाड़ी कपिल परमार ने कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने गुरुवार देर शाम 60 किलोग्राम जे-1 स्पर्धा में ब्राजील के एलिल्टोन डि ओलिवेरा को एकतरफा 10-0 से हराकर भारत की झोली में 25वां पदक डाला। कपिल ने पहली बार पैरालंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया और पैरालंपिक इतिहास में भारत का जूडो में पहला पदक दिलाया है।

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कपिल की सराहना करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। कपिल मुख्यत: सीहोर के निवासी हैं। वर्ष 2009-10 में करंट लगने से उनकी आँखों की रोशनी चली गई थी। कपिल 80 प्रतिशत ब्लाइंड हैं। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में जूडो खेलना प्रारंभ किया। कपिल अब तक 17 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने अब तक 8 स्वर्ण पदक सहित कुल 13 अंतरराष्ट्रीय पदक अर्जित किये हैं।

विस्तृत परिणाम

पैरालम्पिक गेम के ब्लाइंड जूडो पुरुष व्यक्तिगत 60 किलोग्राम जे-1 स्पर्धा में क्वालीफाई मैच न होकर सीधा क्वार्टर फायनल मुकाबला खेला गया। यह क्वार्टर फायनल मुकाबला गुरुवारको भारत के कपिल परमार और वेनेजुएला के ब्लेंको एम.डी. के मध्य खेला गया। इस मुकाबले में कपिल परमार ने वेनेजुएला के ब्लेंको एमडी को 10-0 से करारी शिकस्त देकर सेमी-फायनल मुकाबले में प्रवेश किया। इसके बाद गुरुवार को ब्लाइंड जूडो पुरुष व्यक्तिगत 60 किलोग्राम जे-1 स्पर्धा के सेमी-फायनल मुकाबले में अकादमी के कपिल परमार और ईरान के खिलाड़ी सैयद बानीताबा खुर्रम के मध्य खेला गया। इसमें ईरान के खिलाड़ी बानीताबा ने कपिल को 1-0 के अंतर से परास्त किया। इसके बाद कपिल का मुकाबला ब्राजील के खिलाड़ी एलिल्टन डी ओलीवेरिया के मध्य कॉंस्य पदक के लिये खेला गया, जिसमें 10-0 से कपिल ने मुकाबला जीतकर कॉंस्य पदक हासिल किया।

पेरिस पैरालंपिकः शॉटपुट एफ35 फाइनल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बावजूद खाली हाथ रहे अरविंद

पेरिस। भारत के अरविंद ने पेरिस पैरालिंपिक में अपने सीज़न के सर्वश्रेष्ठ थ्रो की स्ट्रीक बनाने के बाद भी, पुरुषों की शॉट पुट एफ 35 फ़ाइनल में को खाली हाथ रहे। उज्बेकिस्तान के ख़ुसनीद्दीन नोरबेकोव ने दांव बढ़ाया और 16.82 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतने के लिए पैरालिंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। उन्होंने बीजिंग 2008 में 16.22 मीटर थ्रो के साथ चीन के वेई गौ के 16 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। नोरबेकोव ने अपने नाम के साथ 17.32 मीटर थ्रो के साथ विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है। अर्जेंटीना के हर्नान उर्रा ने 16.11 मीटर की दूरी के साथ रजत पदक जीता। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान के सईद अलियासगर जावनमर्दी ने 15.84 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। अरविंद ने स्वर्ण पदक के लिए अपनी दौड़ की शुरुआत 11.79 मीटर की दूरी से की, उन्होंने अपने पहले थ्रो में सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सीजन के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ, अरविंद पहले राउंड के बाद आठ फाइनलिस्टों में छठे स्थान पर थे। अपने दूसरे प्रयास में, अरविंद ने दिखाया कि उनमें कुछ और कौशल बाकी हैं। उन्होंने 12 मीटर का आंकड़ा पार किया और 12.34 मीटर के थ्रो के साथ एक नया सीजन सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड किया। अपने सीजन-सर्वश्रेष्ठ प्रयास में सुधार करने के बावजूद, वे छठे स्थान पर रहे। तीसरे राउंड के थ्रो में उन्होंने एक बार फिर गहराई से खोज की और 13.01 मीटर को अपने नए सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के रूप में निर्धारित किया। लगातार तीसरे थ्रो के लिए, अरविंद का सीजन-सर्वश्रेष्ठ लगातार बढ़ता रहा, लेकिन समूह में उनकी स्थिति में शायद ही कोई बदलाव दिखा। चौथे राउंड में, अरविंद का प्रदर्शन खराब होने लगा और उन्होंने 12.85 मीटर का प्रयास किया, जिससे उनके सीजन का सर्वश्रेष्ठ सेट करने का सिलसिला खत्म हो गया। पोडियम फिनिश हासिल करने की संभावना खत्म होने के साथ, अरविंद ने एक बार फिर गौरव हासिल करने की कोशिश की, लेकिन 12.71 मीटर की दूरी हासिल करने में सफल रहे। उनके अभियान का अंत उनके अंतिम प्रयास में फाउल थ्रो के साथ हुआ।

मनोलो के मुख्य कोच बनने से भारत फीफा रैंकिंग में आगे बढ़ना शुरू कर देगा : ओवेन कोयल

कोच्चि, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

कई लोग तब हैरान रह गए जब केरला ब्लास्टर्स ने मुख्य कोच इवान वुकोमानोविक से अलग होने का फैसला किया, जो अपनी टीम के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जितने ही लोकप्रिय थे और जिनके नेतृत्व में क्लब ने लगातार तीन वर्षों तक इंडियन सुपर लीग प्लेऑफ में जगह बनाई थी।

नए कोच माइकल स्टाहरे पर बेहतर परिणाम देने का बहुत दबाव होगा। लेकिन स्वीडिश खिलाड़ी ने यह स्पष्ट कर दिया कि काम करने का उनका अपना तरीका है। स्टाहरे ने गुरुवार को कोच्चि में आईएसएल मीडिया डे के दौरान कहा, सबसे पहले, मैं पिछले कोच का पूरा सम्मान करता हूं लेकिन पुराना रिश्ता पूर्व पति या पूर्व पत्नी के साथ होने जैसा होता है। जाहिर है, वह एक अच्छे कोच और अच्छे इंसान हैं लेकिन मेरा काम अपने तरीके से प्रशिक्षण देना है। मैं टेबल पर ऊर्जा लाने की कोशिश करता हूं।

जब खिलाड़ी प्रशिक्षण के लिए आएंगे तो मुझे ऊर्जा से भरा माहौल भी बनाना होगा। उन्होंने कहा कि वह खचाखच भरे स्टेडियम को देखने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, थाईलैंड में (क्लब के प्री-सीजन के दौरान), हमारे खेल को देखने के लिए 10 लोग और कुछ कुत्ते मौजूद थे और डूरंड कप में भी बहुत ज़्यादा लोग नहीं थे। इसलिए अब मैं एक बड़े प्रशंसक आधार वाले अच्छे स्टेडियम में खेलने के लिए उत्सुक हूँ। इस बीच, चेन्नईयिन एफसी के मुख्य कोच ओवेन कॉयल ने कहा कि आईएसएल क्लबों का कर्तव्य है कि वे भारतीय फुटबॉल को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा, भारतीय फुटबॉल को बेहतर बनाने की दिशा में हम सभी का कर्तव्य है।

हम सभी चाहते हैं कि इंडियन सुपर लीग की खूब चर्चा हो। अब जबकि मेरे अच्छे दोस्त मनोलो मार्केज़ भारतीय टीम के साथ हैं (देश के मुख्य कोच के रूप में), उम्मीद है कि राष्ट्रीय टीम फीफा रैंकिंग में भी आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह बहुत दूर की बात है कि हम आठ से 10 साल में फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए काम कर सकते हैं। भारत में इसकी असली संभावना है। इस बीच, आईएसएल कप चैंपियन मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच पेट्र क्रेटकी का मानना है कि इस सीजन में लीग पिछले सीजन की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी होगी।

एलेक्स मॉर्गन ने पेशेवर फुटबॉल से लिया संन्यास, गर्भवती होने की घोषणा की

न्यूयॉर्क, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

दो बार की महिला विश्व कप चैंपियन एलेक्स मॉर्गन ने घोषणा की है कि वह अपने दूसरे बच्चे के साथ गर्भवती हैं और पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले रही हैं। यूनाइटेड स्टेट्स के साथ 15 साल के करियर के दौरान, मॉर्गन ने न केवल मैदान पर प्रभाव डाला, बल्कि उन्होंने समान वेतन के लिए टीम की लड़ाई का नेतृत्व करने में भी मदद की और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखर रहीं। 35 वर्षीय मॉर्गन रविवार को स्नैपड्रैगन स्टेडियम में अपनी क्लब टीम, नेशनल विमेंस सॉकर लीग के सैन डिएगो वेव के साथ अपना अंतिम मैच खेलेंगी। 2015 और 2019 में विश्व कप खिताब के अलावा, मॉर्गन ने 2012 लंदन ओलंपिक में युनाइटेड स्टेट्स के साथ स्वर्ण पदक भी जीता। वह पहली बार 2009 में राष्ट्रीय टीम में शामिल हुईं। यूएस टीम के साथ अपने करियर के दौरान, उन्होंने 224 मैच खेले, जो अब तक का नौवां सबसे बड़ा मैच था, जिसमें 123 गोल (अब तक का पांचवां) और 53 असिस्ट (अब तक का नौवां) शामिल थे। मॉर्गन ने एक बयान में कहा, मैं इस टीम में पली-बढ़ी हूं, यह फुटबॉल से कहीं बढ़कर है। यह दोस्ती और एक-दूसरे के बीच अटट सम्मान और समर्थन, महिलाओं के खेल में वैश्विक निवेश के लिए अथक प्रयास और मैदान पर और बाहर दोनों जगह सफलता के महत्वपूर्ण क्षण थे। मैं 15 साल से अधिक समय तक इस पद को पाने के लिए अविश्वसनीय रूप से सम्मानित हूं। मैंने उस समय में अपने बारे में बहुत कुछ सीखा और इसका श्रेय मेरे साथियों और हमारे प्रशंसकों को जाता है। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि यह टीम किस दिशा में आगे बढ़ रही है और मैं हमेशा यूएस महिला टीम की प्रशंसक रहूंगी। मॉर्गन को दो बार यूएस सॉकर प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। यूनाइटेड स्टेट्स के साथ उनका आखिरी मैच 4 जून, 2024 को दक्षिण कोरिया के खिलाफ था। वह पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में नहीं थीं। मॉर्गन उन खिलाड़ियों में से थीं जिन्होंने 2019 में पुरुषों की राष्ट्रीय टीम की तुलना में असमान वेतन और व्यवहार का हवाला देते हुए लैंगिक भेदभाव के लिए यूएस सॉकर पर मुकदमा दायर किया था। 2022 में, दोनों पक्ष सामूहिक सौदेबाजी समझौतों पर सहमत हुए, जिसके तहत दोनों टीमों को समान रूप से भुगतान किया जाएगा।

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

टीम से बढ़कर, एक परिवार है पुरानी दिल्ली 6 : ईशांत शर्मा

नई दिल्ली, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने दिल्ली प्रीमियर लीग में पुरानी दिल्ली 6 टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर अपनी खुशी व्यक्त की है। फिलहाल सेंट्रल दिल्ली लायंस को हराकर दिल्ली 6 सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है।

हालांकि ईशांत ने टूर्नामेंट में बॉलिंग तो नहीं की है, लेकिन टीम को एक परिवार की तरह संजोए हुए हैं और लगातार उनका मार्गदर्शन करते चले आ रहे हैं। ईशांत ने कहा, दुर्भाग्यवश मैं प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हूं, लेकिन जिस तरह से टीम प्रदर्शन कर रही है वह अदभुत है। लड़के जिस तरह खेल रहे हैं और एक दूसरे का साथ निभा रहे हैं, मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा ये टीम नहीं एक परिवार है। साथ ही टीम के मालिक आकाश नांगिया जिस तरह से टीम के हर सदस्य के लिए खड़े रहते हैं और मदद करते हैं वह वास्तव में सराहनीय है। पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो गेम जीतकर दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार वापसी की है। लीग के दौरान ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने लगातार दो गेम जीते हों।

सेमीफाइनल के लिए टीम का मनोबल बढ़ाते हुए

ईशांत ने कहा, ऐसे ही फोकस बनाए रखें और उसी जुनून और एकता के साथ खेलना जारी रखें जो उन्हें यहां तक लाया है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने इस परिवार को बस यही सलाह दूंगा कि छोटी से छोटी बारीकी पर विशेष ध्यान दो, दिल से खेलो और भूल जाओ की तुम्हारे सामने कौन सा बल्लेबाज या गेंदबाज खड़ा है अगर ऐसा कर पाए तो तुम्हे विजेता बनने से कोई नहीं रोक सकता।

पुरानी दिल्ली 6 टीम: ललित यादव, ईशांत शर्मा, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, ऋषभ पंत, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भड़ाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छिकारा, अर्नव बुग्गा, वंश बेदी, मंजीत, यश भारद्वाज, संभव शर्मा, लक्ष्मण।

नीरज चोपड़ा ने ब्रुसेल्स डायमंड लीग फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने शीर्ष छह में जगह बनाकर डायमंड लीग के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। यह प्रतिष्ठित दो दिवसीय प्रतियोगिता 13 और 14 सितंबर को ब्रुसेल्स में होगी।

स्वत: योग्यता प्राप्त करने वाले छह भाला फेंक खिलाड़ियों में पेरिस खेलों के कांस्य पदक विजेता एंडरसन पीटर्स, जूलियन वेबर, जैकब वडलेज, नीरज चोपड़ा, एंड्रियन मार्डारे और रोडरिक जेनकी डीन शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा, सात अंकों के साथ और लुसाने लेग में दूसरे स्थान पर रहे, अब डायमंड लीग स्टैंडिंग में वेबर के साथ तीसरे स्थान पर हैं, दोनों के 15 अंक हैं। पीटर्स 21 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जबकि चेक गणराज्य के जैकब वडलेज, जो 82.03 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रहे, 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

नीरज ने लुसाने में अपने अंतिम प्रयास में 89.49 मीटर का थ्रो दर्ज किया, जो उनके पेरिस ओलंपिक के सर्वश्रेष्ठ 89.45 मीटर से थोड़ा ही आगे था। उनके इस प्रयास ने उन्हें ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रखा, जिन्होंने 90.61 मीटर थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

पेरिस ओलंपिक के बाद, नीरज चोपड़ा ने लगातार एडिक्टर मांसपेशियों की समस्या को ठीक करने के लिए सर्जरी करवाने का संकेत दिया। हालाँकि वे पेरिस खेलों के बाद भारत नहीं लौटे, सीधे स्विटज़रलैंड चले गए, चोपड़ा से पूछा गया कि वे इस सीज़न में कितने समय तक प्रतिस्पर्धा करेंगे। विश्व चैंपियन ने कहा, शायद दो या एक प्रतियोगिता और फिर सीज़न खत्म। मुझे यकीन नहीं है, शायद ब्रुसेल्स (डायमंड लीग फिनाले) हो।

उन्होंने उल्लेख किया कि आगामी वर्ष के लिए उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता पूरी तरह से फिट होना है। उन्होंने कहा, पहला लक्ष्य, डॉक्टर के पास जाना और अपनी कमर को 100 प्रतिशत फिट करना और साथ ही मैं तकनीकी रूप से बेहतर हो जाऊंगा और फिर से दूर फेंकने की कोशिश करूंगा।

इस सीज़न में नीरज ने दोहा डायमंड लीग, फेडरेशन कप (भारत में), पावो नूरमी गेम्स, पेरिस ओलंपिक और लॉज़ेन डायमंड लीग में भाग लिया।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार सोना-चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली,06 सितंबर (एजेंसियां) । घरेलू सर्राफा बाजार में पूरी तरह से सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआहै। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में कल यानी गुरुवार के भाव पर ही कारोबार हो रहा है। सोने के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण 24 कैरेट सोना 72,900 रुपये से लेकर 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,830 रुपये से लेकर 66,6800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी भी गुरुवार के रेट यानी 84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,830 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,730 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अमेजन इंडिया का निर्यात इस साल 13 अरब डॉलर के पार होगा : कंपनी अधिकारी

नई दिल्ली । दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन का निर्यात कार्यक्रम अमेजन ग्लोबल सेलिंग वर्ष 2024 के आखिर तक भारत से होने वाले कुल ई-कॉमर्स निर्यात में 13 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर जाएगा। अमेजन इंडिया के एक वैश्विक कारोबारी ने कहा कि कंपनी वर्ष 2025 तक अपने 20 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में निर्यात कार्यक्रम की शुरुआत होने के बाद से दुनिया भर के ग्राहकों को 40 करोड़ से अधिक भारत-निर्मित उत्पाद बेचे जा चुके हैं। उन्होंने अमेजन की वार्षिक निर्यात रिपोर्ट के विमोचन कार्यक्रम में कहा कि जब हमने शुरुआत की थी, तो हमने 2025 तक छोटे एवं मझोले कारोबारों से होने वाले कुल निर्यात में 10 अरब डॉलर का लक्ष्य रखा था। साल 2020 में हमने इस लक्ष्य को दोगुना कर 20 अरब डॉलर कर दिया। हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 2024 के अंत तक हम 13 अरब डॉलर का निर्यात कर चुके होंगे। उन्होंने कहा कि अमेजन को आठ अरब डॉलर (2015-2023) का निर्यात हासिल करने में लगभग आठ साल लगे और सिर्फ एक साल (2023-2024) में ही यह बढ़कर 13 अरब डॉलर होने वाला है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 महीनों में अमेजन के विक्रेता कार्यक्रम ने लगभग 50,000 नए विक्रेताओं को जोड़ा है और विक्रेताओं की कुल संख्या 1.50 लाख हो गई है। उन्होंने कहा इन विक्रेताओं ने दुनिया भर के ग्राहकों को कुल मिलाकर 40 करोड़ से अधिक भारत-निर्मित उत्पाद बेचे हैं ।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । देश में शुक्रवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। तेल कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। वैश्विक बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.04 डॉलर की गिरावट के साथ 72.65 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है।

एमपीसी के नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति समय पर होने की संभावनाः दास

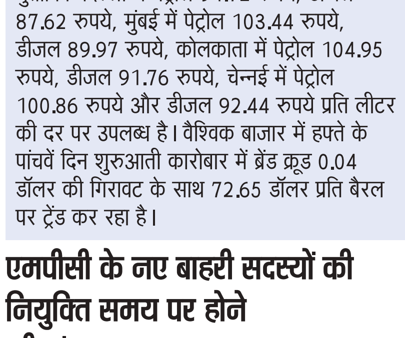

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि संभावना जताई जा रही है कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति समय पर हो जाएगी। यहां वार्षिक फिबैक कार्यक्रम के मौके पर संवाददाताओं से दास ने कहा कि एमपीसी की बैठक सात अक्टूबर से शुरू हो रही है। यह तभी हो सकती है जब सभी सदस्य मौजूद होंगे। उन्होंने कहा कि नए सदस्यों की नियुक्ति तो होनी ही चाहिए तभी हम बैठक कर सकते हैं। ऐसा होना चाहिए। हमें उम्मीद है कि नए सदस्य समय पर नियुक्त हो जाएंगे। तीन बाहरी सदस्यों आशिमा गोयल, जयंत वर्मा और शशांक भिड़े का चार साल का कार्यकाल चार अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। समिति में नियुक्तियां सरकार द्वारा की जाती हैं। एमपीसी की अध्यक्षता आरबीआई के गवर्नर करते हैं और इसमें छह सदस्य होते हैं। इसमें गवर्नर समेत रिजर्व बैंक के तीन प्रतिनिधि होते हैं, जबकि अन्य तीन बाहरी सदस्य होते हैं। प्रस्ताव को सार्वजनिक किए जाने से पहले सदस्य दर निर्धारण पर मतदान करते हैं और बराबरी की स्थिति में गवर्नर के पास निर्णायक मत होता है। दर निर्धारण समिति में हाल ही में कुछ असहमति देखी गई है, जिसमें गोयल ने ब्याज दरों में कटौती के पक्ष में वर्मा का साथ दिया है, जबकि अन्य चार ने लगातार मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने का पक्ष लिया है। इससे लगातार नौ एमपीसी बैठकों में केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर के मोर्चे पर यथास्थिति कायम रखी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अनुच्छेद 370...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा अनुच्छेद 370 और 35ए अब भूतकाल का विषय बन चुका है, अब वह हमारे संविधान का हिस्सा नहीं है। इसे लेकर सम्पूर्ण भारत और जम्मू-कश्मीर की जनता को आनंद है। क्योंकि अनुच्छेद 370 ही वो कड़ी थी जो कश्मीर के अंदर युवाओं को उनके हाथ में पत्थर और हथियार पकड़ाती थी। आज मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में विकास के क्षेत्र में बहुत सारे काम हुए हैं। पहले यहां डेमोक्रेसी तीन परिवारों में ही सीमित होकर रह गई थी। न पंचायत चुनाव होते थे, न तहसील पंचायतें बनती थीं, न जिला पंचायतें होती थीं। भाजपा की सरकार ने ग्राम पंचायत, तहसील पंचायत, जिला पंचायत और म्यूनिसिपलिटी का चुनाव कराकर पंचायती राज को बहाल करने का काम किया है और लोकतंत्र को प्रस्थापित किया है।

अमित शाह ने कहा, मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि आप देश और जम्मू-कश्मीर की जनता के सामने स्पष्ट करिए, आपके मौन धारण करने से कुछ नहीं होगा। क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस के एजेंडे के साथ कांग्रेस पार्टी सहमत है या नहीं है? आप हां या ना में जवाब दीजिए।

भाजपा के संकल्प...

धार्मिक और आध्यात्मिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से शंकराचार्य मंदिर (ज्येष्ठेश्वर मंदिर), रघुनाथ मंदिर व मार्तंड सूर्य मंदिर सहित अन्य मौजूदा मंदिरों का और अधिक विकास किया जाएगा।

4. सबका साथ-सबका विकास : अटल आवास योजना के माध्यम से भूमिहीन लाभार्थियों के लिए 5 मरला जमीन का मुफ्त आवंटन किया जाएगा। वृद्धावस्था, विधवा व विकलांगता पेंशन को 1,000 से तीन-गुना बढ़ाकर 3,000 किया जाएगा, जिससे कमजोर वर्गों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित हो सके।

5. सक्षम युवा : पंडित प्रेम नाथ डोगरा रोजगार योजना के माध्यम से 5 लाख रोज़गार अवसरों का उत्सर्जन किया जाएगा। जेकेपीएसपी और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में युवाओं को सक्षम बनाएंगे। निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भर्ती प्रक्रिया के साथ समय पर साक्षात्कार सुनिश्चित करेंगे। 2 वर्षों के लिए 10,000 तक की कोचिंग फीस भी दी जाएगी। परीक्षा केन्द्रों तक सफर-संबंधी खर्च और एकमुश्त आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति करेंगे।

7. विस्थापितों का तेजी से होगा पुनर्वास : टीका लाल टपलू विस्थापित समाज पुनर्वास योजना शुरू की जाएगी। जिससे कश्मीरी पंडितों और पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों, वाल्मीकि, गोरखाओं सहित अन्य विस्थापित लोगों की सुरक्षित वापसी और पुनर्वास में तेजी आएगी। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि जम्मू संभाग के विस्थापित लोगों को वे सभी उचित लाभ, सुरक्षा व संरक्षण प्राप्त हों जो कश्मीरी विस्थापितों को मिलती हैं।

8. अर्थव्यवस्था को मजबूत करना : जम्मू क्षेत्र में सरकारी योजनाओं व शिल्प कार्यक्रमों की परिपूर्णता की निगरानी करने के लिए तीन क्षेत्रीय विकास बोर्ड की स्थापना की जाएगी। जम्मू शहर में विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के रूप में आईटी हब की स्थापना करेंगे। उधमपुर में फार्मास्यूटिकल पार्क और किश्तवाड़ में आयुष हर्बल पार्क की स्थापना करेंगे।

9. किसान सम्मान : पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 10,000 रुपए प्रदान करेंगे, जिसमें मौजूदा 6,000 रुपए के साथ अतिरिक्त 4,000 रुपए शामिल होंगे। कृषि गतिविधियों के लिए बिजली की दरों को 50 प्रतिशत तक कम करेंगे, जिससे किसानों के लिए सिंचाई पंप और अन्य मशीनरी संचालित करना और भी आसान होगा।

10. महिलाओं का सम्मान व सशक्तिकरण : मां सम्मान योजना के तहत हर घर की सबसे वरिष्ठ महिला को प्रति वर्ष 18000 रुपए दिए जाएंगे। उज्ज्वला लाभार्थियों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। महिला स्वयं सहायता समूह के बैंक ऋण पर ब्याज के विषय पर राज्य सरकार सहायता करेगी।

11. सबका साथ-सबका विकास : एडहॉक/संविदा/दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, एनएचएम कार्यकर्ताओं, रहबर-ए-खेल कर्मचारियों, सामुदायिक सूचना केंद्र संचालकों, होम गार्ड और राष्ट्रीय युवा कोर जैसे महत्वपूर्ण सामुदायिक कर्मियों की लक्षित शिकायतों के समाधान के लिए अतिरिक्त सहायता प्रदान करेंगे।

12. विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण : जम्मू-कश्मीर में निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए हर सुरंग तेज पहल योजना के अंतर्गत साधना पास सुरंग, कटरा-बनिहाल रेलवे सुरंग जैसी परियोजनाओं को पूरा करेंगे। 10,000 किलोमीटर नई ग्रामीण सड़कों के निर्माण के साथ यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी गांव पीछे न छूटे। शहरी संपर्क में सुधार और गतिशीलता बढ़ाने के लिए जम्मू और श्रीनगर में मेट्रो सेवाएं जल्दी शुरू करेंगे।

13. स्वस्थ जीवन, खुशहाल जम्मू-कश्मीर : सभी के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने हेतु आयुष्मान भारत सेहत योजना के पांच लाख के कवरेज के साथ दो लाख रुपए प्रदान करेंगे। मौजूदा और आगामी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के माध्यम से 1,000 नई सीटें जोड़ेंगे।

14. सुरक्षित जम्मू-कश्मीर : एक शांतिपूर्ण और समृद्ध जम्मू-कश्मीर का निर्माण करेंगे। आतंकवाद और अलगाववाद का पूर्णतः सफाया किया जाएगा। एक श्वेत पत्र प्रकाशित करेंगे और आतंकवाद के सभी पीड़ितों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे। कोर्ट में मामलों को फास्ट ट्रैक करेंगे। पीड़ितों को न्याय दिलाएंगे। राज्य में विधि का शासन सुनिश्चित करेंगे।

15. मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण को मिलेगी गति : जम्मू-कश्मीर में मौजूदा 7,000 एमएसएमई इकाइयों की मौजूदा समस्याओं के समाधान के लिए एक नई नीति तैयार की जाएगी। वर्तमान बाजारों और कमर्शियल स्थानों पर काम कर रहे छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लीज डीड के नियमितीकरण से संबंधित मुद्दों को समयबद्ध तरीके से निपटाया जाएगा। छोटी इकाइयों व मजदूरों की समस्याओं का निवारण करने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे।

16. वंचितों का सशक्तिकरण : सरकारी सेवाओं में अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के लिए पदोन्नति में आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। सभी कर्मचारियों को विशेषकर कश्मीर घाटी में कार्यरत अनुसूचित जाति व अन्य कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण नीति बनाई जाएगी।

चुनावी सियासत...

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के रूप में चौथा दल घोषणा पत्र लेकर चुनाव मैदान में कूदा है। फारूक अब्दुल्ला कह चुके हैं कि 100 साल तक अनुच्छेद 370 की बहाली संभव नहीं है। अब यह इतना आसान नहीं। इसके लिए संसद में आपके लोग चाहिए।उनके बयान के बाद भी उमर अब्दुल्ला द्वारा जारी किए गए घोषणापत्र में 370 की बहाली का वादा जोर-शोर से किया गया है। पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी अपने घोषणापत्र में 370 की बहाली के लिए लड़ाई लड़ने का वादा कर चुकी हैं। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने वीरवार को कहा कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग करने वाले किसी भी प्रस्ताव का समर्थन करेगी।अगर कोई पार्टी नई विधानसभा में ऐसा प्रस्ताव पेश नहीं करती, तो उनकी पार्टी इसकी पहल करेगी। हालांकि, विधानसभा में प्रस्ताव पारित करना सिर्फ एक नैतिक बात है, क्योंकि इससे विशेष दर्जा वापस नहीं मिलेगा। इसे केवल संसद में ही बहाल किया जा सकता है। अनुच्छेद 35ए की बहाली पर कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा बहाल किया जाता है, तो प्रावधान को आंशिक रूप से बहाल किया जा सकता है। हम हिमाचल प्रदेश की तरह यहां विधानसभा में इसके कुछ हिस्सों (अनुच्छेद 35ए) को पारित कर सकते हैं।लोन ने कहा कि अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए हम सभी को मिलकर आंदोलन करना होगा। सज्जाद गनी लोन ने कहा कि मेरा मानना है कि जैसे-जैसे भारतीय लोकतंत्र विकसित होगा, एक दिन आएगा जब हमारे पास अनुच्छेद 370 के बराबर एक संघीय समाधान होगा। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि 370 की बहाली अब केवल सियासी मुद्दे से ज्यादा कुछ नहीं रह गया है। सभी राजनीतिक पार्टियां अपना-अपना एजेंडा लेकर चुनाव में उतरी हैं। क्षेत्रीय पार्टियों को लगता है कि अगर वह अनुच्छेद 370 की बहाली की बात नहीं करेंगी तो कश्मीर का मुसलमान उन्हें वोट नहीं करेगा। ये पार्टियां लोगों की भावनाओं के साथ खेल रही हैं। उन्हें पता है कि वोट इसी कारण से मिलेगा। दूसरा 370 का मुद्दा केवल कश्मीर तक ही सीमित है। कश्मीर के बाहर की पार्टियां इस पर बात नहीं कर रहीं।विधि विशेषज्ञ कहते हैं कि अनुच्छेद 370 के केस में सुप्रीम कोर्ट अभी कानूनी पहलुओं पर चर्चा कर चुका है। इसको हटाने के सभी प्रावधानों को भी सही ठहरा चुका है। पार्टियां इसकी बहाली की बात जरूर कर रही हैं लेकिन राज्य के हाथ में अब कुछ नहीं है। इसकी बहाली के लिए संसद में आपके पास बहुमत होना जरूरी है। 370 की बात तो दूर राज्य का दर्जा भी राज्य सरकार बहाल नहीं कर सकती। उसका रास्ता भी संसद से ही निकलेगा। फारूक अब्दुल्ला का वह बयान याद करें दो उन्होंने 27 अगस्त को कही थी। फारूक अब्दुल्ला ने कहा था, अनुच्छेद 370 की बहाली 100 साल तक नहीं हो पाएगी। भले ही 100 साल लग जाएं मगर लोगों की इच्छा एक दिन पूरी होगी। भारत के लोगों को आजादी मिलने में 75 साल लग गए थे। बीते चार सितंबर को रामबन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, स्वायत्त दर्जे ने न केवल राज्य की पहचान छीन ली है, बल्कि इसने लोगों के अधिकारों और संसाधनों को भी नष्ट कर दिया है। भारत के इतिहास में पहली बार राज्य का दर्जा छीन लिया गया है। हम चाहते थे कि पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और फिर चुनाव हो। लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती है, उनका कहना है कि पहले चुनाव होंगे और फिर राज्य के मुद्दे पर चर्चा होगी।

जल संरक्षण ...

बल्कि यह एक प्रथा है। यह हमारी जिम्मेदारी भी है। जब भावी पीढ़ियां हमारा आकलन करेंगी तो हमारा जल के प्रति जो रवैया है, उसका भावी पीढ़ी सबसे पहले आकलन करेंगी। यह जीवन-मरण का सवाल है और यह मानवता के भविष्य का सवाल है। इसलिए हमने सतत विकास के लिए जिन नौ संकल्पों को सामने रखा है, उनमें जल संरक्षण पहला संकल्प है।प्रधानमंत्री ने कहा जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण हमारे लिए नए शब्द नहीं हैं। ये भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल को ईश्वर का रूप कहा गया है। नदियों को देवी माना गया और सरोवरों, कुंडों को देवालय का दर्जा मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैंने सरदार सरोवर बांध को पूरा करने की चुनौती ली थी और कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद गुजरात में जल संरक्षण पहल की शुरुआत की। शुरुआत में हमारे विरोधियों ने हम पर तंज कसे कि जो पाइप डाले जा रहे हैं, उनसे पानी की जगह हवा की सप्लाई होगी, लेकिन हमारी मेहनत का फल मिला और इसे अब पूरी दुनिया देख रही है।प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने पर्यावरण के लिए देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की है। जब पेड़ लगते हैं तो भूजल का स्तर बढ़ता है। बीते कुछ सप्ताह में मां के नाम पर देश में करोड़ों पेड़ लगाए जा चुके हैं। ऐसे कितने ही अभियान और संकल्प हैं, जो 140 करोड़ देशवासियों की भागीदारी से आज जनांदोलन बनते जा रहे हैं। हमारी सरकार पूरे समाज के लिए काम करने की सोच के साथ काम कर रही है। बीते 10 वर्षों में हमारी सभी प्रमुख योजनाओं को देखें तो हमने जल संबंधी मुद्दों पर कई वर्जनाओं को तोड़ा है।रिपोर्ट्स के अनुसार जल जीवन मिशन से 1.25 लाख से ज्यादा बच्चों की असमय मौत भी रोकी जा सकेगी। हम हर साल 4 लाख से ज्यादा लोगों को डायरिया जैसी बीमारियों से भी बचा पाएंगे। यानी बीमारियों पर लोगों का जो खर्च होता था, वो भी कम हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले देश के तीन करोड़ परिवारों को ही पाइपों के जरिए पानी की सप्लाई हो रही थी। आज देश में 15 करोड़ से ज्यादा परिवारों को यह सुविधा मिल रही है। जल जीवन मिशन के जरिए देश के 75 फीसदी परिवारों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पाइपों के जरिए घर-घर पानी पहुंचने से साढ़े पांच करोड़ घंटे बचेंगे और इस समय में हमारी बहन-बेटियां देश की अर्थव्यवस्था में सीधे योगदान देंगी।

अब चुनाव की...

इसके चलते 4 जून को नतीजों के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण 31 लाख करोड़ का नुकसान हुआ।एग्जिट पोल की शुरुआत 1980 में भारतीय मीडिया से हुई। इसी के बाद से भारतीय मीडिया चुनाव के बाद से सर्वे करने लगा। दूरदर्शन ने 1996 में एग्जिट पोल शुरू किया था। चुनाव में मतदान खत्म होने के बाद जब मतदाता अपना वोट डालकर निकल रहे होते हैं तब उनसे पूछा जाता है कि उन्होंने किसे वोट दिया। इस आधार पर किए गए सर्वेक्षण से जो व्यापक नतीजे निकाले जाते हैं उन्हें ही एग्जिट पोल कहते हैं।1998 में चुनाव आयोग ने ओपिनियन और एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले को रद्द कर दिया। उसके बाद 2009 लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर एग्जिट पोल पर प्रतिबंध की मांग उठी। बाद में कानून में संशोधन किया गया और संशोधित कानून के अनुसार चुनावी प्रक्रिया के दौरान जब तक अंतिम वोट नहीं पड़ जाता, एग्जिट पोल नहीं दिखाए जा सकते।

युद्ध के लिए...

रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक समय में जिस तरह से नई चुनौतियां उभरकर सामने आ रही हैं, उससे निपटने के लिए इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही भारत ने 17 बिलियन अमेरिकी डॉलर की रक्षा खरीद को मंजूरी दी है, जो भारत की सैन्य क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत है। रक्षा खरीद की मंजूरी में 10 प्रमुख प्रस्ताव शामिल हैं, जो देश के लड़ाकू वाहनों, विमानों, गश्ती जहाजों और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों के उन्नयन पर केंद्रित हैं। यह रक्षा खरीद भारत और चीन के बीच बढ़ते तनाव के समय हुई है।रक्षा खरीद के निर्णय में भारतीय सेना के लिए भविष्य के लिए तैयार लड़ाकू वाहनों (एफआरसीवी) की खरीद शामिल है। ये अगली पीढ़ी के युद्धक टैंक उन्नत गतिशीलता, बहुस्तरीय सुरक्षा और सटीक मारक क्षमता से लैस होंगे। टैंकों को सभी इलाकों में काम करने की क्षमता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे वे राजस्थान के रेगिस्तान से लेकर लद्दाख की बर्फीली ऊंचाइयों तक भारत के विविध और अक्सर चुनौतीपूर्ण भूगोल के लिए उपयुक्त बन जाते हैं। भारत अपने पुराने हो चुके रूसी मूल के टी-72 टैंकों को लगभग 1,700 उन्नत एफआरसीवी से बदलने की योजना बना रहा है। टी-72, दशकों से भारत की बख्तरबंद सेनाओं का मुख्य आधार रहे हैं। एफआरसीवी में परिवर्तन करके, भारतीय सेना भविष्य की लड़ाकू चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर रही है। इसके अलावा हवाई लक्ष्यों का पता लगाने और उन्हें ट्रैक करने के लिए डिजाइन किए गए वायु रक्षा अग्नि नियंत्रण रडार के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई है। यह भारत के उस क्षेत्र में अपनी हवाई रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के प्रयासों के हिस्से के रूप में आता है, जहां हवाई श्रेष्ठता पर तेजी से विवाद हो रहा है। ये रडार आने वाले हवाई खतरों की प्रारंभिक चेतावनी और वास्तविक समय पर ट्रैकिंग प्रदान करने में महत्वपूर्ण होंगेरडार सिस्टम के अलावा, डीएसी ने संघर्ष के दौरान मौके पर मरम्मत के लिए अग्रिम मरम्मत दलों को भी मंजूरी दी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्षतिग्रस्त उपकरणों को तेजी से परिचालन स्थिति में बहाल किया जा सके। यह आधुनिक सैन्य लॉजिस्टिक सप्लाई का एक प्रमुख तत्व है, क्योंकि विस्तारित संचालन के दौरान अग्रिम पंक्ति की इकाइयों की तत्परता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। डोर्नियर-228 विमान, तेज गश्ती जहाजों और अपतटीय गश्ती जहाजों की खरीद के साथ भारत की समुद्री सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण उन्नयन होगा। भारत के विशाल तटरेखा और समुद्री क्षेत्रों की रक्षा करने का काम करने वाले भारतीय तटरक्षक बल को इन अधिग्रहणों से लाभ होगा, जिन्हें इसकी निगरानी, गश्त और आपदा राहत क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।इन रक्षा खरीदों को मंजूरी इस दिशा में एक बड़ा कदम है, क्योंकि यह न केवल भारत की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करेगा बल्कि इसके रक्षा उद्योग को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और आयुध निर्माणी बोर्ड जैसी कंपनियों से इन नई प्रणालियों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। भारत की 17.2 बिलियन डॉलर की रक्षा खरीद देश के चल रहे सैन्य आधुनिकीकरण प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। घरेलू खरीद पर ध्यान केंद्रित करने और अत्याधुनिक तकनीक हासिल करने के जरिए, भारत आधुनिक युद्ध की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रहा है और साथ ही साथ विदेशी हथियार आपूर्तिकर्ताओं पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है। चूंकि चीन के साथ तनाव जारी है, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों और हिंद महासागर में, ये अधिग्रहण भारतीय सशस्त्र बलों को देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करेंगे।वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में लगातार उतार-चढ़ाव के साथ, भारत द्वारा अपनी रक्षा क्षमताओं में किया जा रहा निवेश इस क्षेत्र में अपनी मजबूत और सुरक्षित स्थिति बनाए रखने के उसके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। चूंकि देश पड़ोसी शक्तियों के साथ अपने जटिल संबंधों को आगे बढ़ा रहा है, इसलिए सैन्य आधुनिकीकरण का यह नया युग भारत के रणनीतिक भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा।

अब तिब्बत...

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि कैलाश दर्शन के लिए 15 सितंबर से शिव भक्तों का व्यास घाटी में स्वागत है। उन्होंने बताया कि अपने जीवन काल में कैलाश दर्शन करना है शिव भक्त की इच्छा रहती है, जो शिव भक्त तिब्बत नहीं जा सकते उन्हें अब भारत से ही कैलाश दर्शन हो जाएंगे, भारत सरकार ने इसकी अनुमति प्रदान कर दी है। उन्होंने बताया कि यहां दर्शन स्थल से नंदा देवी, नंदाकोट, पंचाचूली और पास में ही ॐ पर्वत और आदि कैलाश के भी दर्शन हो जाएंगे।

उन्हें आतंकवादी...

बुरहान वानी के मारे जाने के बाद साल 2016 घाटी 3 माह तक सुलगती रही थी और विरोध प्रदर्शन चलता रहा था। उस आंदोलन के दौरान अपने आजादी के नारे के लिए मशहूर सरजन बरकती ने अब चुनावी मैदान में कदम रखा है। उसने पहले जैनपोरा विधानसभा सीट से नामांकन कराया था, जो 28 अगस्त को खारिज हो गया।जैनपोरा से नामांकन खारिज होने के बाद बरकती ने गांदरबल से चुनाव लड़ने की घोषणा की है। जेल में रहते हुए ही उसके नामांकन से ये साफ हो गया है कि इस सीट पर इस्लामिक आतंकवादियों के कितने समर्थक हैं और आतंकवादियों से सहानुभूति कितने लोग रखते हैं, ये भी सामने आ जाएगा। वैसे, बरकती का चुनावी राजनीति में प्रवेश, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के लिए एक और सिरदर्द बन सकता है, खासकर जब वह उन लोगों का समर्थन पा सकता है, जो जो चरमपंथी विचारधाराओं के करीब हैं।उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के लिए इन चुनावों में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे कैसे अपने पारंपरिक वोट बैंक को बनाए रखें और साथ ही उन नए वोटरों को भी आकर्षित करें जो चरमपंथी विचारधाराओं या स्थानीय मुद्दों पर अधिक जोर दे रहे हैं।

अनुच्छेद 370 के हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर की राजनीति में काफी बदलाव आया है, और इस बदलाव का सीधा असर इन चुनावों पर पड़ेगा।राजनीतिक मामलों के जानकार बिलाल बशीर ने कहा कि गांदरबल विधानसभा क्षेत्र मे कुल 1.30 लाख मतदाताओं में 90 प्रतिशत ग्रामीण है। इस इलाके में गुज्जर-बक्करवाल समुदाय भी हैं। शेख अब्दुल्ला और उसके बाद फारूक से जुड़े रहे उम्रदराज मतदाताओं का अभी भी पार्टी से जुड़ाव हो सकता है पर युवाओं की सोच अलग है। वे अन्य दलों में भी रुचि लेते हैं।

पांच अगस्त 2019 के बाद स्थिति काफी बदल चुकी है।सुरक्षा स्थिति भी एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है। क्षेत्र में बढ़ती अशांति और हिंसा ने लोगों के बीच निराशा पैदा की है, जिससे अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवारों के लिए अपने पारंपरिक वोट बैंक को बनाए रखना और भी कठिन हो गया है। इसके अलावा, चुनावी मैदान में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और स्थानीय मुद्दों पर जनता की नाराजगी ने इन दोनों नेताओं के लिए चुनावी संघर्ष को और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इस चुनाव में जीत या हार का सीधा असर जम्मू-कश्मीर की राजनीति पर पड़ेगा, और यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार की चुनावी जंग में किसका पलड़ा भारी रहेगा। क्या अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार अपने पारंपरिक गढ़ों को बचा पाएंगे, या फिर नए राजनीतिक चेहरे और विचारधाराएं इन किलों को ध्वस्त कर देंगी? यह चुनाव न केवल राज्य की जनता के विचारों का लिटमस टेस्ट होगा, बल्कि जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक नया अध्याय भी जोड़ सकता है।

आज घर-घर विराजेंगे गणपति

ब्रह्म योग, इंद्र योग और सर्वार्थ सिद्धि योग में मनाई जाएगी गणेश चतुर्थी

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी के त्योहार का खास महत्व है। विनायक को समृद्धि और बुद्धि का देवता माना जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार भाद्रपद माह की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। भगवान गणेश को प्रथम देव माना जाता है। किसी भी शुभ काम को शुरू करने से पहले लंबोदर की पूजा की जाती है। इस साल 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल गणेश चतुर्थी 7 सितंबर को मनाया जाएगा और बप्पा के भक्त गणपति की प्रतिमा को घर में लाकर उनकी भक्ति भाव से पूजा करेंगे। इस साल गणेश चतुर्थी का उत्सव 7 सितंबर से शुरू होगा, जबकि गणेश विसर्जन 17 सितंबर, 2024 के दिन किया जाएगा। इस दिन ब्रह्म योग का निर्माण हो रहा है और चित्रा नक्षत्र के साथ गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाएगा। हिन्दू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल की चतुर्थी से देशभर में गणेश चतुर्थी पर्व का शुभारंभ हो जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से 10 दिनों तक चलता है। इस दौरान भक्त बप्पा को अपने घर लाते हैं और अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा को विदा कर देते हैं। ग्रह गोचर और त्योहारों पर कई शुभ योग बनते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

ज्योतिषाचार्य के अनुसार हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व मनाया जाता है। गणेश महोत्सव का पर्व चतुर्थी तिथि से प्रारंभ होकर अगले 10 दिनों तक चलता है। वहीं अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान गणेश को विदा किया जाता है। इस बार उदया तिथि के आधार पर 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी का व्रत रखा जाने वाला है। माना जाता है कि गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा को नहीं देखना चाहिए। इससे श्राप लगता है। वहीं गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना शुभ मुहूर्त में ही करनी चाहिए।

गणेश चतुर्थी तिथि

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी के पर्व का विशेष महत्व होता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का आरंभ 6 सितंबर की दोपहर को 03:01 मिनट पर होगा और इस तिथि का समापन अगले दिन 7 सितंबर की शाम 05:37 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, गणेश चतुर्थी का शुभारंभ शनिवार 7 सितंबर से होगा। इसी दिन गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना होगी और व्रत रखा जाएगा और 10 दिनों तक चलने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 7 सितंबर को रहेगी।

शुभ योग – हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल गणेश चतुर्थी पर बहुत से शुभ योग भी बन रहे हैं। इस दिन चित्रा नक्षत्र, स्वाति नक्षत्र, ब्रह्म योग, इंद्र योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण होगा। इस दिन चित्रा नक्षत्र दोपहर 12:34 मिनट तक रहेगा। इसके बाद स्वाति नक्षत्र लगेगा। इसके साथ ही इस दिन ब्रह्म योग, इंद्र योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग भी रहेंगे। सर्वार्थ सिद्धि योग दोपहर 12:34 मिनट से 8 अगस्त की सुबह 6:15 मिनट तक रहेगा।.

शुभ मुहूर्त – 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी की पूजा और मूर्ति स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 11:03 मिनट से लेकर दोपहर के 01:34 मिनट तक रहेगा। इस प्रकार 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी की पूजा और मूर्ति स्थापना का शुभ मुहूर्त 2 घंटे 31 मिनट तक रहेगा। इस दौरान भक्तजन गणपति बप्पा की पूजा अर्चना कर सकते हैं।

गणेश विसर्जन तिथि – शास्त्रों के अनुसार गणेश चतुर्थी पर्व का समापन अनंत चतुर्दशी के दिन किया जाता है। साथ ही इसी दिन बप्पा को श्रद्धापूर्वक विदा किया जाता है। पंचांग के अनुसार गणेश विसर्जन 17 सितंबर 2024 को किया जाएगा।

महत्व – हिंदू धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में सबसे पहले गणेशी जी वंदना और पूजा की जाती है। भगवान गणेश बुद्धि, सुख-समृद्धि और विवेक का दाता माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश जी का जन्म भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि, स्वाति नक्षत्र और सिंह लग्न में दोपहर के प्रहर में हुआ था। ऐसे में गणेश चतुर्थी के दिन पर अगर आप घर पर भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना करने जा रहे है तो दोपहर के शुभ मुहूर्त में करना होता है। गणेश चतुर्थी तिथि लेकर अनंत चतुर्दशी तक यानी लगातार 10 दिनों तक विधि-विधान के साथ गणेश जी की पूजा उपासना किया जाता है। गणेश जी की पूजा करने से जीवन में आने वाली सभी तरह की बाधाएं और संकट दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

पूजा विधि–गणेश चतुर्थी तिथि पर शुभ मुहूर्त को ध्यान मे रखकर सबसे पहले अपने घर के उत्तर भाग, पूर्व भाग, अथवा पूर्वोत्तर भाग में गणेश जी की प्रतिमा रखें। फिर पूजन सामग्री लेकर शुद्ध आसन पर बैठें। पूजा सामग्री में दूर्वा, शमी पत्र,लड्डू, हल्दी, पुष्प और अक्षत से ही पूजन करके गणेश जी को प्रसन्न किया जा सकता है। गणेश जी की आराधना केवल दूर्वा से भी की जा सकती है। सर्वप्रथम गणेश जी को चौकी पर विराजमान करें और नवग्रह, षोडश मातृका आदि बनाएं। चौकी के पूर्व भाग में कलश रखें और दक्षिण पूर्व में दीया जलाएं। अपने ऊपर जल छिड़कते हुए ॐ पुंडरीकाक्षाय नमः कहते हुए भगवान विष्णु को प्रणाम करें और तीन बार आचमन करें तथा माथे पर तिलक लगाएं। यदि आपको कोई भी मंत्र नहीं आता तो 'ॐ गं गणपतये नमः। इसी मंत्र से सारी पूजा संपन्न कर सकते हैं। हाथ में गंध अक्षत और पुष्प लें और दिए गए मंत्र को पढ़कर गणेश जी का ध्यान करें। इसी मंत्र से उन्हें आवाहन और आसन भी प्रदान करें। पूजा के आरंभ से लेकर अंततक अपने जिह्वा पर हमेशा ॐ श्रीगणेशाय नमः। ॐ गं गणपतये नमः। मंत्र का जाप अनवरत करते रहें। आसन के बाद गणेश जी को स्नान कराएं। पंचामृत हो तो और भी अच्छा रहेगा और नहीं हो तो शुद्ध जल से स्नान कराएं। उसके बाद वस्त्र, जनेऊ, चंदन, अक्षत, धूप, दीप, नैवेद्य, फल आदि जो भी संभव यथाशक्ति उपलब्ध हो उसे चढ़ाएं। पूजा के पश्चात इन्हीं मंत्रों से गणेश जी की आरती करें। पुनः पुष्पांजलि हेतु गंध अक्षत पुष्प से इन मंत्रों ॐ एकदन्ताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दन्ती प्रचोदयात्। से पुष्पांजलि अर्पित करें, तत्पश्चात गणेश जी की तीन बार प्रदक्षिणा करें।

आखिर गणेश जी ने चूहे को अपना वाहन क्यों चुना, क्या आप जानते हैं?

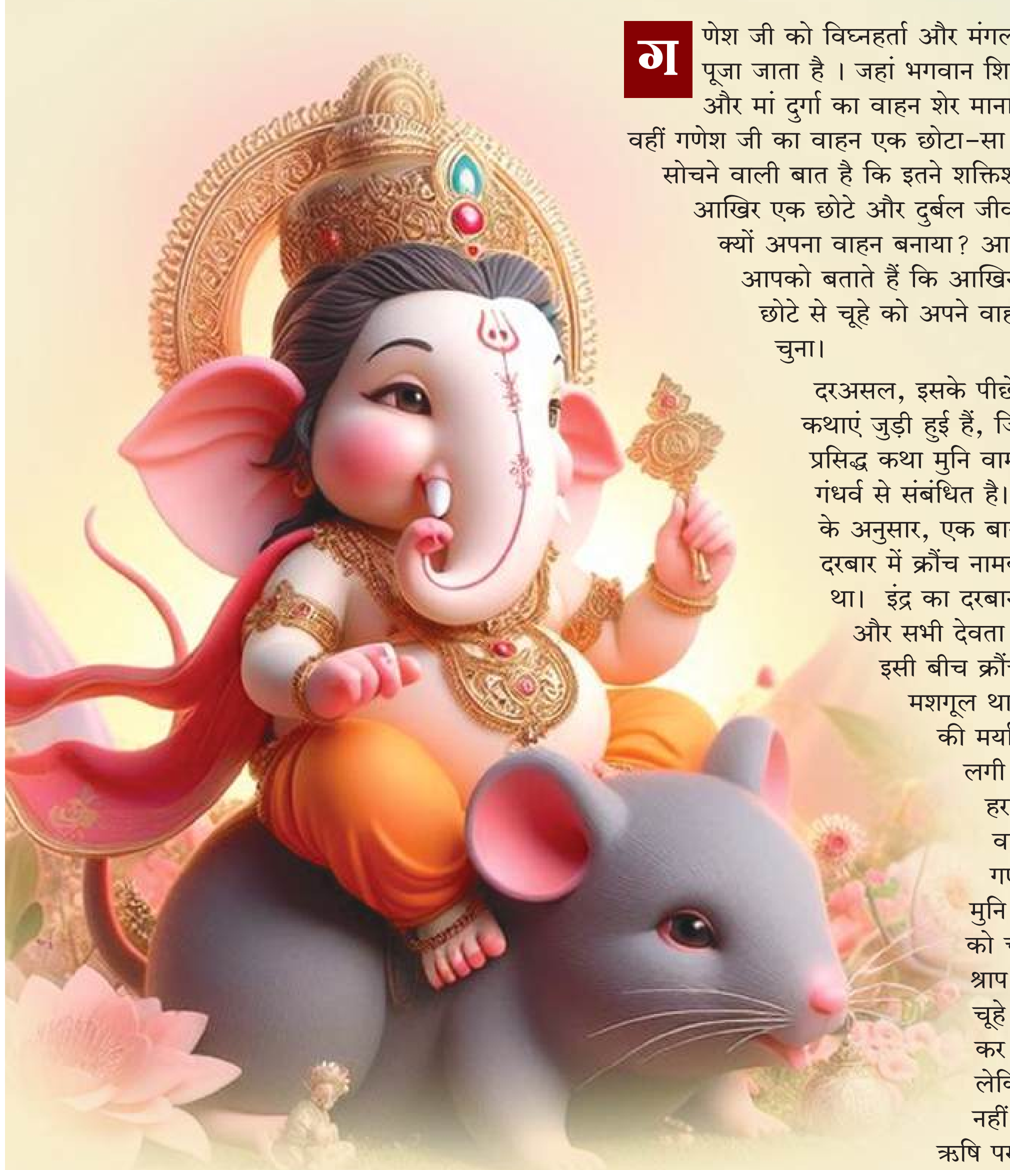

गणेश जी को विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजा जाता है । जहां भगवान शिव का वाहन नंदी और मां दुर्गा का वाहन शेर माना जाता है, तो वहीं गणेश जी का वाहन एक छोटा-सा चूहा है। यह सोचने वाली बात है कि इतने शक्तिशाली देवता ने आखिर एक छोटे और दुर्बल जीव, चूहे को ही क्यों अपना वाहन बनाया? आइए आज हम आपको बताते हैं कि आखिर गणेश जी ने एक छोटे से चूहे को अपने वाहन के रूप में क्यों चुना।

दरअसल, इसके पीछे कई पौराणिक कथाएं जुड़ी हुई हैं, जिनमें से एक प्रसिद्ध कथा मुनि वामदेव और क्रौंच गंधर्व से संबंधित है। पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार इंद्र देव के दरबार में क्रौंच नामक गंधर्व मौजूद था। इंद्र का दरबार चल रहा था और सभी देवता वहां एकत्रित थे। इसी बीच क्रौंच हंसी-मजाक में मशगूल था, जिससे दरबार की मर्यादा भंग होने लगी। उसकी इस हरकत से मुनि वामदेव नाराज हो गए। क्रोधित होकर मुनि वामदेव ने क्रौंच को चूहा बनने का श्राप दे दिया। क्रौंच, चूहे का रूप धारण कर पृथ्वी पर आया, लेकिन उसका स्वभाव नहीं बदला। उसने ऋषि पराशर के आश्रम में बहुत उत्पात मचाया और सबके लिए परेशानी का कारण बन गया।

ऋषि पराशर और अन्य ऋषियों ने इस उत्पात से परेशान होकर गणेश जी से मदद की गुहार लगाई। भगवान गणेश ने अपनी दिव्य शक्ति से चूहे को पाश में बांध दिया। जब चूहा गणेश जी के सामने आया, तो उसने अपनी गलती के लिए क्षमायाचना की और गणेश जी से दया की प्रार्थना की। गणेश जी ने उसकी विनती सुनकर उसे क्षमा कर दिया और उसे अपना वाहन बना लिया। यह कहानी यह दर्शाती है कि गणेश जी के भीतर दया और करुणा का भाव है और वे दुर्बल और कमजोरों पर भी अपनी कृपा बरसाते हैं।

गणेश जी द्वारा एक छोटे और दुर्बल चूहे को वाहन बनाना यह दर्शाता है कि वे हर प्राणी को महत्वपूर्ण मानते हैं, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो। यह कथा हमें सिखाती है कि हमें किसी को भी तुच्छ नहीं समझना चाहिए। हर व्यक्ति या प्राणी के पास अपनी अलग उपयोगिता और क्षमता होती है। गणेश जी का चूहे को वाहन बनाना इस बात का प्रतीक है कि संसार में सबका अपना महत्व है और हमें किसी को भी छोटा या कमजोर नहीं समझना चाहिए।

इस कथा से हमें यह भी सीख मिलती है कि किसी के जीवन में कठिनाइयां आने पर उसकी सहायता करके उसे सही मार्ग दिखाना ही सच्चा धर्म है। गणेश जी का यह गुण हमें भी सिखाता है कि हमें दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए, चाहे वह कोई भी हो।

इन दिनों अपने ससुराल हैम्बर्ग में समय बिता रही हैं श्रीजिता डे

अभिनेत्री श्रीजिता डे इन दिनों अपने ससुराल हैम्बर्ग में समय बिता रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी इस यात्रा की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की है।उतरन फेम दिवा के इंस्टाग्राम पर 1.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने अपने अकाउंट पर अपना हॉलिडे एल्बम शेयर किया है।फोटो में वह स्लीवलेस थाई-हाई स्लिट ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जिसके साथ उन्होंने जूते और सनग्लासेस पहने हुए हैं।तस्वीरों में खूबसूरत झील की झलक भी देखी जा सकती है। श्रीजिता ने ग्रामीण इलाकों की भी झलक दिखाई। एक तस्वीर में हम उन्हें हैम्बर्ग की सड़कों पर घूमते हुए बॉस लेडी वाइब्स के साथ देख सकते हैं।उनके पति माइकल ब्लोहम-पेप ने पोस्ट पर लिखा, समय बहुत तेजी से बीत गया.. क्या हम वापस जा सकते हैं बेबी श्रीजिता ने 1 जुलाई, 2023 को जर्मनी के एक चर्च में अपने लॉन्ग-टर्म बॉयफ्रेंड माइकल से शादी की।उनके करियर के बारे में बात करें तो उन्होंने 2007 में टीवी शो कसौटी जिंदगी की से गार्गी तुषार बजाज की भूमिका निभाकर अपनी शुरुआत की।

एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित इस शो में श्वेता तिवारी और सेज़ेन खान मुख्य भूमिका में थे।इसके बाद वह लेडीज स्पेशल, मिले जब हम तुम, तुम ही हो बंधु सखा तुम्ही, पिया रंगरेज, कोई लौट के आया है, नजर, लाल इश्क और ये जादू है जिन का! जैसे शो में नजर आ चुकी हैं।श्रीजिता ने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी हिस्सा लिया था।वह वर्तमान में शैतानी रस्में में अभिनय कर रही हैं। इसमें नकियाह हाजी, विभव रॉय और शेफाली जरीवाला शामिल हैं।यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है। श्रीजिता लव का द एंड, मॉनसून शूटआउट और रेस्क्यू जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रही हैं।

मोनालिसा ने क्रॉप टॉप पहन शेयर किया बेहद क्यूट लुक

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है।हाल ही में उन्होंने अपने बेडरूम फोटोशूट की बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका लेटेस्ट लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।येलो कलर और रेड कलर का शॉर्ट्स साथ ही येलो टी-शर्ट पहनकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने बेहद ही क्लासी फोटोशूट करवाया है।नो मेकअप लुक और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।इन तस्वीरों में उनका क्यूट लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थक रहे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक क्यूट पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

विक्रांत मैसी की सेक्टर 36 का खतरनाक ट्रेलर रिलीज, खूंखार अंदाज में नजर आए अभिनेता

विक्रांत मैसी की अपकमिंग धमाकेदार सीरीज सेक्टर 36 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है। सेक्टर 36 का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है, जिसे देख आपकी रूह कांप उठेगी। कई बच्चों के लापता होने की कहानी से लेकर पुलिस को चकमा देने वाले किडनैपर विक्रांत मैसी के साथ दीपक डोबरियाल भी नजर आएंगी। लापता हो रहे बच्चों की सच्चाई के बारे में पता लगने वाले एक पुलिस अधिकारी के सामने रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है, जिसके बाद उसके होश उड़ जाते हैं।विक्रांत मैसी की सेक्टर 36 का ट्रेलर सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शेयर किया है। ट्रेलर में विक्रांत और दीपक गैंगस्टर लुक में धमाका करते दिखाई दे रहे हैं।

विक्रांत मैसी स्टारर सेक्टर 36 शुरुआत से ही चर्चा में रही है। मेलबर्न के मशहूर इंडियन फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म ने धूम मचा दी थी और अब ओटीटी पर धूम मचाने वाली है। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस क्राइम ड्रामा में विक्रांत और दीपक डोबरिया की टॉम एंड जेरी की दौड़ वाकई दिलचस्प लग रही है।12वीं फेल विक्रांत मैसी एक बार फिर से ओटीटी पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। सेक्टर 36 में एक पुलिस अधिकारी झुग्गी बस्तियों से बच्चों के गायब होने के मामले की जांच करता है। इस दौरान उसका सामना खतरनाक सीरियल किलर से होता है जो बच्चों को किडनैप करता है।

पोस्टर के बाद इसका नया वीडियो भी अब चर्चा में बना हुआ है। विक्रांत मैसी की फिल्म सेक्टर 36 अपनी रिलीज से पहले ही सुर्खियां बटोर रही है।अभिनेता विक्रांत मैसी आज इंडस्ट्री के जाने-पहचाने नाम हैं जो 12वीं फेल के बाद दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित, सेक्टर 36 में नजर आने वाले हैं। आदित्य निंबालकर की बतौर निर्देशक पहली सीरीज है और जिसमें अपराध और सामाजिक असमानता को बहुत अच्छे से पेश किया गया है। सेक्टर 36 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

आलिया भट्ट की जिगरा के दो धांसू पोस्टर हुए जारी

हाथ में छेनी-हथौड़ा-औजार लिए नजर आई अभिनेत्री

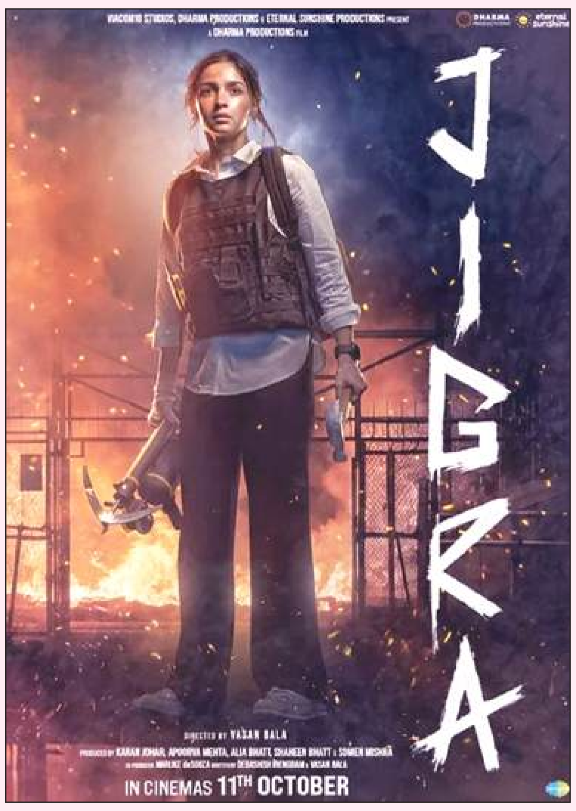

इन दिनों आलिया भट्ट अपनी आगामी कई फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं, जहां एक ओर आलिया वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा की शूटिंग कर रही हैं, तो वहीं इसी बीच अब आलिया फिल्म जिगरा को लेकर फिर से चर्चा का विषय बन गई हैं। फिल्म जिगरा का आज एक के बाद अब दूसरा नया पोस्टर सामने आ चुका है। जहां पहले पोस्टर में वेदांग नजर आए, वहीं दूसरे पोस्टर में आलिया भट्ट खतरनाक अंदाज में दिखाई दे रही हैं। साथ ही दोनों के पोस्टर के साथ लिखी लाइन ने सभी का ध्यान अपनी ओर आर्किषत किया है। 11 अक्तूबर को रिलीज हो रही फिल्म जिगरा में आलिया भट्ट के अलावा वेदांग रैना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म में आलिया अभिनेता वेदांग की बड़ी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। वासन बाला ने फिल्म का निर्देशन किया है, जबकि फिल्म का निर्माण करण जौहर के प्रोडक्शन तले किया जा रहा है। आलिया भट्ट के अलावा फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ने भी फिल्म जिगरा का नया पोस्टर अपनी सोशल मीडिया साइट पर जारी किया है। आज कुछ ही देर में जिगरा के एक के बाद दूसरा पोस्टर जारी किया गया। जहां पहले पोस्टर की बात करें तो इस पहले जिगरा के पोस्टर पर वेदांग रैना नजर आए। वहीं साथ में एक और शख्स दिखाई दे रहा है। पोस्टर पर उनकी पीठ दिखाई दे रही है सिर्फ, साफतौर पर उन्हें देखा नहीं जा सकता है, लेकिन अब जब जिगरा का दूसरा पोस्टर भी जारी किया गया, तो इस शख्स का चेहरा सामने आ चुका है। यह कोई और नहीं बल्कि आलिया भट्ट हैं।आज के दिन जिगरा के दूसरे पोस्टर में दिखाई दीं आलियाजिगरा के दूसरे पोस्टर में आलिया भट्ट बेहद ही खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं। आलिया ने अपने एक्स अकाउंट पर जिगरा का पोस्टर जारी किया, जिसमें वह हाथ में छेनी, हथौड़ा और कई औजार लिए नजर आ रही हैं। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, कहानी बहुत लंबी है और भाई के पास वक्त बहुत बहुत कम। जाहिर सी बात है कि आलिया यहां वेदांग की बात कर रही हैं, क्योंकि फिल्म में वेदांग, आलिया के भाई के किरदार में नजर आएंगे।आज के दिन जिगरा के बैक टू बैक दो पोस्टर जारी किए गए, जिसमें पहले नए पोस्टर में वेदांग का लुक और दूसरे पोस्टर में आलिया का बेहद ही खतरनाक अंदाज देखकर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों सहित सेलेब्स के कमेंट की बाढ़ आ गई। फिल्म मेकर करण जौहर ने लिखा, लेट्स गो, एक यूजर ने लिखा, क्या धांसू पोस्टर है, इस तरह से ही लोगों के बीच में उत्सुकता पैदा होती है, एक और यूजर ने लिखा, क्या ये जेल ब्रेक स्टोरी है, एक और यूजर ने लिखा, बहुत ज्यादा उत्साहित हूं 11 अक्तूबर को लेकर। हालांकि, प्रशंसकों को फिल्म जिगरा के दोनों पोस्टर पसंद आए।आज जिगरा से वेदांग रैना का लुक जारी किया है, जबकि सबसे पहला जिगरा के पोस्टर में आलिया भट्ट नजर आई थीं। आलिया का यह पोस्टर 13 जून को जारी किया गया था। इस पोस्टर में आलिया भट्ट रफ-टफ लुक में बैकपैक टांगे नजर आई थीं।

श्री सिम्हा कोडुरी की फिल्म मथु वडालारा 2 की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा

मथु वडालारा, जिसे रिलीज होने पर सर्वसम्मति से प्रशंसा मिली, एक सनसनीखेज हिट बन गई। अब, वही क्रिएटिव टीम एक सीक्वल, मथु वडालारा 2 के साथ वापस आ गई है। श्री सिम्हा कोडुरी मुख्य भूमिका में अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगे, जबकि सत्या उनके दोस्त की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन रितेश राणा कर रहे हैं। चिरंजीवी (चेरी) और हेमलता पेदामल्लू क्लैप एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्माण कर रहे हैं, जबकि प्रतिष्ठित बैनर माइथ्री मूवी मेकर्स इसे प्रस्तुत कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल की घोषणा आज, श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर की गई। निर्माताओं ने दो पोस्टर के माध्यम से सनकी दुनिया को पेश किया।फर्स्ट-लुक पोस्टर में श्री सिम्हा और सत्या गतिशील पोज़ में अपने विरोधियों पर बंदूकें चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं निर्माताओं ने एक और पोस्टर भी जारी किया है जो सीक्वल में शामिल किए गए अपराध तत्वों की ओर इशारा करता है।

भाग 1 की घटनाओं के बाद, डिलीवरी एजेंट बाबू (श्री सिम्हा) और येसु (सत्य) वापस आ गए हैं, लेकिन इस बार, वे विशेष एजेंट हैं। ये विशेष एजेंट विशेष कार्य, बड़ी गलतियाँ, अधिक ट्विस्ट और ढेर सारी मस्ती का वादा करते हैं।फारिया अब्दुल्ला सीक्वल की विचित्र दुनिया में शामिल हो गई हैं, जिसमें सुनील, वेनेला किशोर, अजय, रोहिणी, राजा चेम्बोलू, झांसी, श्रीनिवास रेड्डी और गुंडू सुदर्शन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। प्रत्येक किरदार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है, जो इन प्रसिद्ध अभिनेताओं के शामिल होने से मनोरंजन के उच्च स्तर का वादा करता है। काला भैरव फिल्म के लिए संगीत प्रदान करते हैं, जबकि सुरेश सारंगम छायांकन संभालते हैं। कार्तिका श्रीनिवास आर संपादक हैं।निर्माताओं ने 13 सितंबर को मथु वडालारा 2 को रिलीज़ करने की घोषणा की है।

वरुण धवन-सामंथा रुथ प्रभु की सिटाडेल हनी बनी को मिली रिलीज तारीख

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु स्टारर मोस्ट अवेटेड प्राइम वीडियो सीरीज सिटाडेल हनी बनी की रिलीज डेट का एलान हो गया है। इसी के साथ सीरीज से एक वरुण और सामंथा का एक धांसू पोस्टर शेयर कर टीजर भी जारी किया गया है। टीजर में वरुण और सामंथा को गोलियां बरसाने के साथ-साथ फुल ऑफ एक्शन मोड में देखा जा रहा है।सिटाडेल: हनी बनी के टीजर में सीरीज की स्टारकास्ट के चेहरे भी सामने आ चुके हैं। इसमें केके मेनन, सिंकदर खेर, फिल्म कबीर सिंह में शाहिद कपूर के दोस्त बने सोहम कपूर, एस्पिरेंट सीरीज के शिवाकिंत सिंह परिहार, साकिब सलीम, काश्वी मजूमदार और सिमरन ऋषि बग्गा अहम रोल में दिख रहे हैं । साथ ही वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के अलग-अलग अवतार देखने को मिल रहे हैं। टीजर में वरुण-सामंथा के बीच रोमांस भी देखा जा रहा है।हाल ही में सिटाडेल: हनी बनी के मेकर्स ने 1।08 तारीख को शेयर किया था और दर्शकों को बेचैनी में छोड़ा था। वहीं, बाद में बताया गया है कि सिटाडेल: हनी बनी की रिलीज डेट का इस दिन एलान किया जाएगा। बता दें, सिटाडेल: हनी बनी आगामी 7 नवंबर 2024 को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने जा रही है।रूसो ब्रदर्स सिटाडेल: हनी बनी को बनाया है। सिटाडेल: हनी बनी रूसो ब्रदर्स के विदेशी प्रोजेक्ट सिटाडेल का इंडियन वर्जन है। सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा ने अहम रोल प्ले किया था। सिटाडेल: हनी बनी के डायरेक्टर राज एंड डीके हैं, जो इससे पहले फैमिली मैन बना चुके हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है। आज आप गुस्से में परिवार के किसी सदस्य को भला-बुरा कह सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। मुहब्बत के मोर्चे पर आज आपकी तूती बोलेगी, क्योंकि आपका महबूब आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए तैयार है। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं। किसी पेड़ मे जल डालना आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अच्छी चीज़ों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग़ खुला रहेगा। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं। दोस्तों के साथ समय बिताकर आज के दिन आप बेहतरीन चीज़ में समय निवेश कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफ़े की उम्मीद कर सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 07 सितंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 05:39 तक
नक्षत्र : चित्रा दोपहर 12:34 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 11:15 तक
करण : विष्टि सायं 05:39 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:26 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री गणेश चतुर्थी चन्द्र दर्शन निषेध , चन्द्र अस्त रात्रि 09:18 , भद्रा सायं 05:38 तक

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चम्पू लीडर पैदा करती है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : नकवी

सूरजकुंड (हरियाणा) 06 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख़्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) चौकस लीडर नहीं, चंम्पू रीडर पैदा करती है।

श्री नकवी ने कहा कि तकनीकी का इस्तेमाल ज़रूरी है पर मजबूरी नहीं। कौशल बुद्धि ताक़त को कृत्रिम बुद्धि तकनीक का बंधक नहीं बनने देता है। तकनीकी कौशल को तार्किक काबिलियत पर हावी नहीं होना चाहिए। श्री नकवी ने आज यहां आयोजित एशियन ब्रांड एंड लीडरशिप कॉन्क्लेव 2024 को संबोधित करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में व्यापारिक घराने, सरकारी सिस्टम, मीडिया, राजनीतिक दल, फिल्म उद्योग, शैक्षणिक संस्थान, कृषि क्षेत्र अपनी मेधा-क़ाबिलियत की जगह आर्टिफिशियल कौशल की अंधी भगदड़ में भागते दिख रहे हैं।

श्री नकवी ने कहा कि नेतृत्व संघर्ष की भट्टी में तप कर और समस्याओं की कसौटी में कस कर निकलता है, हमारा देश महात्मा गांधी, डॉक्टर अंबेडकर, दीनदयाल उपाध्याय, डॉक्टर लोहिया, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार पटेल, डॉक्टर कलाम, जय प्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेई जैसे संघर्ष, संकट की कोख से पैदा हुए सैकड़ों नेतृत्व का साक्षी है जिन्होंने देश का नेतृत्व भी किया और नए नेतृत्व की पौध भी लगाई। उनकी काबिलियत का झंडा महलों के मीनारों से नहीं मुसीबतों की मुंडेरों-मुहानों से लहराया। उन्होंने कहा कि भारत लोकतंत्र की शक्तिपीठ और क़ाबिलियत-कौशल कुबेरों की कर्मभूमि है, जिसने सामंती सुरूर और गुरूर को चकनाचूर कर लोकतंत्र को देश की ताक़त और आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर बनाई।

श्री नकवी ने कहा कि दुनिया के उथल-पुथल के बीच भारत या दुनिया के किसी लोकतंत्र के लिए स्टेबल सरकार और कैपेबिल नेतृत्व वक्त की ज़रूरत है, जो दुनिया के संकट-कंटक को पछाड़कर देश के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक सशक्तिकरण के साथ-साथ दुनिया की शान्ति, सुरक्षा के सार्थक समाधान का सारथी बन सके। श्री नकवी ने कहा कि किसी भी

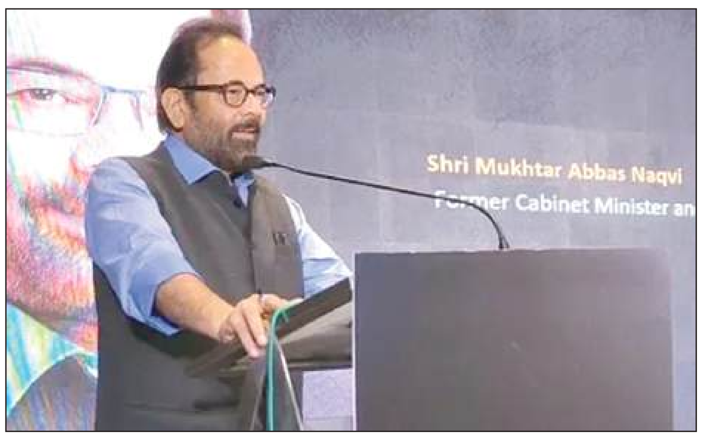

लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे चिंताजनक स्थिति तब होती है जब नेतृत्व गाँव के चौपालों और मोहल्लों के चौराहों, आत्मविश्वास के अखाड़ों के बजाय महलों की चारदीवारी से पैदा होने लगते हैं। सफल, स्वीकार्य लीडरशिप सामंती निवेश से नहीं, संघर्षपूर्ण परिवेश से पैदा होते हैं। श्री नकवी ने कहा कि मुझे खुशी है कि भारत सहित दुनिया के कई लोकतान्त्रिक देशों में समस्याओं और संघर्ष के बीच कई प्रभावशाली नेतृत्व उभर रहे हैं, कुछ दिन पहले मैंने अमेरिका की एक 34 वर्षीय डेमोक्रेटिक महिला सांसद ओकेसिओ कार्टेज के बारे में पढ़ा, जिनका छोटा सा राजनीतिक सफ़र बड़ी समस्याओ, संकटों, संघर्षों की मिसाल है, छोटी सी नौकरी पेशा पिता की कैंसर से मौत, माता का जीविकोपार्जन के लिए लोगों के घरों में साफ-सफाई का काम, स्कूल लोन से पढ़ाई और जीविका के लिए वेट्रेस का काम करने वाली चुनौतीपूर्ण ज़िन्दगी वाली अमेरिकन सांसद कार्टेज संघर्ष को संकल्प और संकल्प को सफलता में बदलने की जीती जागती मिसाल हैं। श्री नकवी ने कहा कि नेता समर्थकों की गिनती से नहीं नेतृत्व गढ़ने के गुण से पहचाना जाता है, दुनियाभर के लोकतंत्र का इतिहास गवाह है कि जिन देशों में नेतृत्व की नई प्रामाणिक पौध लगना बन्द हो गई, वहां के लोकतंत्र की ज़मीन बंजर होने लगी। प्रजातंत्र की जमीन उपजाऊ बनाने के लिए लोकतंत्र की जुताई, निराई, गुड़ाई वाली मेहनतकश फौज़ तैयार करनी होगी, यह काम किसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धि) के टशन से नहीं बल्कि क़ाबिल नेतृत्व निर्माण के मिशन से होगा। 'लोकतंत्र की शक्तिपीठ' भारत को हमें प्रजातंत्र प्रहरियों के प्रभावी प्रकल्प का शक्ति केंद्र भी बनाना होगा।

इस अवसर पर आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र के प्रमुख लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस मौके पर जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता के सी त्यागी, प्रसिद्द एक्टर-निर्माता कबीर बेदी, ब्रिक्स सीसीआई के वाईस-चेयरमैन समीप शास्त्री, भाजपा महाराष्ट्र के प्रवक्ता सागर पांडे, दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रवक्ता विनीत गोयनका, दी ब्रांड स्टोरी के डॉ. अभय कौशिक एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख लोग भी मौजूद थे।

राजनीतिक दलों को चुनाव घोषणा पत्र की प्रतियां जमा करवाना अनिवार्य

चंडीगढ़, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग के दिशानुसार राजनीतिक दलों व चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को अपने चुनाव घोषणा पत्र की हिंदी व अंग्रेजी की तीन-तीन प्रतियां, घोषणा पत्र जारी करने की तिथि के तीन दिनों के अंदर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में जमा करवानी होंगी। यह जानकारी हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने आज यहां जारी बयान में दी।

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि चुनाव आयोग द्वारा जारी आदर्श चुनाव आचार संहिता के सभी पहलुओं का गहनता से अध्ययन करें और चुनाव के दौरान इसकी पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करें ।आदर्श चुनाव आचार संहिता के पैरा-8 के उप क्रमांक तीन के अनुसार चुनाव घोषणा पत्र में

पारदर्शिता, समान अवसर और वादों की विश्वसनीयता के हित में, यह अपेक्षा की जाती है कि घोषणापत्र वादों के औचित्य को भी प्रतिबिंबित करे और मुख्य रूप से इसके लिए वित्तीय आवश्यकता को पूरा करने के तरीकों और साधनों को रेखांकित करे तथा मतदाताओं का विश्वास केवल उन वादों पर मांगा जाना चाहिए जिनका पूरा होना संभव हो।

एथलीट देवेंद्र कुमार का शव बरामद, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

फतेहाबाद, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में फतेहाबाद जिला के टोहाना क्षेत्र में मंगलवार को नहर में डूबे एथलीट का शव शुक्रवार सुबह नहर से बरामद हो गया है। मृतक के चेहरे पर खून के निशान थे, जिस पर परिजनों ने हत्या के आरोप लगाने शुरू कर दिये हैं।

पुलिस के अनुसार राजस्थान के नीमका थाना के गांव सिमारला निवासी 18 वर्षीय भगत सिंह बडासरा टोहाना के दमकौरा की मानव स्पोर्ट अकादमी में एथलेटिक्स की तैयारी कर रहा था। तीन तारीख को वह दोस्तों के साथ नहर पर नहाने गया था, जहां भगत सिंह डूब गया था और बाद में परिजनों को इसकी सूचना मिली तो अगले दिन गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में युवक के पिता सब इंस्पेक्टर देवेंद्र ने बताया था कि वह अपने सरकारी कोच दीपक के अधीन प्रैक्टिस कर रहा था और सरकारी कोच के अंडर काम करने वाले निजी कोच मनजीत के साथ उसके बेटे की कहासुनी हो गयी और उसे बाहर निकाल दिया गया था,

इसकी उन्हें सूचना नहीं दी गयी। उन्होंने बताया कि इसके बाद उनका पुत्र अपने साथियों के साथ नहर पर नहाने गया, तो वहां लोहे की सीढ़ियों पर बैठा रहा, लेकिन दोस्तों ने बाद में देखा तो वह वहां नहीं था।

उसके कपड़े, मोबाइल आदि वहीं था, इसके बाद युवकों ने कोच को आकर बताया तो न तो उन्हें सूचित किया गया। न ही युवकों को उनका नंबर दिया गया, ताकि उन्हें बताया जा सके। बाद में युवकों ने अकादमी से उनका नंबर लेकर उन्हें मामले के बारे में बताया, जिसके बाद वे अगले दिन टोहाना पहुंचे और गुमशुदगी की रिपोर्ट दी। उन्होंने अकादमी के प्रबंधक और कोच मनजीत पर लापरवाही और प्रताड़ित करने के आरोप शिकायत में लगाये।

पुलिस ने मामले में पड़ताल की, तो आज युवक का शव चांदपुरा हेड पर बरामद हुआ। उधर अकादमी प्रबंधक का कहना है कि युवक 31 तारीख को ही अकादमी छोड़कर जा चुका था। मामले में जांच कर रहे शहर थाना प्रभारी टोहाना प्रहलाद सिंह ने कहा कि अब तक हत्या जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। चेहरे पर चोट आदि नहीं है, नहर में डूबने के चलते खून आया है। पोस्टमॉर्टम के बाद पता लग जायेगा, अगर हत्या का मामला हुआ तो आगामी कार्रवाई की जायेगी।

राजस्थान निर्वाचन आयोग ने शुरु किया सूचना तकनीक का उपयोग

जयपुर, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों को संशोधित करने और मतदान केंद्रों के पुनर्गठन की प्रक्रिया में सूचना तकनीक का उपयोग करना शुरु कर दिया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने शुक्रवार को जयपुर में आयोजित सेमीनार में कहा कि मतदाताओं के नाम सूचियों में शामिल करने से लेकर मतदान और मतगणना तक की पूरी प्रक्रिया में सूचना तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। आने वाले समय में मतदान केंद्रों के पुनर्गठन और उनके क्षेत्र निर्धारण के कार्य में गूगल मैप या गूगल अर्थ सहित जैसे सूचना तकनीक उपकरणों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में ऊंची इमारतों और आवासीय कॉलोनियों और कच्ची बस्तियों में विशेष रूप से नए मतदान केंद्रों का गठन किया जाना है। इस प्रक्रिया में सूचना तकनीक उपकरण कारगर सिद्ध हो सकेंगे। श्री महाजन ने कहा कि मतदाता सूचियों में नाम शामिल करने या संशोधन के स्तर पर ही सूचना तकनीक का इस्तेमाल शुरू हो जाता है।

श्री महाजन ने कहा कि कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों की पहचान करके इसके कारणों को समझने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने में भी डाटा विश्लेषण से जुड़े सूचना तकनीक उपकरण कारगर होते हैं। सूचना तकनीक के उपयोग से विद्यालयों और महाविद्यालयों आदि शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे नए मतदाताओं को बड़ी संख्या में मतदाता निर्वाचन संबंधी गतिविधियों से जोड़कर लोकतंत्र में उनकी भागीदारी को बढ़ाया जा सकता है।

हाईवे पर चार वाहन भिड़े, चार लोग घायल

सिरसा, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में सिरसा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मताना मोड़ के पास शुक्रवार की सुबह चार वाहन आपस में भिड़ गए। हादसे में दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर के चालक और बाइक सवार तीन महिलाएं घायल हो गए।

आसपास के लोगों ने घायलों को नागरिक अस्पताल फ़तेहाबाद में भर्ती करवाया। जहां ट्रैक्टर चालक की हालत गंभीर होने परपीजीआई अग्रोहा रेफर कर दिया गया है। उधर मामले की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है। हादसे के बाद यहां पर लंबा जाम भी लग गया था जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस के अनुसार सिरसा के गांव डिंग मंडी निवासी राजकुमार ट्रैक्टर चालक डिंग के एक भट्ठे से ईंटे लेकर मताना गया हुआ था। सुबह वह खाली ट्रैक्टर ट्राली लेकर वापिस आ रहा था तो मताना मोड़ पर अचानक हाइवे पर चढ़ा तो एक ट्रक ट्रैक्टर से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर का एक हिस्सा टूट गया। उधर हिसार की तरफ से आ रहे ट्राला ने भी अपने आप को बचाने का प्रयास किया और पुलिस लाइन की चारदीवारी में जा लगा।

गनीमत ये रही कि पास में ही हाई वोल्टेज बिजली का खंभा था। बड़ी लाइन होने के कारण बड़ा हादसा हो सकता था। इसी दौरान अशोक नगर निवासी बाइक सवार अमनदीप कौर अपने बाइक का संतुलन खो बैठी और बाइक दुर्घटनाग्रस्त वाहन से जा भिड़ी। इस हादसे में वह, उसकी मां सुखविंद्र व एक अन्य महिला हरबंस कौर तथा ट्रैक्टर चालक घायल हो गए। चारों को नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां ट्रैक्टर चालक राजकुमार को रेफर कर दिया गया।

बागड़े, भजनलाल एवं देवनानी की गणेश चतुर्थी पर शुभकामनाएं

जयपुर, 06 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गणेश चतुर्थी पर्व (सात सितम्बर) पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर श्री बागडे ने कहा कि भगवान श्री गणेश प्रथम पूज्य है। वह सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करने वाले और मंगल करने वाले हैं। ऐसे भगवान श्री गणेश का हम वंदन, अभिनंदन करते हैं। उन्होंने गणेश चतुर्थी उमंग और उत्साह से मनाने के साथ गणेशोत्सव पर भगवान श्री गणेश से राष्ट्र और प्रदेश की समृद्धि, सम्पन्नता और खुशहाली की कामना की है।

इस मौके श्री शर्मा ने कहा कि विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश

की आराधना से जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं, इसलिए हम हर शुभ कार्य करने से पहले उनका पूजन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री गणेश ने अपने माता-पिता का हमेशा सम्मान किया। उनके जीवन से हमें बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर का भाव रखने का संदेश मिलता है।

इसी तरह श्री देवनानी ने कहा कि भगवान श्री गणेश से ज्ञान, धैर्य और आत्म विश्वास सीखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमें धैर्य के साथ जीवन में हर परिस्थिति में कार्य करना चाहिए। इस संसार में हर एक जीव का महत्व होता है। कितना भी छोटा जीव क्यों न हो, उसके कर्म मायने रखते हैं। निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करके ही हम मानव जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते है। संस्कृति और संस्कार व्यक्ति के विकास के आधार होते है। उन्होंने कहा कि श्री गणेश चतुर्थी पर्व को उत्साह के साथ मनायें। राष्ट्र प्रथम की भावना से भाईचारे और एकता के साथ पर्व को मनाया जाना चाहिए।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

बिहार के यूनिवर्सिटी का शातिरों ने बना डाला सोशल मीडिया पर चैनल

कुलपति ने कहा– होगी कार्रवाई

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह ने मुजफ्फरपुर के बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर बिहार यूनिवर्सिटी का सोशल मीडिया पर चैनल बनाया है। यूनिवर्सिटी का कहना है कि बीआरएबीयू के नाम पर एक चैनल क्रिएट करके छात्र-छात्राओं के साथ फ्रॉड किया जा रहा है। यही नहीं गुमराह करने के लिए यूनिवर्सिटी के नोटिस को टेलीग्राम के चैनल पर भी डाल दिया है। यूनिवर्सिटी का कहना है कि बीआरएबीयू के नाम पर

टेलीग्राम पर करीब डेढ़ दर्जन चैनल और ग्रुप अनाधिकृत रूप से चल रहे हैं, जिसमें टेलीग्राम पर चैनल और ग्रुप की संख्या ज्यादा है। इससे हजारों स्टूडेंट्स भी जुड़े हैं और इन ग्रुप और चैनलों पर विश्वविद्यालय से संबंधित सूचनाएं वायरल होती हैं, जिससे छात्र गुमराह हो रहे हैं। खासकर परीक्षा विभाग से जुड़ी सूचनाओं को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति बन जा रही है। इस बात की जानकारी के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन भी अलर्ट पर आ गई है। इस बात की जानकारी होने के बाद कुलपति ने इसको लेकर छात्र-छात्राओं को ऐसे लोगों से बचने की सलाह दे रहे हैं।

इस मामले में कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय का कहना है कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर बिहार यूनिवर्सिटी का सोशल मीडिया पर चैनल बनाकर छात्रों को गुमराह करने की जानकारी मिली है और हम इस तरह के मामले को किसी भी सूरत में अनदेखी नहीं करेंगे। पुलिस प्रशासन को भी अवगत कराया जायेगा और इस मामले को हम गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करेंगे। कुलपति ने कहा कि ऐसे लोग जो भी शिक्षण संस्थान के नाम पर फ्रॉड करने और गुमराह करने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। ऐसे लोगों को चिह्नित किया जाएगा और इस संबंध में पुलिस को भी जानकारी दी जाएगी। कुलपति ने कहा कि अब अब छात्रों को अगर कोई भी सूचना या फिर किसी जानकारी की जरूरत है तो वह इसके लिए सीधा यूनिवर्सिटी प्रशासन से संपर्क करेंगे।

कैमूर में बिजली गिरने से दो किशोरों की मौत

पटना (एजेंसियां)। कैमूर जिले के भगवानपुर थानाक्षेत्र के ओरगांव गांव के सिवान में इमली पेड़ के नीचे मोबाइल चला रहे दो किशोरों की बिजली गिरने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान ओरगांव नगूला निवासी दीनानाथ राम के बेटे प्रिंस कुमार और सुगीया पोखर गांव निवासी मुंशी राम के बेटे नीरज कुमार के तौर पर हुई है।

इधर, मौके पर पहुंचे बिहार सरकार के मंत्री प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार भास्कर ने बताया कि दोनों गांव से बाहर सिवान में इमली के पेड़ के नीचे बैठकर मोबाइल चले रहे थे। उसी दौरान हल्की बारिश और मेघ गर्जन हुआ। जहां आकाशीय बिजली की चपेट में

आने से दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने सदर अस्पताल में दोनों शव का पोस्टमार्टम कराया है।

भगवानपुर थाना प्रभारी ने बताया कि आज शुक्रवार के दिन भगवानपुर थानाक्षेत्र के दो किशोरों की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हुई है। दोनों शव लेकर पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिए गए हैं। दोनों की पहचान कर ली गई है। दोनों लोग कैमूर जिले के बताए जा रहे हैं। इधर, घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

पटना में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट और पथराव, मां की मौके पर ही मौत, बेटा घायल

पटना (एजेंसियां)। पटना में दो गुटों के बीच हुई जमकर मारपीट और पथराव में एक महिला की मौत हो गई। जबकि उसका बेटा घायल हो गया। यह घटना धनरुआ थानाक्षेत्र के छोटकी मटिया पर गांव की है। जहां नाली में पानी गिरने की बात को लेकर चंदन प्रसाद और छोटन प्रसाद के बीच विवाद शुरू हो गया। दोनों के बीच बात इतनी बढ़ गई कि मारपीट और पथराव शुरू हो गया। गांव के लोगों ने बताया कि दोनों पड़ोसी हैं। पथराव की घटना में देव कुवर देवी को गहरी चोट लगी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जबकि उनका बेटा छोटन प्रसाद पत्थर

लगने से घायल हो गया। घटना की सूचना के बाद पूरे गांव में सनसनी का माहौल कायम हो गया। उसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना धनरुआ थाने को दी।

सूचना मिलते ही धनरुआ थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल से दो महिलाओं को हिरासत में लिया। घटना के बाद पुलिस ने मृतका देव कुवर देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। जबकि घायल छोटन प्रसाद को इलाज के लिए नजदीक के नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस गांव में कैंप कर रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव के चंदन प्रसाद और छोटन प्रसाद के बीच नाली में पानी गिरने को लेकर कई दिनों से विवाद चल आ रहा है। इसी बीच शुक्रवार को दोनों के बीच कहासुनी हुई और विवाद इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते दोनों के बीच पथराव शुरू हो गया। घटना के बाद छोटन प्रसाद ने आरोप लगाया कि चंदन प्रसाद द्वारा अपने गुंडो को बुलाकर गोली चलाई गई है। जबकि पुलिस ने गोली चलाई जाने की बात की पुष्टि नहीं की है।

बताया जा रहा कि पथराव में छोटन प्रसाद की मां देव कुवर देवी (65) को पत्थर लगा और वह वहीं पर गिर पड़ीं। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। घटना के बाद चंदन प्रसाद अपने आदमियों के साथ गांव से फरार हो गया। सूचना मिलते ही धनरुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फरार हुए चंदन प्रसाद और उसके आदमियों की तलाश में छापामारी शुरू कर दी।

बेगूसराय में सड़क पर घूम रहा खूंखार कुत्ता, दो पुलिसकर्मी सहित 45 को बना चुका शिकार

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय में कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर निगम आवारा कुत्तों को पकड़ने में निष्क्रिय बना हुआ है, जिससे बेगूसराय के लोगो में ना सिर्फ नाराजगी है बल्कि डर का भी माहौल बना हुआ है। बेगूसराय में बृहस्पतिवार को लगभग चालीस से पैतालीस लोगों को आवारा कुत्तों ने अपना निशाना बनाया है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से कुत्ते के काटने से बेगूसराय सदर अस्पताल में दो पुलिस कर्मी सहित कुल 25 लोगों का इलाज किया गया है।

बृहस्पतिवार को सुबह से कुत्ता काटने के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ने लगी। शाम होते-होते यह संख्या अप्रत्याशित हो

गई। इस संबंध में अस्पताल के डॉक्टर चंदन कुमार चौधरी ने बताया कि बेगूसराय में बृहस्पतिवार को कुल 25 कुत्ता काटने के मरीज का इलाज किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि बरसात के मौसम में सड़क किनारे सड़ी गली चीज या इनफेक्टेड चीज खाने से कुत्तों की ऐसी हालत होती है, जिस वजह से वह लोगों को काटने लगते हैं। हालांकि इससे बचाव के लिए बेगूसराय अस्पताल में रैबीज की दवा मौजूद है। वही कुत्ता काटने के बाद सदर अस्पताल पहुंचे मरीज परेशान और डरे सहमे नजर आए। अधिकतर मरीजों का कहना था कि वह अपने काम या घरेलू सामान की खरीद बिक्री के लिए घर से बाहर निकले थे तभी अनायास कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

कुछ मरीजों का कहना है कि कई आवारा कुत्ते इतने खतरनाक होते है कि वह जहां काटते हैं, वहां से शरीर का मांस नोच लेते हैं।

इतना ही नहीं, कुत्ते इतना शातिर होते हैं कि वह अनायास ही शरीर के विभिन्न हिस्सों को अपना निशाना बना लेते हैं। फिलहाल बेगूसराय की गलियों में खतरनाक कुत्तों से लोग सहमे हुए हैं और बेगूसराय मेयर को कोस रहे हैं। उनका कहना है कि नगर निगम मेयर को इनसब समस्याओं से कोई मतलब नहीं है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी कांग्रेस और ममता बनर्जी पर जमकर बरसे

गया (एजेंसियां)। गया में केन्द्रीय मंत्री सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी आज गुरुवार को कांग्रेस के साथ-साथ ममता बनर्जी पर भी जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस गलती से जीत गई तो येलोग जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान में मिला देंगे। वहीं कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए जघन्य हत्या पर ममता बनर्जी पर भी खूब बोले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सड़क पर उतर कर नाटक कर रही थी।

गया में केन्द्रीय मंत्री सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी राहुल गांधी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को राहुल गांधी दिग्भ्रमित कर रहे

हैं। वह वहां 370 लागू करना चाहते हैं, लेकिन ऐसा कुछ होने वाला नहीं है। जीतन राम मांझी ने कहा कि जब तक हाथ में सत्ता नहीं आती है, तब तक ये लोग यूं ही लोक लुभावन घोषणाएं करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर गलती से जीत गए तो राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान में मिला देंगे।

केन्द्रीय मंत्री सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी राहुल गांधी के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी खूब बोले। उन्होंने कहा कि पश्चिमी बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ जो बर्बरता के साथ उसकी हत्या हुई, वह पूरा देश जानता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सड़क पर उतर कर नाटक कर रही थी। साथ ही दूसरों पर आरोप भी लगा रही थी। ममता सरकार ने देर से ही, लेकिन सही कदम उठाया है। नया कानून बनाने की बात कहकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन जख्मों पर मलहम लगाने का काम की है।

बेगूसराय में दो युवकों को खूंटे में बांधकर बेरहमी से पीटा, एक की मौत, दूसरा गंभीर

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय में एक बार फिर भीड़ का तालिबानी फरमान देखने को मिला। जहां बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों को लोगों ने पकड़कर खूंटे में बांधकर बेरहमी से पीट-पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल अवस्था में दोनों युवक को इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान एक युवक मोहित कुमार की मौत हो गई। जबकि घायल राहुल कुमार अभी भी जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। घटना बीरपुर थानाक्षेत्र के भावनंदपुर गांव की है। मृतक युवक की पहचान बीरपुर थानाक्षेत्र निवासी मोहित कुमार के रूप में की गई है। जबकि घायल एक युवक की पहचान राहुल कुमार के रूप में की गई है।

जानकारी के मुताबिक, दोनों युवक आज सुबह भावनंदपुर से एक बकरी चोरी कर

भाग रहे थे। तभी लोगों ने दोनों युवक को खदेड़ना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक बकरी चोरी करने के बाद मोटरसाइकिल से भाग रहे थे। इस दौरान भावनंदपुर के पास अचानक उनकी मोटरसाइकिल खराब हो गई और लोगों ने दोनों को पकड़ लिया। उसके बाद लोगों ने दोनों की जमकर लाठी-डंडे से पिटाई कर दी।

इससे भी मन नहीं भरा तो दोनों चोर को खूंटे से बांध दिया और फिर पिटाई करने लगे। पिटाई के बाद लोगों ने दोनों चोर को घायल अवस्था में पुलिस के हवाले कर दिया। आनन-फानन में पुलिस दोनों आरोपियों को इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान घायल आरोपी मोहित कुमार की मौत हो गई, जबकि राहुल कुमार की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

इस घटना को लेकर मृतक की मां ने बताया कि बेवजह बकरी चोरी के आरोप में पकड़ लिया और उसे बांधकर जमकर पिटाई कर दी। उसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मोहित कुमार की मौत हो गई, जबकि राहुल कुमार गंभीर रूप से घायल है। इस घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं, पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

गया में दिनदहाड़े व्यवसायी के घर में डकैती, 30 लाख रुपये लूटकर हुए फरार

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

पटना (एजेंसियां)। गया में हथियारबंद छह अपराधियों ने दिनदहाड़े एक घर में डकैती की घटना को अंजाम दिया है। इस घटना में अपराधी नगद समेत 30 लाख रुपए लूट कर फरार हो गये।घटना शेरघाटी थाना क्षेत्र के रमना मोड़ की है। पीड़ित व्यवसायी रोहित साहु ने बताया कि सभी अपराधी हथियार के साथ थे और हथियार के बल पर उन लोगों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया है।

लूटपाट की घटना के तुरंत बाद घर के मालिक ने पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह सात बजे जिले के व्यस्ततम रमना मोड़ पर स्थित रोहित साहु के गोदाम पर छह हथियारबंद बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया। बदमाश गोदाम में घुस गये और घर के मालिक रोहित साहु को तमंचे के नोंक पर घर के अंदर ले गये और फिर डकैती करने लगे। घर में रखे नगद समेत 30 लाख रुपये और सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। दिनदहाड़े डकैती की सूचना शहर में जंगल की आग की तरह फैल गई। सूचना पाते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी। डकैती की वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। इस दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यशैली को लेकर नाराजगी भी दिखाई।

पुलिस ने बताया कि बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। उधर, दिनदहाड़े घर में लूटपाट की घटना के बाद व्यापारियों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाया है। पुलिस ने कहा कि शेरघाटी थाना क्षेत्र के रमना मोड़ के पास फार्चून के थोक विक्रेता रोहित साहु के घर में घुसकर हथियारबंद अपराधियों ने डकैती की है। फरार लूटेरों को पकड़ने के लिए पुलिस ने कई टीमों का गठन किया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए बदमाशों की धरपकड़ शुरू कर दी गई है। शहर में जगह-जगह पुलिस ने नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। सभी आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद बाइक से जेपी चौक की ओर भाग गये।

मुजफ्फरपुर में सियार का आतंक, अब तक 12 से ज्यादा लोगों को काटकर किया घायल

ग्रामीणों में दहशत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के शेरपुर पंचायत के बंगरा गांव में सियार ने आतंक मचाया हुआ है। यहां सियार ने अब तक 12 से ज्यादा लोगों को काट कर घायल कर दिया है। पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। घायलों में से कई लोगों को सदर अस्पताल और निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। वन विभाग की टीम उक्त जानवर को रेस्क्यू करने में जुटी हुई है।

दरअसल, बीते दो दिनों से जिले के सदर थानाक्षेत्र के शेरपुर पंचायत इलाके के बंगरा गांव में एक जानवर के आतंक से लोगों में दहशत बनी हुई है। आलम यह है कि सियार ने अब तक चार बच्चों सहित 12 से अधिक

लोगों को काट कर घायल कर दिया है, जिसके बाद से पूरे इलाके के लोग डरे-सहमे हुए हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद से जिले की वन विभाग की टीम ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसको लेकर पूरे गांव और खेतों में कई पिंजड़े लगाए जा रहे हैं, ताकि सियार को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके।

स्थानीय ग्रामीण रितेश कुमार ने बताया कि पिछले दो दिनों में एक जानवर ने 12 से अधिक लोगों को काट कर घायल कर दिया है। यह जानवर कुत्ते जैसा दिखता है और लगता है कि जैसे सियार है। यह कोई भेड़िया नहीं है और इसकी वजह से पूरे इलाके में दहशत बनी हुई है। इससे लोग काफी डरे-सहमे हैं। वहीं, सियार के आतंक के कारण गांव के कई बच्चे स्कूल भी नहीं जा रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com